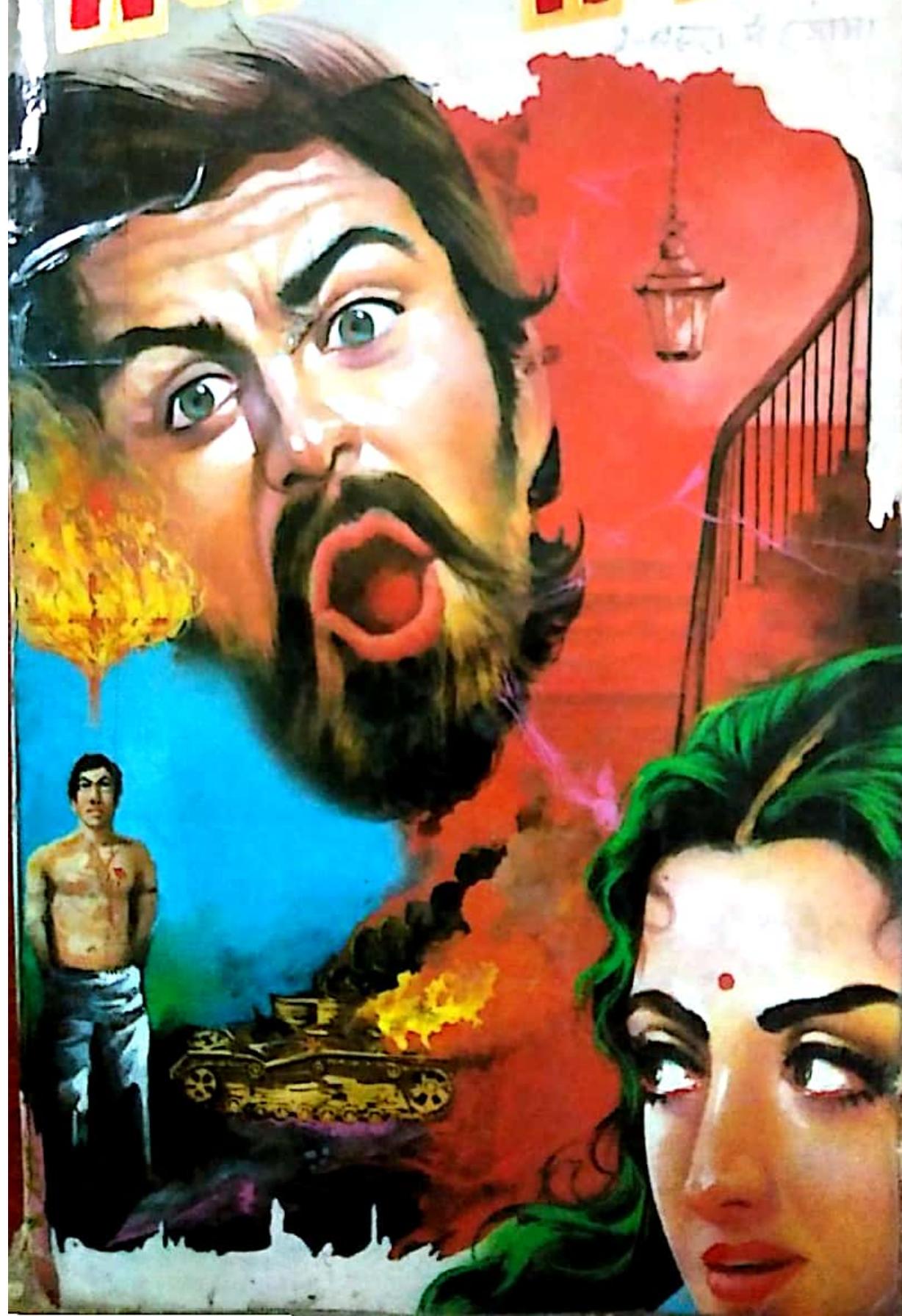


सुरेन्द्र मोहन पाठक

हंगाशी में हंगामा



'एम को तुम्हें बुडापेस्ट में नहीं भेजना चाहिए था।'
मेजर विचारपूर्ण स्वर में बोला।

'क्यों?'

'अगर तुम सचमुच ही हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के
हैडक्वार्टर में पहुंच जाते-तो वे लोग भी रगड़े जाते। तुम
तो हम लोगों के लिये खतरा बनकर हंगरी में आये हो।'

'यह सच नहीं है।' जेम्स बांड ने विरोध किया-'एम
ने हर पहलू पर विचार किया था। मैं पकड़ा जा सकता
था-लेकिन इससे तुम लोगों पर कोई खतरा आने की
संभावना नहीं थी। तुम्हारे बारे में भी मैं केवल तुम्हारा
नाम जानता हूँ और तुम्हारे चित्रों के माध्यम से तुम्हारी
सूरत पहचानता हूँ।'

हंगरी में हंगामा

सुरेन्द्र मोहन पाठक का एक सनसनीखेज उपन्यास

सुमन पॉकेट बुक्स में सुरेन्द्र मोहन पाठक
के कुल उपन्यास

- * हेरोइन के व्यापारी
- * झूठी औरत
- * काला मोती
- * हंगरी में हंगामा
- * शैतान की मौत
- * बंदर की करामात
- * मूर्ति की चोरी
- * डबल रोल
- * बदसूरत चेहरे
- * हांगकांग के लुटेरे
- * ब्लैकमेलर की हत्या
- * मुर्दा जी उठा
- * शाही मेहमान
- * होटल में खून
- * चार अपराधी
- * हत्या की रात
- * वसरा में हंगामा
- * खतरनाक ब्लैकमेलर
- * मौत का सफर
- * आर्मीन का गाँव
- * आधी रात के बाद
- * सफल अपराधी

हंगरी में हंगामा

सुरेन्द्र मोहन पाठक

हंगरी में हंगामा
कॉपीराइट : नरेन्द्र गुप्ता

प्रकाशक: सुमन पॉकेट बुक्स

वितरक : रतन एण्ड को,
16, दरियागंज
नई दिल्ली-110 002

फोन : 3278087, 3278235

फैक्स : 011-3279341

मुद्रक : न्यू पब्लिक प्रेस

HANGREY MAIN HANGAMA:
SUNEL SERIES:
SURENDRA MOHAN PATHAK

तापमान जीरो से भी कई अंश नीचे था। वानावरण में चारों ओर फैली हुई बर्फ की सफेदी के अतिरिक्त कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। चारों ओर मौत का-सा सन्नाटा छाया हुआ था।

जैम्स बांड सड़क के धरातल से पांच-छः फुट नीची एक बर्फ से भरी हुई खड्ड में सांस रोक पड़ा था। उसने अपने समाल का एक गोला-सा बनाकर अपने मुंह में ठूसा हुआ था ताकि दांत न किटकिटाएं। गहरे सन्नाट में किसी भी प्रकार की हल्की-सी आवाज भी हंगेरियन सीक्रेट पुलिस को उसकी स्थिति का आभास दे सकती थी।

कई क्षण यूँ ही पड़े रहने के बाद उसने धीरे से सिर उठाकर दूर सड़क की दिशा में देखा।

कहीं कोई नहीं था।

उसकी सतर्क दृष्टि आस-पास के गारे इलाके को टटोलती हुई फिर सड़क पर लौट आई।

पुलिस का कहीं नामोनिशान भी नहीं था।

जैम्स बांड को यह सोचकर बड़ी हैरानी हुई कि पुलिस ने इतनी आसानी से उसकी तलाश छोड़ दी है।

पहले उसने फौरन उठकर किसी ओर भाग निकलने का इरादा किया। लेकिन फिर उसने कुछ देर और प्रतीक्षा कर लेना ही उचित समझा।

शुरुआत ही इतनी गन्दी होगी, इसकी जैम्स बांड को आशा नहीं थी।

लन्दन में ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के हेडक्वार्टर में 'एम' ने उसे बताया था कि हवाई जहाज द्वारा बुडापेस्ट पहुंचना असंभव था। आगामी अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कांग्रेस के दौरान में एयरस्ट्राम पर सिक्योरिटी पुलिस का कड़ा पहरा था और किसी अनचाहे व्यक्ति का हवाई जहाज द्वारा बुडापेस्ट में प्रवेश कर पाना बहुत कठिन था। यही इलाका स्थानों का था। लम्बे रास्तों की तनाम गाड़ियां सिस्टम द्वारा बड़ी बारीकी से चौक की जा रही थीं। 'एम' ने बुडापेस्ट तक पहुंच पाने के लिए केवल सड़क का

ही रहता एक सम्भावना थी और वही रहता अपनाया भी गया था। जम्स बांड को लन्दन से वियना भेजा गया था और वहाँ से गैर कानूनी ढंग से बार्डर क्रॉस करके वह हंगरी में प्रवेश कर गया था। एक बार हंगरी में पहुँच जाने के बाद उसे बुडापेस्ट पहुँच जाना बड़ा मामूली काम लगा था। वह बुडापेस्ट की ओर जाने वाले एक ट्रक में चुपचाप सवार हो गया था।

जम्स बांड को पहले भी बताया गया था कि बुडापेस्ट के बाहर सड़क पर गिक्यारिटी पुलिस का कड़ा पहरा है और नगर में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति का चेक किया जा रहा है और जम्स बांड उस खतरों से बचने के लिए पूरी तरह तैयार बैठा था।

लेकिन शायद जम्स बांड को निर्देश देने वालों को भी इस बात की जानकारी नहीं थी कि बुडापेस्ट से चार्लिय मील दूर कोमारोम में ही इस प्रकार की चौकियाँ शुरू हो जायगी।

इस समय जम्स बाण्ड खून जमा देने वाली सड़ियों में बर्फ से भरी खाई में पड़ा हुआ था।

उसी क्षण उसके कानों में सख्त बर्फ पर लोहा लगे जूतों की पड़ियाँ टकराने की आवाज पड़ी।

उपने बड़ी सावधानी से थोड़ा-सा गिर उठाकर बाहर झाँका। बर्फीली धुंध में उसे कुछ भी दिखाई नहीं दिया- लेकिन कदमों की आवाज समीप आती जा रही थी।

जम्स बांड साय रंग के प्रतीक्षा करने लगा।

उसी क्षण कदमों की आहट के साथ उसे एक नई आवाज सुनाई दी- एक कुत्ते के गुर्गने की आवाज।

जम्स बांड के नथुनों से गहरी साय निकल गई।

ता पुलिस ने उसका पीछा छोड़ा नहीं था। वे लोग पीछा करने में दक्ष पुलिस के कुत्ते लेने गये थे जो केवल गन्ध को सूँघकर ही डिल्लीत व्यक्ति को ढूँढ़ निकालते हैं।

जम्स बांड ने अपने मुँह से स्माल हटाकर जेब में रख लिया। वह फुर्ती से उठा और खड्ड के पीछे बने पड़ के झुरमुट की ओर लपका।

पड़ों के समीप पहुँचकर वह एक बट से पड़ के तने के पीछे छुप गया।

आवाजें उसी ओर बढ़ रही थी।

जैम्स बांड ने भागने का विचार त्याग दिया और अपनी से 35 कालिबर की आटोमैटिक बेल्लिजियन रिवाल्वर निकाल ली। उस रिवाल्वर को हैंडल करने की जैम्स बांड को महीनों ट्रेनिंग दी गई थी। उस रिवाल्वर से वह एक इंच की गोलाई के टारगेट से बीस कदम की दूरी से दस बार में से दस बार निशाना लगा सकता था। लेकिन आज उसे लग रहा था कि वह इससे आधे फासले से एक पूरी लम्बाई-चौड़ाई का निशाना भी नहीं लगा सकेगा। सर्दी के कारण उसका सारा शरीर कांप रहा था।

कदमों की आहट समीप आती जा रही थी।

उसने पैड के तने की ओट में से बाहर झांका।

वे चार आदमी थे। चारों की बगल में सब-मशीनगन दबी हुई थी और उनके हाथ में एक-एक कुत्ते की जंजीर थी। एक कुत्ता तो बल्ट हाउन्ड था, बाकी तीन की नसल को बांड नहीं पहचान सकी।

जैम्स बांड की उंगलियां रिवाल्वर के ट्रिगर पर कस गईं। वे लोग अब केवल तीस कदम दूर रह गए थे और साधे जैम्स बांड की ओर बढ़ रहे थे।

उसी क्षण जैम्स बांड की दृष्टि अपनी रिवाल्वर की नाल पर पड़ी और वह एकदम चौंखला गया।

रिवाल्वर की नाल जमकर पत्थर की तरह सख्त हो चुकी थी वह बर्फ से जमाक हो चुकी थी। ऐसी सूरत में फायर करने से नाल में से बर्फ साफ हो सकती थी और यह भी सम्भव था कि नाल एकदम फट जाए और उसके हाथ के परखच्चे उड़ जायें।

उसने बड़ी फुर्ती से अपनी पेंट की बेल्ट में छुपा हुआ चाकू निकाला और उसके तेज फल की सहायता से रिवाल्वर की नाल में फर्सा हुई बर्फ खुरचने लगा।

वे लोग बहुत समीप आ गये थे।

जैम्स बांड ने फुर्ती से रिवाल्वर को दायें हाथ में धामा और पांच इंच लम्बे फल के स्टील के चाकू को दायें हाथ में धामकर तैयार हो गया। रिवाल्वर से वह सिपाही को भुगत लेगा और चाकू कुत्तों के लिए।

उसी क्षण उसकी दृष्टि बाकी तीन कुत्तों पर पड़ी और एकाएक उसका मुंह सूखने लगा।

बाकी के तीन कुत्ते ब्लड हाउन्ड नहीं, डॉवरमैन पिक्चर थे। डॉवरमैन संगार का सबसे खतरनाक कुत्ता। जिसमें एक भेड़िये

जैसी फुर्ती और अलसेशियन जैसी ताकत होती है। जो शैतान से नहीं डरता और जो पलक झपकते ही बड़ी बेरहमी से इन्सान की गरदन फाड़कर रख देता है। डोबरमैन से भिड़ना आत्महत्या करने के समान था। गिरफ्तार हो जाने के बाद भी बच निकलने की आशा हो सकती थी लेकिन डोबरमैन से भिड़कर जिन्दा रह पाना असम्भव था।

जेम्स बांड ने अपना अगला कदम निर्धारित करने में एक क्षण की भी देर नहीं लगाई।

उसने चाकू और रिवाल्वर दोनों चीजें उछालकर सिपाहियों के कदमों में फेंक दीं और फिर दोनों हाथ सिर से ऊपर उठाये पेंड की ओट में से बाहर निकल आया।

* * *

बीस मिनट बाद चारों सिपाही जेम्स बांड को गिरफ्तार करके पुलिस चौकी पर ले आये। पुलिस चौकी एक छोटे से झोंपड़े में स्थित थी जो उस इलाके की अकेली इमारत मालूम होती थी।

रास्ते में सिपाहियों ने उसके साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करने का प्रयत्न नहीं किया जबकि उन चार सिपाहियों में वे दो सिपाही भी मौजूद थे जिन्हें घायल करके वह ट्रक में से भागने में सफल हुआ था।

जिस ट्रक में छुपकर जेम्स बांड बुडापेस्ट की ओर जा रहा था, वह अभी भी चौकी के सामने खड़ा था। ट्रक का ड्राइवर आतंक से मरा जा रहा था और बार-बार सिपाहियों को विश्वास दिलाने का प्रयत्न कर रहा था कि उसकी ट्रक में जेम्स बांड की मौजूदगी की जानकारी नहीं थी।

सिपाही उसे झोंपड़ी में ले गये।

झोंपड़ी में एक छोटी-सी मेज थी जिसके पीछे एक बेहद छोटे कद का हार्यारंपद-सा लगाने वाला वर्दीधारी अफसर बैठा था जो शायद चौकी का इन्चार्ज था।

जेम्स बांड जबरदस्ती सिपाहियों के बन्धन से निकलकर उस आदमी की ओर बढ़ा। समीप आकर उसने इतनी जोर से अपने दोनों हाथ मेज पर मारे कि मेज पर रखा टेलीफोन अपने स्थान से उछल गया।

'यहाँ के इन्चार्ज तुम हो?' जेम्स बांड कुद्ध स्वर में बोला। वह आदमी एकदम बीखला गया। शायद उसे जेम्स बांड की

स्थिति के आदमी से ऐसे भीषण एक्शन की आशा नहीं थी !

'हाँ, मैं इन्चार्ज हूँ।' वह हड़बड़ाकर बोला।

जेम्स बांड ने उसे आगे बोलने का अवसर नहीं दिया। उसने अपने पर्स में से अपनी शिनाख्त के कागजात निकाले और उन्हें इन्चार्ज की मेज पर पटकता हुआ बोला- 'तो फिर इस बदतमीजी का क्या मतलब है? मुझे यहाँ क्यों लाया गया है? मेरे पेपर वगैरह देखो और छुट्टी करो। मेरे पास बरबाद करने के लिए समय नहीं है।'।

जेम्स बांड के इस आक्रामक आक्रमण जैसे व्यवहार का इन्चार्ज पर अच्छा असर पड़ा। उसने चुपचाप जेम्स बांड के पेपर उठा लिये और उन्हें देखने लगा।

'जोहान बुहल' वह पेपर पढ़ने लगा- 'बार्न लिज 1923, नाउ रेजिडेंट आफ वियना, बिजनेस मैन, इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट डीलर, मशीन पार्ट्स।'।

'और यहाँ मैं तुम्हारी इकानॉमिक मिनिस्ट्री के निमंत्रण पर आया हूँ।' जेम्स बांड तनिक नम्र स्वर में बोला और उसने एक और पत्र इन्चार्ज के सामने फेंक दिया। वह पत्र मिनिस्ट्री के आफिशियल कागज पर लिखा हुआ था और लिफाफे पर बुडापेस्ट पोस्ट आफिस की चार दिन पहले की तारीख की मोहर लगी हुई थी।

वह पत्र, जेम्स बांड का जोहान बुहल नाम का पासपोर्ट और बाकी कागजात वगैरह सब नकली थे जो 'एम' ने उसे दिये थे लेकिन वे नकलें इतनी शानदार थीं कि एक बार तो संसार का बड़े सा बड़ा एक्सपर्ट भी धोखा खा सकता था।

जेम्स बांड ने बड़ी शान से सिगरेट निकालकर सुलगा लिया। सिगरेट लाइटर, केस, होल्डर वगैरह सब आस्ट्रिया के बने हुए थे।

इन्चार्ज अब तक स्वयं को काफी नियन्त्रित कर चुका था। उसने जेम्स बांड के कागजात उसे वापस लौटा दिये और फिर स्थिर स्वर में बोला- 'तुम भागे क्यों थे?'

जेम्स बांड इसी प्रश्न की प्रतीक्षा कर रहा था और इसका उत्तर साधने के लिये उसे पर्याप्त समय मिल चुका था।

'हे भगवान!' वह असहाय भाव से अपना सिर हिलाता हुआ बोला-

'कुछ लुटेरे राइफल लेकर मेरी ओर बढ़ रहे हों तो तुम मुझसे क्या आशा करते हो? मैं वहीं बैठा रहता ताकि वे लोग मुझे कत्ल

कर देते?

‘वे लुटरे नहीं थे। स्पेशल पुलिस के सिपाही थे। तुम...।’
‘यह तो मुझे अब पता लगा है कि वे पुलिस के सिपाही हैं। उस समय तो मैं ट्रक के अन्दरे में इन्हें कोई लुटरे ही समझा था।’

इन्चार्ज चुप रहा।

जेम्स बांड एकदम मित्रतापूर्ण स्वर में बोला-‘खैर छोड़ो, जो हुआ उसे भूल जाओ। मुझे असुविधा हुई है उसमें आखिर तुम्हारी गलती तो नहीं थी न? वह सब तो एक गलतफहमी के कारण हो गया। अब तुम जल्दी से मुझे बुडापेस्ट पहुंचाने का इन्तजाम कर दो। मैं बुम्हारे व्यवहार की रिपोर्ट तुम्हारे सीनियर अफसरों के सामने नहीं करूंगा।’

सारी बात जेम्स बांड ने यूँ कहीं जैसे वह इन्चार्ज पर कोई भारी अहसान कर रहा हो।

‘थैंक्यू, बड़े दयावान हैं आप?’ इन्चार्ज बोला, लेकिन उसके स्वर में उस उत्साह का अभाव था- जिसकी जेम्स बांड आशा कर रहा था-‘अब, मिस्टर बुहल आप यह बताइये आप उस ट्रक में क्या कर रहे थे? आप जैसा महत्वपूर्ण बिजनेस में एक ट्रक में सफर करें, बड़े अचम्बे की बात है और फिर आपने ट्रक ड्राइवर को ट्रक में अपनी मौजूदगी की जानकारी क्यों नहीं होन दी?’

‘क्योंकि पूछने पर वह मुझे हरगिज ट्रक में नहीं चढ़ाता।’ जेम्स बांड बोला-‘क्योंकि ट्रक वालों को पुलिस द्वारा नाटिस मिल चुका है कि वे किसी अनजाने आदमी को ट्रक में न बैठाये। मेरा बुडापेस्ट फौरन पहुंचना जरूरी था क्योंकि मुझे फौरन इकानॉमिक मन्त्रालय के एक बड़े अफसर से मिलना है और तुम खामखाह देर किये जा रहे हो।’

‘लेकिन मिस्टर बुहल, आपने यह अभी भी नहीं बताया है कि आपके ट्रक में चढ़ने की नीबत कैसे आई?’

‘ओह, देर।’..... जेम्स बांड मुस्कराकर बोला-‘आजकल तुम जानते ही हो सड़कों की कितनी बुरी हालत है। हर जगह एक-एक फुट बर्फ जमी हुई है। मेरी कार बर्फ से फिसलकर एक खड्डे में जा गिरी थी और उसका सामने का एक्सेल टूट गया था।’

‘आप कार द्वारा बिथना से बुडापेस्ट जा रहे थे? लेकिन जल्दी पहुंचने के लिए तो लोग...।’

‘मुझे मालूम है, मालूम है।’ जेम्स बांड जल्दी से बोला। उसके

दिमाग में खतर की घण्टियाँ बजने लगी थीं—'जल्दी पहुँचने के लिए
लाग हवाई जहाज से सफर करते हैं लेकिन मैं अपनी कार में अपने
साथ दो सौ पचास किलो वजन की मशीनरी रखकर ला रहा था
लेकिन वजन आप जहाज में लादकर नहीं ला सकते हैं।'

फिर जेम्स बांड ने बड़ी क्रोधपूर्ण मुद्रा बनाकर अपने सिगारेट के
बचे हुए टुकड़े को मेज के कोने से रगड़कर बुझाया और फिर
बोला—'अब ये उल्टे-सीधे सवाल मुझसे कब तक पूछोगे? मैं तुम्हें
अपने कागजात वगैरह दिखा चुका हूँ और तुम्हें बीस बार बता चुका
हूँ, मुझे बहुत जल्दी है। इकानामिक मिनिस्ट्री में कैसे पहुँचूंगा मैं?'

'केवल दो सवाल और।' इन्चार्ज बोला—'उसके बाद आप
तथर्शफ ले जाइयेगा।'

'आप सीधे वियना से आ रहे हैं?' इन्चार्ज ने पूछा।

'हाँ।'

'आजें सुबह?'

'दोपहर के बाद।' जेम्स बांड ने उत्तर दिया। वियना उस स्थान
से एक सौ बीस मील दूर था।

'कितने बजे?'

'जेम्स बांड हिचकिचाया।'

'चार बजे? पाँच बजे?'

'नहीं, इससे भी बाद में। ठीक छः बजकर दस मिनट पर।
तुम्हारे कस्टम पोरट से गुजरते समय मैंने घड़ी देखा थी।'

'सच बोल रहे हैं आप?'

'आप कसम खाकर कहते हैं कि आप सच बोल रहे हैं।'

'हाँ।'

इन्चार्ज का सिर हल्के से हिला और फिर थोड़ी देर के लिए
उसके नेत्र जेम्स बांड के चेहरे से हट गये।

'जेम्स बांड का हैरानी दिखाने का भी अवसर नहीं मिला।'

पलक झपकते ही तीन जाड़ी हाथों ने उसे मजबूती से पकड़कर
कुर्सी से उठा दिया, उसकी बांह मरोड़कर सामने की ओर कर दीं
और फिर उसकी कलाईयों में चकमदार स्टील की हथकड़ियाँ पहना
दी गईं।

जेम्स बांड गुस्से से भड़क उठा—'इस बेहूदा हरकत का क्या
मतलब है?'

'इसका मतलब यह है मिस्टर।' इन्चार्ज कर्कश स्वर में बोला।

उसके स्वर में से जेम्स बांड के प्रति आदर का भाव एकदम उड़ चुका था- 'कि सफल झूठ बोलने के लिए तथ्यों की जानकारी होना बहुत जरूरी है जोकि तुम्हें नहीं है। शायद तुम्हें यह जानकर हैरानी होगी, बुहल-और यह मत समझो कि मैंने विश्वास कर लिया है कि तुम्हारा नाम बुहल ही है कि आज शाम को ठीक चार बजे हंगरी का आस्ट्रिया साइड वाला बार्डर किसी भी प्रकार के ट्रैफिक के लिए चौबीस घन्टे के लिए बन्द कर दिया गया है। और तुम कहते हो कि तुम हमारी कस्टम पोस्ट से छः बजकर दस मिनट पर गुजरे थे।' वह बड़े व्यंग्यात्मक ढंग से मुस्कराया और उसका हाथ टेलीफोन की ओर बढ़ गया- 'बुडापेस्ट पहुंचना चाहते थे न तुम? अभी पहुंचवाता हूँ तुम्हें बुडापेस्ट। मैं तुम्हारे लिए स्पेशल गाड़ी मंगवाता हूँ जिसमें एक-एक इन्च मोटी लोहे की छड़ें लगी होती हैं।'

उसने रिसीवर उठाकर कान से लगाया, दो तीन बार पलंजर ठकठकाया और फिर रिसीवर भड़ाक से कैंडिल पर पटक दिया।

फिर वह सबसे समीप खड़े सिपाही से बोला- 'आस-पास टेलीफोन कहाँ है?'

'गांव में है। यहाँ से तीन किलोमीटर दूर।'

'जितनी जल्दी जा सकते हो चले जाओ।' वह जल्दी-जल्दी एक कागज पर कुछ लिखकर सिपाही को थमाता हुआ बोला- 'इस नम्बर पर यह सन्देश दे देना और यह कहना मत भूलना कि रिपोर्ट मैंने भिजवाई है। भागो अब।'

सिपाही झोपड़ी से बाहर निकल गया।

केवल एक क्षण के लिए द्वार खुला और जेम्स बांड ने बाहर झाँका।

बाहर अन्धकार और गहरा हो गया था और बर्फ और ज्यादा गिरने लगी थी।

'तुम भारी गलती कर रहे हो।' वह इन्चार्ज से बोला- 'और तुम्हें यह गलती बड़ी महंगी पड़ेगी।'

'गलती मैंने एक ही की है।' इन्चार्ज आत्म-विश्वासपूर्ण स्वर में बोला- 'कि जो बकवास तुमने की थोड़ी देर के लिए मैंने उस पर विश्वास कर लिया। बुडापेस्ट से गाड़ी यहाँ पर दो घन्टे में पहुंचेगी। तब तक तुम अपना रिकॉर्ड चालू कर दो। सबसे पहले अपना नाम बताओ-मतलब है अपना असली नाम बताओ?'

'मेरा असली नाम वही है जो मेरे पासपोर्ट पर लिखा है। जो

कुछ मेरे कागजात में लिखा है, वह अक्षरशः सत्य है। अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें खुश करने के लिए झूठ बोलने के लिए तैयार हूँ।

बोलने के साथ-साथ जेम्स बांड हथकड़ियों की मजबूती पर खर रहा था लेकिन वहाँ कोई आशा नहीं थी। हथकड़ियाँ बहुत मजबूत थीं। अकेले इन्चार्ज से तो वह हथकड़ी लगे हाथों से भी निपट सकता था। उसे अपने हैट के भीतरी भाग में छुपे चाकू पर बहुत भरोसा था-लेकिन अपने पीछे खड़े सच-मशीनगनों से लैस तीन पुलिसमैन उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दे रहे थे।

‘मुझे खुश करने की जरूरत नहीं है। तुम सिर्फ सच बोलो।’ इन्चार्ज अपनी कुर्सी से उठा और मेज के पीछे से निकलकर जेम्स बांड के सामने आ गया। खड़े हो जाने के बाद उसका मोटा, ठिगना शरीर और भी भद्दा लगने लगा था-‘तुम्हारा असली नाम क्या है?’

‘जोहान बुहल। मैंने कहा न...।’

बाकी शब्द जेम्स बांड के मुँह में ही रह गये। इन्चार्ज का भारी हाथ पूरी शक्ति से दो बार उसके चेहरे से टकराया। जेम्स बांड के होठों के किनारे से खून की एक पतली-सी लकीर बह निकली।

‘मेरा ख्याल है दूसरी बार तुम ज्यादा समझदारी की बात करोगे।’ इन्चार्ज शान्त स्वर में बोला-‘बोलो, तुम्हारा असली नाम क्या है?’

उत्तर में जेम्स बांड के मुँह से एक गन्दी गाली निकल गई।

इन्चार्ज का चेहरा कानों तक लाल हो गया। वह फिर जेम्स बांड की ओर बढ़ा। दुबारा प्रहार करने के लिए उसका दाया हाथ फिर हवा में घूमा और फिर एक ऐसी घटना घटी-जिसकी उसे स्वप्न में भी आशा नहीं थी।

जेम्स बांड के दोनों पांव पूरी शक्ति से इन्चार्ज के पेट से टकराये और वह एकदम दो फुट पीछे पड़ी मेज पर फुटबाल की तरह जा पड़ा। कितने ही क्षण वह उसी स्थिति में मेज पर पड़ा रहा। फिर बड़ी मुश्किल से उसकी सांस लौटी और फिर सबसे पहले उसकी छाती में हरकत दिखाई दी-जो पहले तो धीरे-धीरे और फिर धौंकनी की सी तेजी से गिरने उठने लगी।

जेम्स बांड के पीछे खड़े सिपाही कितनी ही देर इस अप्रत्याशित घटना के प्रभाव से सकते की-सी हालत में खड़े रहे। फिर ये तीनों एकदम यूँ जेम्स बांड की ओर झपटे- जैसे उन्हें

बिजली का तार टूटा। गया हो।

उसी क्षण झोपड़ी के दरवाजा खुला और एक जमा देने वाला ठंडक का झोंका सारी झोपड़ी में घूम गया।

सिपाही वहीं रुक गए।

जेम्स बांड ने दृष्टि घुमाकर द्वार की ओर देखा।

द्वार पर एक बेहद आकर्षक और अधिकारपूर्ण व्यक्तित्व का स्वामी खड़ा था। उसका शरीर सिर से पांव तक एक मिलिट्री के ओवरकोट से ढका हुआ था। उसका दायां हाथ कमर के साथ बन्धी पेट्री से लटकती हुई रिवाल्वर पर था। और उसकी तीक्ष्ण दृष्टि दृश्य की छोटी डिटेल् को नोट करती हुई झोपड़ी में घूम रही थी।

केवल दस सैकंड में आगुन्तक की समझ में सारी स्थिति आ गई। उसने पांव की ठोकर से द्वार बन्द किया और मेज की ओर बढ़ा।

दर्द के मारे इन्चार्ज का चेहरा विकृत हो रहा था और वह पूरी शक्ति से अपनी उखड़ती हुई साँसों को अधिकार में लाने का प्रयत्न कर रहा था लेकिन सफल नहीं हो पा रहा था।

'इडियट!' आगुन्तक इन्चार्ज के सामने आकर बोला- 'अगली बार किसी कैदी से बात करो तो उसके पांवों से दूर खड़े होने की कोशिश करना।... कौन है यह आदमी? क्या पूछ रहे थे तुम इससे? और क्यों?'

बड़ी मुश्किल से इन्चार्ज अपने पैरों पर खड़ा हुआ और फिर भरिई आवाज में बोला- 'इसका नाम जोहान बुहल है। अपने आपको वियना का विजनेस मैन बताता है। लेकिन यह झूठ बोल रहा है। यह स्याई है कि और किसी एण्टी-कम्युनिस्ट कन्ट्री देशों का एजेंट है।'

'बकवास कम करो और बात ज्यादा करो।' आगुन्तक शान्त स्वर में बोला- 'लेकिन उस शान्ति में भी ब्लेड की धार जैसा पैनापन था। तुम्हें इसका नाम कैसे मालूम हुआ?'

'इसने अपने कागजात दिखाये थे, जो शर्तिया नकली हैं।'

'वे कागजात मुझे दो।'

इन्चार्ज ने मेज की ओर संकेत कर दिया और बोला- 'वे पड़े हैं।'

'वे कागजात मुझे दे।' आगुन्तक बड़े ही अधिकारपूर्ण ढंग से एक-एक शब्द पर जोर देता हुआ बोला।

इन्चार्ज लड़खड़ाता हुआ आगे बढ़ा और उसने कागजात उठाकर आगुन्तक को थमा दिये।

'एक्सलैट।' कितनी ही देर तक उस कागजों को परखते रहने के बाद आगुन्तक बोला- 'इतनी शानदार फोर्जरी (धोखा) बहुत कम देखी है मैंने।'

जेम्स बांड को वह आदमी बहुत खतरनाक लगा। वह समझ गया कि उसे बेवकूफ बनाने का प्रयत्न करना केवल समय की बरबादी होगी।

'आप कौन हैं?' एकाएक इन्चार्ज ने आगुन्तक से पूछा।

'सवाल मैं करूँगा।' आगुन्तक बोला- 'तुम केवल जवाब दोगे। तुमने इस आदमी को स्याई कहा था। क्यों?'

'वह कहता है कि वह छः बजे के बाद बार्डर क्रॉस करके आया है जबकि बार्डर तीन बजे बन्द हो चुका था।'

'शिट!' आगुन्तक बोला। उसने अपनी जेब से एक सोने का सिगरेट केस निकाला और उसमें से एक रूसी सिगरेट निकालकर हाँठों से लगा लिया। फिर कीमती लाइटर से सिगरेट सुलगाई।

इन्चार्ज अब तक काफी हद तक अपने आप पर काबू पा चुका था। वह एकदम बदले स्वर में आगुन्तक से बोला- 'लेकिन तुम कौन हो? मैंने आज से पहले तुम्हारी सूरत तक नहीं देखी और तुम मुझे यूँ आर्डर दे रहे हो, जैसे मैं तुम्हारे मातहत काम करता हूँ। यहाँ का इन्चार्ज मैं हूँ, समझे।'

पूरे एक मिनिट तक एकदम सन्नाटा छाया रहा। फिर आगुन्तक ने यूँ इन्चार्ज के अपने सामने बौने से लगने वाले शरीर को देखा, जैसे इन्चार्ज आदमी न हो कोई कीड़ा-मकौड़ा हो।

उस दृष्टि का प्रभाव इन्चार्ज पर पड़े बिना न रह सका। इन्चार्ज अपने आप में सिकुड़ सा गया।

आगुन्तक ने जैसे अपने उस एक्शन के बाद इन्चार्ज के प्रश्नों का उत्तर देना जरूरी नहीं समझा।

'इस आदमी के मुँह से खून निकल रहा है।' वह उसी अधिकारपूर्ण स्वर में बोला- 'क्यों?'

'यह मेरे प्रश्नों का उत्तर नहीं दे रहा था और।'

'तुम्हें किसी कैदी से सवाल पूछने का या उसे घायल करने का अधिकार किसने दिया है, गंध?' आगुन्तक गर्जी- 'दुबारा कभी अपने अधिकारों की हद से बाहर निकलकर कोई काम किया तो बाकी

की सारी जिन्दगी के लिए कान्सटान्टा भेज दूंगा।'

इन्चार्ज की आँखों में आतंक के भाव दिखाई देने लगे। वह अपनी जुबान सूखे होंठों पर फेरने लगा। कान्सटान्टा। जहाँ गुलामों के लेबर कैम्प हैं। जहाँ जाकर आज तक कोई वापिस नहीं लौटा। डेन्यूब नदी और ब्लैक-सी बीच का यह नर्क सारे मध्यवर्तीय योरोप में प्रसिद्ध था।

'मैं... मैं।' वह हकलाया- 'मैं... मैंने तो... सोचा था...।'

'सोचना एक बहुत कठिन काम है इसलिए तुम यह काम उन्हीं लोगों को करने दो जिनमें इसकी काबिलियत है।' फिर वह जेम्स बांड की ओर संकेत करता हुआ बोला- 'इस आदमी को मेरी कार में पहुँचा दो।'

जेम्स बांड विचित्र नेत्रों से आगुन्तक को देख रहा था। यह उसने अभी भी नहीं बताया था कि वास्तव में वह कौन था।

'डॉग मत हाँको।' आगुन्तक बोला- 'तुम मुझे इतने अकलमन्द दिखाई नहीं देते कि आदमी की खूब अच्छी तरह तलाशी ले सको।'

फिर वह जेम्स बांड से बोला- 'तुम तो बड़ी ऊँची नस्ल के आदमी मालूम होते हो। इसलिए मुझे आशा है, तुम मुझे तलाशी लेने पर मजबूर नहीं करोगे।'

'मेरे हैट में एक चाकू छुपा हुआ है।' जेम्स बांड शान्त स्वर में बोला। उस आदमी को धोखा दे पाना उसे असम्भव लगा।

'थैंक्यू वैरी मच।' आगुन्तक ने जेम्स बांड का हैड उतारकर उसमें से चाकू निकालकर अपने ओवरकोट की जेब में डाल लिया और हैट वापिस अपने स्थान पर पहुँचा दिया। उसने कठोर नेत्रों से इन्चार्ज की ओर देखा।

इन्चार्ज के चेहरे से जैसे खून की आखिरी बूंद निचोड़ ली गई थी।

'तुम हंगेरियन पुलिस की नौकरी करने के काबिल आदमी दिखाई नहीं देते मुझे।' आगुन्तक इन्चार्ज से बोला- 'इस बार तुम्हें छोड़ रहा हूँ। दुबारा ऐसी लापरवाही दिखाई तो कान्सटान्टा कन्सन्ट्रेशन कैम्प में एक आदमी और बढ़ जायेगा।'

इन्चार्ज थरथर कांपने लगा।

'एन्ड्रेसी उट में फोन मिलाकर रिसीवर मुझे दो।' आगुन्तक बोला।

एन्ड्रेसी उट! जेम्स बांड का दिल धड़कने लगा। एन्ड्रेसी उट

हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का हैडक्वार्टर था और वह संसार का अकेला स्थान था जिससे जेम्स बांड भी बचना चाहता था।

इन्चार्ज चुप रहा।

'खड़े-खड़े मेरा मुंह क्या देख रहे हो? टेलीफोन मिला जा'।

'टै... टैली... टेलीफोन?' इन्चार्ज आतंकित स्वर से बोला, 'ख... खराब है।'

'शाबाश!' आगुन्तक व्यंग्यपूर्ण स्वर से बोला-'भगवान् जाने तुम जैसे अफसरों के हाथों में पड़कर इस देश का क्या होगा?'

इन्चार्ज इस योग्य नहीं रहा था कि कुछ बोल पाये।

आगुन्तक ने अपनी जेब से पर्स जैसी कोई चीज निकाली और उसे खोलकर इन्चार्ज को दिखाता हुआ बोला-'अब बताओ, मुझे इस कैदी का अपने अधिकार में ले लेने का हक है या नहीं?'

'यस कर्नल, यस कर्नल!' इन्चार्ज हकलाया-'मैं माफी चाहता हूँ, मेरे से गलती हुई कर्नल।'

'गुड।' आगुन्तक बोला और उसने पर्स बन्द करके फिर अपनी जेब में रख दिया। फिर वह जेम्स बांड की ओर घूमा और व्यंग्य और बनावटी औपचारिकता मिश्रित स्वर में बोला-'कर्नल जेड्रो, हैडक्वार्टर्स, हंगेरियन पोलिटिकल पुलिस, एंट यूअर सर्विस मिस्टर बुहल। मेरी कार हाजिर है। हम फौरन बुडापेस्ट की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। वहीं चलकर गहरी बातें होंगी।'

एक गहरी हार का अहसास जेम्स बांड के मन को बार-बार कचोट रहा था।

* * *

झांपड़ी के बाहर घना अन्धरा छा चुका था। कर्नल जेड्रो की लैफ्ट-हैण्ड-ड्रावल मॉर्गिडीज गाड़ी पर बरफ की मोटी चादर फैल चुकी थी। गाड़ी का काला रंग केवल बोनट वाले भाग में ही प्रकट हो रहा था जहाँ इन्जन की गर्मी के कारण बर्फ गिरते ही फौरन पिघलकर बह जाती थी।

ट्रक वाले के ट्रक की तलाशी ली गई और उसमें से जेम्स बांड का बैग भी बरामद कर लिया गया। कर्नल ने जेम्स बांड की रिवाल्वर और दोनों चाकू भी उसी बैग में डाल दिए।

कर्नल से जेम्स बांड का बैग अपनी गाड़ी की पिछली सीट पर फेंक दिया और फिर उसने कार का अगला दायां द्वार खोला और

जेम्स बांड को भीतर बैठने का संकेत किया।

जेम्स बांड आशङ्कित हो उठा। उसका दावा था कि गाड़ी चलाता हुआ अकेला आदमी, चाहे वह कोई भी हो, उसे पचास मील से अधिक फासले तक बन्दी बनाकर नहीं रख सकता था। लेकिन कार में बैठने के एक मिनट बाद ही उसे अहसास होने लगा कि उसका यह दावा कितना निराधार था।

कर्नल कार की ड्राइविंग सीट पर आ बैठा।

कार के बाहर खड़ा एक सिपाही जेम्स बांड को रायफल से कवर किए हुए था।

कर्नल ने कार के डैश बोर्ड में बना ग्लोब-कम्पार्टमेंट खोला और उसमें से दो लोहे की लम्बी जंजीरें निकाल लीं। उसने जेम्स बांड की बाईं कलाई की हथकड़ी खोली, उसमें से जंजीर का एक फन्दा गुजारा और हथकड़ी फिर कलाई पर जकड़ दी। फिर उसने जंजीर का दूसरा सिरा डैश बोर्ड में बने एक लोहे के हुक में से गुजारा और पहले की तरह दूसरे सिरे का आखिरी फन्दा जेम्स बांड की दाईं कलाई की हथकड़ी में पिरों दिया।

फिर उसने दूसरी जंजीर जेम्स बांड की दोनों टांगों के बीच घुटनों के समीप से गुजारी और उसके दोनों सिरे जेम्स बांड की साइड वाले द्वार में लगे एक लोहे के हुक में एक भारी ताले की सहायता से फंसा दिए।

‘मेरे ख्याल से, अब ठीक रहेगा।’ कर्नल सन्तुष्टिपूर्ण स्वर में बोला-‘आप अपने स्थान पर बैठे ठाठ से हिल-डुल सकते हैं, मिस्टर बहुल लेकिन मुझ तक नहीं पहुंच सकते। इस इन्तजाम से मुझे गाड़ी चलाने में बड़ी सहूलियत होगी और साथ ही आप भी अपनी ओर का द्वार खोलकर स्वयं को गाड़ी से बाहर न फेंक पायेंगे। अगर आप अपनी ओर के द्वार को गौर दें तो भीतर से खोलने वाला हैंडिल और शीशा नीचा करने वाला हैंडिल दोनों गायब हैं। इसलिए आपका मुझे धोखा देकर गाड़ी में से कुछ भागने का चान्स जीरों पर सैट रह गया है।’

‘बड़ा इन्तजाम है?’ जेम्स बांड व्यंग्यपूर्ण स्वर में बोला।

‘क्या करें साहब।’ कर्नल लापरवाही में बोला-‘आप जैसे स्पेशल पैसेन्जर इस गाड़ी में मुझे अक्सर दोने पड़ते हैं। और मिस्टर बहुल जंजीरों पर जोर आजमाइश करके अपने शरीर को हानि पहुंचाने का प्रयत्न मत कीजिएगा। मैं आपको विश्वास दिलाता

हूँ कि न जंजीरें टूट पायेंगी और न लोहे के हुक-जिनमें से ये जंजीरें पिरोई गई हैं।

इन्चार्ज फिर कार से बाहर कर्नल के सोमने आ खड़ा हुआ था।

'हाँ!' कर्नल कर्कश स्वर में बोला- 'अब क्या चाहते हो तुम?'

'आई एम सारी कर्नल!' इन्चार्ज हकलाता हुआ बोला- 'मैं आपको बताना भूल गया था। मैंने हैडक्वार्टर सन्देश भेज कर इस आदमी को ले जाने के लिए कार मंगवाई है।'

'तुमने?' कर्नल एकदम तीव्र स्वर में बोला- 'कब?'

'दस या पन्द्रह मिनट पहले।'

'फूल! यह बात तुम्हें फौरन बतानी चाहिए थी मुझे।'

इन्चार्ज फिर कांपने लगा।

'खैर! अब दफा हो जाओ यहाँ से।'

कर्नल ने भड़क से अपनी और का द्वार बन्द किया और कार स्टार्ट कर दी।

बुडापेस्ट की स्टालिन स्ट्रीट में स्थित हंगेरियन सीक्रेट सर्विस के हैडक्वार्टर से आज तक कोई जिन्दा बचकर नहीं निकल पाया था, इस तथ्य को जेम्स बांड अच्छी तरह जानता था। वह जानता था कि अगर बुडापेस्ट पहुंचने से पहले-पहले वह स्वयं को कर्नल के चंगुल से नहीं छुड़ा सका तो फिर जिन्दगी भर आजादी का मुँह नहीं देख सकेगा।

वह जंजीरों पर अपनी शक्ति का परीक्षण पहले ही कर चुका था। कर्नल ने झूठ नहीं बोला था। जंजीरें तोड़ पाना सम्भव नहीं था। वह जंजीरों की सीमा में आस-पास हिलकर यह भी जान चुका था कि उसके हथकड़ियों से जकड़े हुए हाथ कार के स्टेयरिंग व्हील तक नहीं पहुंच सकते। लगभग ऐसा ही हाल उसकी टांगों का भी था। वह टांगें हिला-डुला तो सकता था लेकिन उन्हें ऊपर उठाकर कर्नल पर आक्रमण नहीं कर सकता था।

'मिस्टर बुहल?' काफी देर बाद कर्नल जैदो बोला।

'यश!' जेम्स बांड बोला।

'बहुत खतरनाक आदमी है आप? बल्कि सच पूछिये, तो इस कार में सफर करने वाले आदमियों में सबसे अधिक खतरनाक आदमी है आप?'

जेम्स बांड चुप रहा।

'आपको खूब मालूम है कि आप कहाँ ले जाये जा रहे हैं लेकिन

फिर भी आपके चेहरे पर लेशमात्र भी भय दिखाई नहीं दे रहा है जबकि साधारण आदमी की तो हंगेरियन सीक्रेट सर्विस के हैंडक्वार्टर का जिक्र सुनकर ही आत्मा कांपने लगती है।

‘जी हाँ, जी हाँ।’ कर्नल बोला।

कर्नल ने एक सिगरेट सुलगा लिया और फिर बोला-‘आप आराम से तो हैं न?’

‘एकदम आराम से हूँ।’ जेम्स बांड बोला। एकाएक उसके मस्तिष्क में एक तरकीब उपजी-‘क्या एक सिगरेट मुझे भी मिल सकता है?’

‘शुनार।’ कर्नल बोला-‘आप तो मेरे मेहमान हैं। मुझे आपकी हर मुमकिन सेवा करनी चाहिए। ग्लोब कम्पार्टमेंट में बहुत सिगरेट पड़े हैं जितने मर्जी पीजिए।’

जेम्स बांड ने ग्लोब कम्पार्टमेंट में हाथ डाला। वहाँ ढेर-सारे लूज सिगरेट पड़े थे। उसने एक उठाकर हाँठों से लगा लिया।

‘सिगरेट लाइटर भी वहीं हैं।’ कर्नल बोला।

जेम्स बांड ने टटोलकर सिगरेट लाइटर भी उठा लिया।

डैश बोर्ड में एक फुट दाईं ओर एक-दूसरे कम्पार्टमेंट में जेम्स बांड ने कर्नल को हथकड़ियों की चाबी रखते देखा था-लेकिन यहाँ वर्तमान स्थिति में वहाँ तक उसका हाथ पहुँचना असम्भव था।

जेम्स बांड ने देखा, सिगरेट लाइटर पेट्रोल से जलने वाला नहीं था। वह एक नये ढंग का बैटरी आपरेटिड लाइटर था जिसमें से लपट निकलती थी। इसमें एक छोटा-सा स्प्रिंग था जो बटन दबाने से लाल हो जाता था।

जेम्स बांड ने लाइटर का बटन दबाया और फिर एकाएक लाइटर उसकी उंगलियों-में से फिसलकर जमीन पर आ गिरा।

‘आई एम सॉरी!’ जेम्स बांड विनयशील स्वर में बोला।

कर्नल ने एक जोर का अट्टाहास किया और फिर बोला-‘वन्दर फुल, मिस्टर बहुल लेकिन मुझे अफसोस है कर्नल जैदों ऐसी चालों में फँसने की स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है।’

‘क्या कह रहे हैं आप? मैं समझा नहीं।’

‘वन्दरफुल अगेन! आपके इस उलझनपूर्ण भाव का अभिनय आपके पहले एक्शन से भी ज्यादा शानदार है। लेकिन मिस्टर बहुल, मैं कल फैदा नहीं हुआ था। आप मुझसे यह आशा मत कीजिए कि मैं औपचारिकतावश यह लाइटर उठाने के लिए नीचे

झुकूँ ताकि आप अपने हथकड़ियों वाले हाथ मेरे सिर पर पटककर मेरी खोपड़ी तोड़ दें।

जेम्स बांड चुप रहा। कर्नल निस्सन्देह बहुत चालाक था।

‘दूसरी सम्भावना यह भी है कि मैं आपके सिगरेट सुलगाने के लिए अपनी माचिस दे दूँ। और आप एक तीली जलाकर माचिस में रखी सारी तिलियाँ भड़का दें और वह शोला-सा मेरे मुँह पर फँक कर मेरी आँखें या चेहरा जला दें।’

जेम्स बांड फिर भी चुप रहा।

‘फिर आपने यह सोचा होगा कि मैं आपके सिगरेट सुलगाने के लिए जलती हुई दियासलाई आपकी ओर बढ़ाऊँगा और आप मेरी उंगलियों को जूड़ी लाक (एक जापानी दांव) में फँसाकर मेरी उंगलियों के जोड़ खोल देंगे।’

जिन्दगी में पहली बार जेम्स बांड का अपने मैच से मुकाबला हुआ था।

‘यू आर टार्किंग नानसेंस।’ प्रत्यक्ष में वह बोला।

‘सम्भव है लेकिन क्या कम, शक करना मेरी आदत बन गई है।’

फिर कर्नल ने एक माचिस जेम्स बांड की गोदी में उछाल दी।

‘इस माचिस में एक ही तीली है, मिस्टर बुहल।’

मन ही मन अपनी भारी हार स्वीकार करते हुए जेम्स बांड ने सिगरेट सुलगा ली। उसका मस्तिष्क कोई नई तरकीब सोचने में लग गया।

फासला कटता रहा।

एकाएक एक स्थान पर कर्नल ने गाड़ी में रोड से नीचे उतार दी। पेड़ों के एक घने झुरमुट में जाकर इंजन बन्द कर दिया और हैड लाइट्स बुझा दीं।

जेम्स बांड के ख्याल से बुडापेस्ट अभी भी बीस मील दूर था।

कर्नल ने जेम्स बांड का बैग उठा लिया और बोला, ‘इसकी चाबी दीजिए और भगवान के लिए मत कहियेगा कि चाबी आपके पास है ही नहीं! अनजाने में कहीं खो गई है। मेरे ख्याल से आप और मैं दोनों ही एस्पियानेज की (जासूसी) किंडर मार्टन स्टेज से बहुत आगे गुजर चुके हैं।’

‘चाबी मेरे कोट की भीतरी जेब में है।’ जेम्स बांड बोला।

‘निकालिए?’

‘मेरा हाथ वहाँ तक नहीं पहुँच सकता।’

‘बेहतर।’ कर्नल बोला। उसने अपनी जेब से रिवाल्वर निकालकर जेम्स बांड की पसलियों से सटा दी और फिर उसकी भीतरी जेब में हाथ डालकर चाबी निकाल ली।

जेम्स बांड के मुंह से एक गहरी सांस निकल गई। कर्नल बहुत सतर्क आदमी था।

कर्नल कितनी ही देर तक बैग में रखे सामान को परखता रहा। फिर उसने बैग की लाइनिंग उधेड़नी आरम्भ कर दी। बैग के कैनवस की दो तहों के बीच में कुछ कागज बाहर निकल आये।

कर्नल उन कागजों को खोलकर देखने लगा।

उन कागजों में जेम्स बांड का एक विभिन्न नाम से पासपोर्ट था और बाकी कागजों में उसका जन्म स्थान, राष्ट्रीयता वगैरह सब बदली हुई थी।

‘बड़ा भारी इन्तजाम रखते हैं आप, मिस्टर ब्रुहल।’ कर्नल प्रशंसात्मक स्वर में बोला-‘एक ही क्षण में आप अपना पूर्ण अस्तित्व बदल सकते हैं। कौन से कागजात असली हैं? जो आपने पहले दिखाये थे? या दोनों नकली हैं?’

‘ये कागजात असली हैं। आस्ट्रियन कागजात नकली हैं।’

जेम्स बांड बोला और फिर एकदम उसने जर्मन बोलनी बन्द करके धारा प्रवाह हंगेरियन बोलनी आरम्भ कर दी-‘मेरी माँ वियना में रहती है। मुझे सन्देश मिला था कि वह मरने वाली है। इसीलिए मुझे नकली आस्ट्रियन पेपर हासिल करने पड़े।’

‘अच्छा!’ कर्नल बनावटी सहानुभूति प्रकट करता हुआ बोला-‘अब कैसी तबीयत है तुम्हारी माँ की?’

‘मर गई है।’ जेम्स बांड वेदनापूर्ण स्वर में बोला, ‘विश्वास न हो तो मंगलवार के अखबार में ‘निधन’ के कॉलम में उसका नाम देख लीजिए।’

‘क्या नाम...?’

‘मेरिया राकोसी।’

‘जस्स होगा साहब।’ अब कर्नल भी हंगेरियन में बोल रहा था-‘मैं अखबार देखे बिना ही आपकी बात पर विश्वास कर लेता हूँ। अखबार में नाम न होता तो आप हरगिज जिक्र नहीं करते इसका। मुझे आपसे हमदर्दी है।’

जेम्स बांड चुप रहा।

‘तो आपका असली नाम लाजोस राकोसी है?’ कर्नल पेपर

देखता हुआ बोला।

‘जी हाँ।’

‘जोहान बुहल नहीं?’

‘नहीं, मेरा नाम लाजोस राकोसी है। मेरी जन्म-तिथि, हंगरा का पता, शादी की तारीख वगैरह सब इन कागजों में दर्ज है।’

‘मैं आपकी और आपके अफसरों की तारीफ करता हूँ।’ कर्नल बोला-‘आपका मुल्क अपने जासूसों को पूरे-पूरे इन्तजाम के साथ ही दूसरे मुल्कों में भेजता है, आप...।’

‘लेकिन मैं कोई जासूस नहीं हूँ, कर्नल जैडो!’ जेम्स बांड रुआंसे स्वर में बोला-‘मैं तो बुडापेस्ट का सीधा-साधा नागरिक हूँ। जाली आस्ट्रियन पेपर तो मैंने अपनी मरती हुई माँ से मिलने की खातिर हासिल किए थे। मैं पक्का देशभक्त हूँ और अपने देश का अहित तो मैं स्वप्न में भी नहीं सोच सकता। आप मेरी देश प्रेम की भावनाओं का अनुमान इसी बात से लगा सकते हैं कि एक बार हंगरी से निकल जाने के बावजूद भी मैं वापिस आ गया हूँ। मेरा देश मेरा देश है। बुडापेस्ट में मेरा घर है। इसलिए मैं वापिस बुडापेस्ट जा रहा हूँ।’

‘च-च-च।’ कर्नल हंगेरियन में बोला-‘आप बुडापेस्ट वापस नहीं आ रहे हैं साहब। बुडापेस्ट जा रहे हैं और शायद जीवन में पहली बार जा रहे हैं।’

कर्नल एकदम जेम्स बांड के नेत्रों में झाँक रहा था फिर एकाएक उसके चेहरे का भाव बदला और वह बोला-‘पीछे देखो।’

जेम्स बांड ने एकदम घूमकर देखा और फिर फौरन ही उसे अपनी गलती का अहसास हो गया। कर्नल ने आखिरी दो शब्द अंग्रेजी में कहे थे लेकिन जेम्स बांड ने सीक्रेट सर्विस की लम्बी नौकरी में बड़ी से बड़ी गलती को सुधारना और कठिन से कठिन समस्या का सामना करना सीखा था।

‘मुझे इंगलिश आती है।’ वह सरल स्वर में अंग्रेजी में बोला-‘तो इसमें हैरानी वाली कौन-सी बात है। कर्नल साहब, अगर आप बुडापेस्ट के निवासी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि बुडापेस्ट में कम से कम पचास हजार ऐसे आदमी हैं, जिन्हें इंगलिश आती है।’

‘कमाल है!’ कर्नल अपनी दाईं हथेली अपनी जाँघ पर मारता हुआ बोला-‘एक अंग्रेज बुडापेस्ट के उच्चारण में हंगेरियन बोले, यह

कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन एक अंग्रेज अंग्रेजी, यानी कि अपनी ही भाषा, बुडापेस्ट निवासियों के उच्चारण में बोलें, यह करिश्मा है।

'मिस्टर बुहल!' एकाएक कर्नल गम्भीर स्वर में बोला- 'या जो भी तुम्हारा नाम है किसी देश की सीक्रेट सर्विस में तुम्हारे जैसے एजेंट का होना उस देश के लिए गौरव की बात है। तुम्हारे देश के अफसरों ने तुम पर बहुत मेहनत की है, तुम्हें टॉप हीन ट्रेनिंग दी है। हंगरी से बाहर रहकर हंगरी के लोगों के रहन-सहन, बात करने का ढंग, उनकी आदतों, उनकी भाषा उनके विपिष्ट उच्चारण के बारे में तुमने जो कुछ सीखा है वह एकदम परफेक्ट है। मैं तुम्हारे और तुम्हारे शिक्षकों की तारीफ करता हूँ लेकिन बहुत-सी बातें ऐसी हैं जो केवल हंगरी में रहकर यहाँ के साधारण लोगों की-जिनका कि तुम अभिनय कर रहे हो-करीब से देखने पर ही सीखा जा सकती है। उन बातों में से एक है यहाँ के लोगों की मानसिक स्थिति। यहाँ के लोग एक भारी आतंक के आलम में यहाँ रहते हैं। पता नहीं कब मौत कालम्या हाथ बढ़कर उन्हें ले ले और उनकी कहानी खत्म हो जाए। मिस्टर बुहल, अगर वास्तव में ही तुम वह होते जो तुम स्वयं को सिद्ध करने का प्रयत्न कर रहे हो तो मेरी सूरत में तुम्हें अपनी मौत दिखाई देती। सीक्रेट पुलिस के हेडक्वार्टर में ले जाये जाने के नाम-मात्र से तुम आधी दर्जन बार बेहोश हो चुके होते और बच्चों की तरह बिलख-बिलखकर अपनी निर्दोषिता प्रमाणित करने का प्रयत्न कर रहे होते। या अगर तुम बहुत ही बहादुर और मजबूत दिल के हंगेरियन होते तो क्रोध से लाल-पीले हो रहे होते, और चिल्ला-चिल्ला कर मझे, मेरी सीक्रेट पुलिस को और साम्यवाद के बनाने वालों को गालियाँ दे रहे होते। लेकिन मिस्टर बुहल, क्योंकि हंगरी से बाहर रहकर तुम हंगरी निवासियों के चरित्र की इस विशेषता को नहीं जान पाये-चलिए तुमने ऐसा कुछ नहीं किया, और यही तुम्हारी सबसे बड़ी गलती सिद्ध हुई। तुम बातें मुझसे कर रहे हो लेकिन तुम्हारा तांत्र मरिन्सक एक मशीन की तेजी से कोई ऐसी तरकीब साध निकालने में लगा हुआ है जिससे तुम मेरे घगुल में से ऐसी स्थिति तुम्हारे लिए नई नहीं है तुम इस प्रकार की स्थितियों में फँसने और उसमें से बच निकलने के आदी हो चुके हो। तुम में आत्म विश्वास कूट-कूट कर भरा हुआ है और तुम हो कि मेरी छाँटी से छाँटी गन्ती का भी बड़े से बड़ा फायदा उठाने की योग्यता

रखते हो। तुम...।

एकाएक वह चुप हो गया। उसने हाथ बढ़ाकर कार के भीतर जलने वाली बत्ती बुझा दी और फिर जेम्स बांड के मुंह में से सिगरेट छीनकर उसे अपने जूते से मसल दिया।

अगले ही क्षण जेम्स बांड के तेज कानों में एक समीप आती हुई कार के इन्जन की हल्की-सी आवाज पड़ी।

कर्नल एकदम स्थिर बैठा था।

कार की आवाज तेज होती गई। फिर कार की तेज हैडलाइट्स के प्रकाश से सड़क की बर्फ चमचमा उठी।

कार बुडापेस्ट की ओर से आ रही थी।

फिर सड़क पर आगे बढ़ती हुई कार के साथ-साथ रोशनी भी दृष्टि से ओझल हो गई। एक क्षण बाद कार के इन्जन की आवाज आनी भी बन्द हो गई।

एक मिनट बाद कर्नल ने इन्जन स्टार्ट किया और कार को फिर मेन रोड पर ले लिया।

कार फिर बुडापेस्ट की ओर बढ़ चली।

जेम्स बांड हैरान था।

* * *

लगभग एक घण्टा बाद कर्नल जैट्रो की कार बुडापेस्ट के समीप पहुंच गई। साधारणतया यह फासला बीस-पच्चीस मिनट में तय किया जा सकता था लेकिन बर्फ से अटी हुई सड़कों को ध्यान में रखते हुए एक घन्टा भी अधिक नहीं था।

शहर की सीमा के समीप पहुंच कर कर्नल ने हाइवे फिर छोड़ दिया। वह कई टेढ़ी-मेढ़ी महत्वहीन सड़कों पर गाड़ी चलाता हुआ आगे बढ़ रहा था।

जेम्स बांड ने देखा, कर्नल जान-बूझकर कार ऐसी सड़कों पर चला रहा था जिनके रास्ते में पुलिस ब्लॉक नहीं आता था।

उसने उलझनपूर्ण नेत्रों से कर्नल के भावहीन चेहरे को देखा। पहले कर्नल ने कॉराम की ओर जाती हुई पुलिस की गाड़ी से बचने के लिए अपनी कार में रोड से उतार कर झाड़ियों में छुपा ली थी और अब वह पुलिस ब्लॉक से बचने का प्रयत्न कर रहा था।

जेम्स बांड ने खिड़की से बाहर झांका।

गाड़ी फॉरेन्क जोजफ चिज में गुजर रही थी।

फिर गाड़ी डेन्यूब नदी के पुल को पार करके बुडापेस्ट नगर के दूसरे भाग में पहुंच गई।

जेम्स बांड पहले कभी भी बुडापेस्ट में नहीं आया था-लेकिन वह बुडापेस्ट के एक-एक गली, मुहल्ले, सड़क, इमारत वगैरह को इतनी अच्छी तरह पहचानता है जैसे उसने अपनी पूरी जिन्दगी ही उन्हीं गलियों की खाक छानते हुए गुजारी हो। बुडापेस्ट के विशाल मानचित्र में से बुडापेस्ट की एक-एक जगह की सूरत और स्थिति भाव करने में उसने पूरे दो महीने लगाये थे।

गाड़ी रायल पैलेस और कारोनेशन चर्च से होती हुई मैगियार्स की पार्लियामेंट के सामने से गुजर गई।

गाड़ी ने मोड़ काटा और पेड़ों से घिरी हुई उस विशाल सड़क पर दौड़ने लगी- जो हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर एन्ड्रेसी की ओर जाती थी।

दस मिनट-केवल दस मिनट बाकी थे और उसके बाद जेम्स बांड का दुश्मन के चंगुल से छूट पाना संसार का सबसे कठिन काम हो जाना था।

जेम्स बांड के दिल की धड़कन तेज हो गई। उसका मुंह सूखने लगा।

कर्नल के चंगुल से छूट पाने का कोई तरीका उसे नहीं सूझ रहा था।

फिर गाड़ी की रफ्तार घटने लगी।

'मिस्टर बुहल!' कर्नल बोला-'आप जानते ही होंगे कि इस समय आप कहाँ हैं?'

'जानता हूँ।' जेम्स बांड शान्त स्वर में बोला-'इस रास्ते से मैं हजारों बार गुजरा हूँ।'

'आप इस रास्ते से कभी नहीं गुजरे हैं।' कर्नल बोला-'लेकिन मुझे विश्वास है कि आप इस रास्ते की वहाँ का नक्शा बनाने वाले से भी ज्यादा जानकारी रखते हैं। कोई जगह पहचानते हैं आप?'

'आपका हैडक्वार्टर!' जेम्स बांड पचास गज दूर खड़ी विशाल इमारत की ओर संकेत करता हुआ बोला।

'करैक्ट।' कर्नल बोला-'यही वह जगह है, जहाँ पहुंचकर बहादुर से बहादुर हंगेरियन को भी दिल के दीरे पड़ने लगते हैं और आप...'

कर्नल ने कन्धे उचकाये।

जेम्स बाण्ड चुप रहा।

‘मैं आपको हैडक्वार्टर के एक ऐसे अन्डर ग्राउन्ड कमरे में ले जा रहा हूँ जो पूरी तरह साउन्डप्रूफ है और जिसको हम लोग केवल अपने विशिष्ट अतिथियों के लिए ही प्रयोग में लाते हैं। उस कमरे में मैं आप पर केवल दो घन्टे खर्च करूँगा। दो घन्टे इसलिए क्योंकि उतने समय में मैं टार्चर के वे तगाम तरीके आप पर आजमा चुका हाऊँगा जो कि मुझे आते हैं। मेरी नजर में संसार के सख्त के सख्त आदमी की जुबान, खुलवाने के लिए दो घन्टे पर्याप्त समय है। और मिस्टर बुहल, मैं जानता हूँ अगर दो घन्टों में आपने अपनी असलियत नहीं बताई तो आपकी जुबान दो दिन, दो महीने, दो साल में भी खुलवाना मुश्किल होगा। इसलिए उन दो घन्टों के बाद मैं अपनी भरपूर हार स्वीकार करते हुए खुद अपने हाथों से आपको गोली से उड़ा दूँगा।’

कितनी ही देर जेम्स बाण्ड की सूरत देखते रहने के बाद कर्नल ने गाड़ी चला दी।

जेम्स बाण्ड सांस रोके स्वयं को मौत के मुंह में जाता देखता रहा।

हैडक्वार्टर की इमारत के समीप पहुंचकर कर्नल ने गाड़ी को एक गहरा मोड़ दिया और फिर गाड़ी रोक दी। उसने अपनी जेब से एक सिल्क का रूमाल निकाला और उसे कसकर जेम्स बाण्ड की आँखों पर बान्ध दिया।

गाड़ी फिर चल दी।

कुछ देर तो जेम्स बाण्ड गाड़ी के मोड़ों को याद करता रहा लेकिन थोड़ी ही देर बाद उसने इस कार्य को असम्भव जानकर छोड़ दिया। अगले पांच मिनट में गाड़ी ने इतने तिरछे मोड़ घूमें कि उसके लिए यह याद रख पाना असम्भव हो गया कि गाड़ी किस दिशा में जा रही है।

फिर गाड़ी एक क्षण को रुकी, फिर लगभग दस गज आगे बढ़ी और फिर इन्जन बन्द हो गया।

जेम्स बाण्ड के कानों में भारी शटर नीचे गिराये जाने की आवाज पड़ी।

लगभग दस मिनट बाद कार का उसकी ओर का द्वार खुला और दो हाथों ने उसे जंजीरों से मुक्त करके उसकी कलाईयों में फिर से हथकड़ियाँ पहना दीं। फिर उन्हीं हाथों ने उसे खींचकर कार

से बाहर निकाला और उसकी आंखों से सिल्क का रुमाल हटा दिया।

जेम्स बाण्ड ने कितनी ही बार जल्दी-जल्दी अपनी आँखें मिचमिचाई और फिर चारों ओर देखा।

वह एक विशाल गैरेज था जिसकी चार-दीवारी में कोई खिड़की या रोशनदान दिखाई नहीं दे रहा था। सामने का भारी शहर बन्द था। पिछली दीवार के कोने में एक दरवाजा था जिसका एक पट खुला था और उसमें ऐ एक लम्बे गलियारे के दर्शन हो रहे थे।

शायद वह सीक्रेट पुलिस हैडक्वार्टर्स के बूचड़खाने में पहुंच गया था।

जेम्स बाण्ड के सामने एक पहाड़ जैसे शरीर वाला आदमी खड़ा था। उसकी नाक टूटी हुई थी और चेहरा बेहद भद्दा था। जेम्स बाण्ड को यह देखकर बहुत हैरानी हुई कि उस भद्दे चेहरे में से क्रूरता के स्थान पर एक विचित्र प्रकार की सरलता टपक रही थी।

कर्नल भी कार से बाहर निकल आया।

'सैन्डर!' वह भद्दे चेहरे वाले से बोला-'साहब हमारे मेहमान हैं। अभी थोड़ी देर में ये हमें अपनी जीवन कथा सुनायेंगे। साहब की अच्छी तरह निगरानी करना। ये बड़े खतरनाक आदमी हैं।'

'मैं साहब का पूरा ख्याल रखूंगा।' सैन्डर शान्त स्वर में बोला।

कर्नल जेम्स बाण्ड का बैग और कागजात लेकर पिछले द्वार में से गलियारे में कहीं विलीन हो गया।

सैन्डर दीवार के साथ पीठ सटाकर खड़ा हो गया।

जेम्स बाण्ड कुछ क्षण चुपचाप खड़ा रहा। फिर उसकी आँखें मुंदने लगीं और उसका शरीर हल्के से लहराने लगा।

'क्या बात है?' सैन्डर ने तीव्र स्वर में पूछा।

'कुछ नहीं।' जेम्स बाण्ड भरपूर हुए स्वर में बोला-'मुझे चक्कर आ रहा है। एकाएक मेरा सिर घुमने लगा है।'

और फिर जेम्स बाण्ड ने अपनी हथकड़ियों से बंधे हाथों से सिर थाम लिया।

लगभग एक मिनट तक वह उसी स्थिति में खड़ा रहा।

सैन्डर ने दीवार का सहारा छोड़ दिया और एकदम आगे जेम्स बाण्ड की ओर बढ़ा।

जेम्स बाण्ड का शरीर एक बार जोर से कांपा-फिर उसकी आँखों की पुतलियां फिर गईं और अगले ही क्षण उसका शरीर

निश्चेष्ट-सा फर्श की ओर लहराने लगा।

जेम्स बाण्ड के शरीर ने एकाएक एक अप्रत्याशित हरकत की। वह अपनी एड़ियों पर घूमा और उसने अपने हथकड़ियों से जकड़े दोनों हाथ पूरी शक्ति से सैन्डर के सिर पर दे मारे। उस प्रहार के पीछे जेम्स बाण्ड के सारे शरीर की शक्ति का एक-एक कण निहित था। उसने अपने पूरे जीवन में किसी व्यक्ति पर इतना भीष्ण प्रहार नहीं किया था। जेम्स बाण्ड के दोनों हाथ व्रज की तरह सैन्डर की गरदन पर जबड़े की हड्डी से थोड़ा-सा नीचे टकराये।

जेम्स बाण्ड को यूँ लगा, जैसे उसने वह प्रहार किसी आदमी पर नहीं, किसी मजबूत पेड़ के तने पर किया था। वह दर्द से बिलबिला उठा और उसे यूँ लगा जैसे उसके हाथ की कई उंगलियाँ टूट गई हों।

जूटो का यह प्रहार किसी भी अच्छे-खासे बलशाली आदमी को जान से मार देने के लिए पर्याप्त था, अगर सौभाग्य से किसी के प्राण निकलने से रह भी जायें तो कम से कम तीन दिन वह आमदी अपने स्थान से हिलने-दुलने के योग्य नहीं रहता था। लेकिन सैन्डर के मुँह से केवल एक कराह निकली फिर उसने अपने सिर को एक जोरदार झटका दिया और फिर चड़ी सावधानी से जेम्स बाण्ड की ओर बढ़ा। वह उसके हर अगले प्रहार से सचेत था।

लेकिन जेम्स बाण्ड दूसरा प्रहार करने योग्य रहा ही नहीं था। दहशत और हैरानी से उसकी आँखें फटी जा रही थीं।

सैन्डर ने उसे कार और अपने शरीर के बीच में दबोच लिया। फिर उसने अपने दोनों हाथों से जेम्स बाण्ड की कलाईयाँ पकड़ लीं और उन्हें दबाने लगा। उसका चेहरा और आँखें एकदम भावरहित थीं। ऐसा लगता था जैसे वह कोई बहुत ही महत्वहीन काम कर रहा हो।

जेम्स बाण्ड ने इतनी जोर से अपने दांत भींचे कि उसका जबड़ा दुखने लगा। बड़ी मुश्किल से वह अपने गले से निकालने को तत्पर पीड़ा और आतंक की चीख को दबा पाया।

सैन्डर की लोहे जैसी पकड़ का दबाव उसकी कलाईयों पर बढ़ता जा रहा था। जेम्स बाण्ड के चेहरे से खून की अन्तिम बूंद भी निचुड़ गई और उसके माथे पर पसीने की बूंदें चुहचुहा आईं। उसे यूँ लग रहा था जैसे उसकी कलाईयाँ कोल्हू के बेलनों में फँस गई

थी। उसकी आँखों के सामने अन्धेरा छाने लगा।

उसी क्षण सैन्डर ने उसकी कलाईयाँ छोड़ दी और दो कदम हट गया। वह अपने दाहिने हाथ से बड़ी लापरवाही से गरदन के उस स्थान पर सहला रहा था-जहाँ जेम्स बाण्ड ने प्रहार किया था।

‘अगली बार मेरी पकड़ में आपकी कलाईयाँ नहीं, आपकी गरदन होगी।’ वह नम्र स्वर में बोला-‘मेहरबानी करके दोबारा ऐसी हरकत मत करना। खामखाह हम दोनों ही चोट खा गये हैं और नतीजा कुछ भी नहीं निकला।’

पूरे पाँच मिनट बाद जेम्स बाण्ड के चेहरे पर रंगत लौटी।

फिर उसने सैन्डर को यूँ देखा, जिसे कोई अजूबा देख रहा हो।

उसी क्षण पिछला द्वार फिर खुला और एक लगभग बीस साल के खूबसूरत लड़के ने गैरेज में प्रवेश किया।

‘सैन्डर!’ वह बोला-‘साहब को भीतर ले आओ।’

सैन्डर ने जेम्स बाण्ड को आगे बढ़ने का संकेत किया।

जेम्स बाण्ड उस लड़के के पीछे-पीछे द्वार में प्रविष्ट हो गया।

लम्बे गलियारे के दूसरे सिरे पर नीचे की जाती हुई सीढ़ियाँ थीं। उन सीढ़ियों के आगे फिर एक लम्बा गलियारा था-जिसके सिरों पर कई दरवाजे दिखाई दे रहे थे।

जेम्स बाण्ड को उनमें से एक दरवाजे से भीतर धकेल दिया गया।

वह एक बहुत बड़ा कमरा था-जो प्रकाश से बुरी तरह जगमगा रहा था। कमरे के एक ओर एक मेज थी जिस पर जेम्स बाण्ड की साइलेंसर्स लगी रिवाल्वर, दो चाकू, उसके कागजात और बैग का बाकी सामान पड़ा था। कर्नल ने तो केवल बैग की लाइनिंग ही अधेड़ी थी लेकिन अब बैग के टुकड़े-टुकड़े हुए पड़े थे। बैग की जिस टुक तोड़ दी गई थी। उसका चमड़े का हैंडिल उतारकर उसकी धज्जियाँ उड़ा दी गई थीं और यहाँ तक कि बैग के केस में लगे हुए चार स्टैंड भी उतार लिए गए थे और उन्हें तोड़कर उनके भीतर झाँक लिया गया था।

जेम्स बाण्ड को मानना पड़ा कि उसके सामान की तलाशी लेने वाला इस कला का विशेषज्ञ था।

मेज के पीछे एक लगभग पचास साल का आदमी बैठा था। उसकी आँखों पर काला चश्मा चढ़ा हुआ था और उसके चेहरे से

गहन बुद्धिमत्ता के लक्षण परिलक्षित हो रहे थे।

उसके हाथों में जेम्स बाण्ड के कागजात थे।

उसकी बगल में कर्नल जैड्रो खड़ा था।

लड़का भी कर्नल जैड्रो के समीप खड़ा था। लेकिन सैन्डर द्वार के समीप ही खड़ा था। वह अभी भी धीरे-धीरे अपनी गर्दन के उस भाग को सहला रहा था-जहाँ जेम्स बाण्ड ने उस पर प्रहार किया था।

काले चश्मे वाले ने कागजात मेज पर रख दिये और फिर बड़ी सधी हुई किन्तु मित्रतापूर्ण आवाज में बोला-‘आपके कागजात दिलचस्पी से खाली नहीं हैं, मिस्टर बुहल। फोर्जरी को कला का इतना अद्वितीय नमूना बहुत कम ही मेरी नजरों से गुजरा है। अब बड़ी कृपा होगी, अगर आप इन कागजों का हवाला देना छोड़कर हमें अपनी वास्तविकता बता दें।’ उसी क्षण उसकी नजर सैन्डर पर पड़ी-‘क्या बात है सैन्डर?’

‘इसने मुझ पर प्रहार किया था।’ सैन्डर दबे स्वर में बोला-‘यह आदमी जूड्रो का मास्टर मालूम होता है। इतना सधा हुआ प्रहार करने के लिए जूड्रो के बहुत ऊँचे ज्ञान की आवश्यकता होती है।’

‘मैंने तुम्हें पहले ही बताया था कि यह बहुत खतरनाक आदमी है।’ कर्नल बोला।

‘मैं धोखा खा गया था।’ सैन्डर ने स्वीकार किया-‘इसने एकदम यूँ अभिनय किया था, जैसे यह बेहोश होकर ज़मीन पर गिरने वाला हो।’

‘मैं आपकी तारीफ़ करता हूँ, मिस्टर बुहल।’ काले चश्मे वाला फिर जेम्स बाण्ड से सम्बोधित हुआ-‘कोई आदमी सैन्डर पर घातक प्रहार करने में सफल हो जाये, इसे हम करिश्मा मानते हैं।...खैर, आपका नाम, मिस्टर बुहल?’

‘मैं अपना असली नाम कर्नल जैड्रो को पहले ही बता चुका हूँ। मेरा नाम राकोसी है-लाजोस राकोसी। अपनी जान बचाने की खातिर मैं आप लोगों को एक दर्जन नाम बता सकता हूँ लेकिन मेरा वास्तविक नाम राकोसी ही है और मैं इसका सबूत दे सकता हूँ।’

‘मिस्टर बुहल।’ काले चश्मे वाला शान्त स्वर में बोला-‘आप बहादुर आदमी हैं, हम लोग इस बात को स्वीकार करते हैं लेकिन जिस इमारत में आप खड़े हैं, वहाँ बहादुरी एक बेंकार सी चीज

समझी जाती है। मैं आपकी यहाँ से निकाल ले जाने में सहायक सिद्ध नहीं हो सकती। अगर आप सच बोलें तो आपकी मुक्ति सम्भव हो सकती है। इसलिए आप अपना वास्तविक परिचय देकर हमें अनुगृहीत कीजिए।

जेम्स बांड हैरान था। आखिर ये लोग उसके साथ इतनी विनम्रता से क्यों पेश आ रहे हैं? एक ही कारण उसकी समझ में आया। शायद ये लोग उसके साथ चूहे-बिल्ली का खेल-खेल रहे हैं। अपने भले व्यवहार से उसके मन में एक गलत प्रकार की सुरक्षा की भावना भर देने के बाद ही शायद वे उस पर प्रहार करेंगे।

‘हम उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं, मिस्टर बुहल।’ चश्मे वाला बड़ा सब से बोला।

‘मैं अपना उत्तर पहले ही दे चुका हूँ।’ जेम्स बांड बोला-‘मैं पहले ही हकीकत बयान कर चुका हूँ। मेरा नाम लाजोस राकोसी है। मैं हंगेरियन हूँ और बुडापेस्ट का निवासी हूँ।’

‘यह आपका अन्तिम उत्तर है?’

‘मैं सच बोल रहा हूँ।’

‘अच्छी बात है। अपने कपड़े उतार दीजिए। सारे।’

‘नहीं!’ जेम्स बांड तीव्र स्वर में बोला। उसने घूमकर देखा, द्वार पर सैन्डर का पहाड़ जैसा शरीर खड़ा था और इस बार वह बेहद सतर्क था। कर्नल जेड्रो ने भी रिवाल्वर निकाल ली थी-‘मैं कपड़े नहीं उतारूँगा।’

‘बचपना मत दिखाइये, मिस्टर बुहल।’ कर्नल जेड्रो भावहीन स्वर में बोला-‘आप हमारी किसी भी आज्ञा का पालन न करने की स्थिति में नहीं हैं। मेरे हाथ में रिवाल्वर है और सैन्डर जरूरत पड़ने पर जबरदस्ती आपको नंगा कर देगा। और सैन्डर आपके कपड़े भी गलत ढंग से उतारेगा। वह आपकी कोट कमीज वगैरह सब एक ही बार अपने मुट्ठी में पकड़ेगा और फिर एक ही झटके से आपके ये शानदार कपड़े धज्जियों की सूस्त में आपके शरीर से उधड़ते चले जायेंगे। यही हाल आपकी पतलून और बाकी कपड़ों का भी होगा। इसके विपरीत आप अपने कपड़े स्वयं उतारने में कहीं ज्यादा सहूलियत महसूस करेंगे।’

जेम्स बांड ने स्वीकृति-सूचक ढंग से सर हिला दिया। उसकी हथकड़ी खोल दी गई।

एक मिनट बाद जेम्स बांड के ऊपर कपड़े

फिर वह और वह एकदम नगा जमा देने वाली गर्दी में ठिठुरना हुआ खड़ा था।

कपड़े यहाँ लाओ, सैन्डर। काले चश्मे वाले ने आज्ञा दी। फिर उसने जम्स बांड पर दृष्टिपात किया- आपके पीछे बेंच पर एक कम्यूल पड़ा है।

जम्स बांड ने उलझनपूर्ण भाव में काले चश्मे वाले की ओर देखा। उसका ख्याल था कि उसे पीटने के लिए निर्वन्त्र किया जा रहा है-जबकि वास्तव में वे लोग उसके कपड़े चेंक करना चाहते थे। और फिर उसे गर्दी में बचने के लिए कम्यूल देना। साम्यवादियों के टार्चर चैम्बर में इनकी शराफत दिलाने वाले वे लोग उसे बड़े विचित्र लग रहे थे।

उसने आगे बढ़कर कम्यूल उठाया, उसे कमकम अपने शरीर के साथ लपेटा और फिर गठरी-सा बनकर बेंच पर बैठ गया।

लगभग दस मिनट तक काले चश्मे वाला और कर्नल जैट्रो जम्स बांड के कपड़ों के एक-एक गूत में दो चार होते रहे।

जम्स बांड लापरवाही का प्रदर्शन करता हुआ उनका हर एक्शन देख रहा था। कपड़ों की ओर में उसे कोई चिन्ता नहीं थी। उनमें उसकी वास्तविकता को प्रकट करने वाला कोई गूत्र मौजूद नहीं था।

कुछ क्षण तक काले चश्मे वाला और कर्नल जैट्रो धीमे स्वरों में बातें करते रहे फिर चश्मे वाले ने एक बार जम्स बांड की ओर दृष्टिपात किया और फिर स्वाकृति-गृधक ढंग में गिर हिला दिया।

कर्नल जैट्रो लम्बे डग भरता हुआ कमर के इकलौते द्वार में-में बाहर निकल गया। बाहर पहुँचकर उसने दायाँ द्वार बन्द करने का प्रयत्न नहीं किया।

जम्स बांड उलझनपूर्ण नेत्रों से खुले द्वार की ओर देखता रहा।

कमर के वातावरण में एक विचित्र प्रकार का रहस्य भरा भारीपन फैल गया।

जम्स बांड की दृष्टि कुछ देर तक सैन्डर, काले चश्मे वाले और लड़के के गम्भीर चेहरों पर भटकती हुई फिर द्वार की ओर उठ जाती।

उसी क्षण उसे द्वार पर एक आकृति दिखाई दी। उस आकृति ने एक क्षण, केवल एक क्षण के लिए भातर झाँका और फिर आगे बढ़ गई।

आश्चर्य में जम्प वाइ की आँखें फैल गईं। उसे आकृति का पहचान करने के लिए एक डल्लक ही काफी था। 'मम' ने उसे उसे आकृति की हर सम्भावना पाल में गंवा दी हुई कम से कम दोस तर्जों दिखाई थी, जिन्हें वह पूरे दो दिन तक गूँथी करता रहा ताकि वह उसे आकृति की आगामी से पहचान सके।

'कहो!' वह गला फाड़कर चिल्लाया और फिर तीर की तेजी से कमल सम्भावता हुआ द्वार की ओर डायटा।

लॉकन गैन्टल ने उसे हाथ बढ़ाकर गल्ल में गंका लिया।

'छोड़ो मुझे।' जम्प वाइ द्वार की ओर गंका करता चला- 'गंका' उसे।

'क्या?' गैन्टल फिर बोला।

'मिस्टर ब्रुल!' काले चश्मे वाला बोला- 'आप उसे आदमी को जानते हैं?'

'हां।'

'वह कौन है?'

'मैत्र हावार्थ।' जम्प वाइ बोला- 'मैत्र हावार्थ ऑफ हंगरियन गैन्टल पुनिय।'

'गड्ड।' काले चश्मे वाला बोला- 'मैत्र के पीछे भागने की जगह नहीं है, मिस्टर ब्रुल। मुझे अपनी गंवा का अवसर दीजिए। मैं मैत्र को वहीं बुलाये देता हूँ।'

जम्प वाइ ने अपना अर्धर दोला छोड़ दिया।

गैन्टल ने भी उसे छोड़ दिया।

'छाए।' काले चश्मे वाला अपने बगल में खड़े लड़के से बोला- 'मैत्र हावार्थ को बुला लाओ।'

वह वृष्याप कमरे से बाहर निकल गया।

अपने कपड़े पहन लीजिए। काले चश्मे वाला जम्प वाइ से बोला।

जम्प वाइ ने आगे बढ़कर अपने कपड़े उतारे और एक-एक करके उन्हें पहन लिया। काबल उसने वहीं फर्श पर पड़ा रहने दिया।

उसी क्षण कमरे में उसी आकृति ने प्रवेश किया जो कुछ क्षण पहले जम्प वाइ को द्वार पर दिखाई दी थी।

'मैत्र?' काले चश्मे वाला बोला- 'मिस्टर ब्रुल तब जानते हैं।'

'मैत्र ने प्रश्नसूचक दृष्टि से जम्प वाइ की ओर देखा।'

'मेजर होवार्थ!' जम्प बाइ बोला।

'गडट।'

'मेजर होवार्थ ऑफ ब्रिटिश सीक्रेट पुलिस?'

'एम!' जम्प बाइ अर्धपूर्ण नेत्रों से उसे देखता हुआ बोला, 'एम फॉर मर्डर। एम फॉर माइन्ड रीडर। एम फॉर मॉकिन्गश। मेजर होवार्थ भावहीन स्वर में बोला।

जम्प बाइ ने शान्ति की एक गहरी सांस ली-कांड का ठीक उत्तर मिला था उसे।

'एम कौन है?' मेजर होवार्थ बोला।

'एम मेरा चीफ है।'

'और तुम कौन हो?'

'कमान्डर जम्प बाइ 007। सीक्रेट एजेंट, ब्रिटिश इन्टेलीजेंस। एम ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के जास जास सेवन विभाग का चीफ है।'

'डिस्कॉडव हिम,' मेजर बोला।

'क्या मतलब?'

'एम के बारे में जो जानते हो, सब कुछ बताओ। उसकी मूलतः हुनिया, स्प-रंग, चाल-ढाल, कपड़े, पसन्द-नापसन्द, पिछला जीवन वृत्तान्त, परिवार... सब कुछ।'

जम्प बाइ फॉरम मशीन की तरह चालू हो गया। वह पांच मिनट केवल अपने चीफ एम के बारे में धाराप्रवाह बोलता रहा। छोटी से छोटी डिटेल्स नहीं छूटी उससे।

'काफी है।' मेजर ने हाथ उठाकर उसे रोक दिया।

जम्प बाइ चुप हो गया।

'तुम बड़ी हो, जो होने का तुम दावा कर रहे हो।' मेजर धीमे स्वर में बोला- 'फॉर्म सीक्रेट एजेंट जम्प बाइ 007।'

'ये लोग कौन हैं?' जम्प बाइ ने सेन्डर वॉरर की ओर संकेत करते हुए पूछा।

'यह सेन्डर है।' मेजर एकदम व्यक्ति की ओर संकेत करता हुआ बोला- 'यह ड्रॉर है और ये सिगरेट है।'

'मेरे नाम नहीं पूछें।'

'तो फिर क्या पूछा था?'

'क्या ये विश्वगर्भाय व्यक्ति है?'

'हाँ,' मेजर गर्वपूर्ण स्वर में बोला- 'मैं इन लोगों का केवल

सहयोगी है। असली लोग तो यही हैं। गिरंगव हमारे लीडर हैं। गिरंगव के नेतृत्व में हंगरी को साम्यवादियों के पंजे से आजाद करवाने के लिए बहुत काम हो रहा है। तुम इस समय हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के एन्ड्रेसी उट स्थित किसी एघर चेंबर में नहीं, मेजर जनरल गिरंगव के हेडक्वार्टर में हो।

'मेजर जनरल!' जेम्स बांड बुंदबुदाया।

'हाँ।' मेजर बोला- 'रिजिस्ट्रैन्स मूवमेंट के लीडर बनने से पहले गिरंगव, हंगेरियन थल सेना में मेजर जनरल थे। और अब वे साम्यवादी सरकार के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।'

जेम्स बांड चुप रहा। अब वह एक नई दृष्टि से एक-एक व्यक्ति का मुख देख रहा था।

'एम को तुम्हें बुडापेस्ट में नहीं भेजना चाहिए था।' मेजर विचारपूर्ण स्वर में बोला।

'क्यों?'

'अगर तुम सत्य ही हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हेडक्वार्टर में पहुंच जाते-तो वे लोग भी रगड़ जाते। तुम तो हम लोगों के लिए खतरा बनकर हंगरी में आये हो।'

'यह सच नहीं है।' जेम्स बांड ने विरोध किया- 'एम ने हर पहलू पर विचार किया था। मैं पकड़ा जा सकता था लेकिन इससे तुम लोगों पर कोई खतरा आने की सम्भावना नहीं थी। मैं तुम्हारे अतिरिक्त और किसी के बारे में कुछ नहीं जानता। तुम्हारे बारे में भी मैं केवल तुम्हारा नाम जानता हूँ और तुम्हारे चित्रों के माध्यम से तुम्हारी गुरत पहचानता हूँ।'

मेजर विचारपूर्ण मुद्रा बनाये चुप खड़ा रहा।

'इतना-सी जानकारी द्वारा तुम हमसे सम्पर्क स्थापित कर सकते थे?'

'मेरे पास बुडापेस्ट के एक फोटोग्राफर की दुकान का पता था। वहां जाकर मैंने राज एक आठ मिलीमीटर के कैमरे की फिल्म खरीदनी थी। यह काम मुझे तब तक जारी रखनी था जब तक आप में से कोई मुझसे सम्पर्क स्थापित न कर ले।'

'कोई शिनाख्ती निशान?' मेजर ने पूछा।

'मेरी टाई।'

'ठीक है।' मेजर जेम्स बांड की विशेष प्रकार के धागे से एक विशेष प्रकार के पैटर्न में बुनी हुई टाई पर दृष्टिपात करता हुआ

बोला- 'इसमें तीन दिन से दुकान की निगरानी कर रहा है।'

'क्या?' जेम्स बांड तनिक नाराज स्वर में बोला- 'जब आप लोगों को पहले से ही सब कुछ मालूम है तो आप मझसे क्यों पूछ रहे हैं?'

'नाराज होना की बात नहीं है, मिस्टर जेम्स बांड।' गिरांव गम्भीर स्वर में बोला- 'सन्देह, असामित सन्देह करना हमारा धर्म बना गया है और यही हमारी जीवन रक्षा की इकलौती गारन्टी भी है। हर बात पर, हर किसी पर सन्देह करना हम लोगों ने अपनी आदत बना ली है। इसलिए आज तक साम्यवादी भेड़ियों की मांड में हम जीवित भी हैं, वरना हम कब के इन लोगों के नुकीले दांतों के शिकार हो गये होते। वियना के एक गुमनाम सूत्र द्वारा हम तक यह सूचना पहुंची थी कि कांड विटिश सांक्रिट एजेंट बुडापेस्ट में आ रहा है और हमें उस फोटोग्राफर की दुकान पर उससे सम्पर्क स्थापित करना है।'

'हमसे 'एम' का जिक्र नहीं किया गया था।' मंजर बोला- 'एम मंजर परम मित्र है। उसका किसी प्रकार का सहयोग देने में मुझे खुशी होगी।'

'मुझे बताया गया था कि उस फोटोग्राफर की दुकान से मैं आप तक पहुंचा दिया जाऊंगा। मुझे दो नाम और बताये गये थे।'

'कौन से?'

'रिडिंग और वाइट माउस।'

'अच्छा हुआ तुम्हें फोटोग्राफर की दुकान के चक्कर में पड़ना ही नहीं पड़ा। यह शर्टकट तुम्हें यही लोगों में ले आया। फोटोग्राफर की दुकान के माध्यम से तुम कम से कम रिडिंग और वाइट माउस तक तो कभी भी नहीं पहुंच पाते।' गिरांव बोला।

'वे बुडापेस्ट में मौजूद नहीं हैं क्या?' जेम्स बांड ने सरल स्वर में पूछा।

'वाइट माउस साइबेरिया में है। शायद वार्क जीवन में हम दुबारा उसकी गृह नहीं देख पायेंगे। रिडिंग मर चुका है।'

'कब?'

'लगभग तीन सप्ताह पहले।'

'कहाँ?'

'यहाँ से केवल दो किलोमीटर दूर। एन्ड्रूसी उट में।'

'कैसे?'

'हंगेरियन सांक्रिट पुलिस के टार्चर चैम्बर में। साम्यवादी हत्याएं

की दृष्टि केवल एक क्षण के लिए चुक गई थी, वह एक रिवाल्वर
झपटने में सफल हो गया था। उसने रिवाल्वर की नाल अपने मुंह में
झलकर घाड़ा दबा दिया था। वह उसका संभाव्य था कि सीक्रेट
पुलिस की क्षणिक लापरवाही से उसे आत्महत्या करने का अवसर
मिल गया था।

‘लेकिन... लेकिन आप ये सब कैसे जानते हैं?’

‘क्योंकि कर्नल जैन्ट्रो वहाँ मौजूद था।’

‘कर्नल जैन्ट्रो!’

‘कर्नल जैन्ट्रो से मेरा मतलब है कि जिस आदमी को तुम कर्नल
जैन्ट्रो के नाम से जानते हो, उसने रिडस को मरते देखा था। वह
कर्नल जैन्ट्रो की ही रिवाल्वर थी जो रिडस के हाथ में आ गई थी।’

जम्स बाइ चुप रहा।

‘कर्नल जैन्ट्रो हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का बड़ा विश्वास पात्र
अफसर है।’ कई क्षण बाद सिराव फिर बोला- ‘हंगेरियन सीक्रेट
पुलिस के इन्तजाम में जब बड़े रहस्यपूर्ण ढंग से गड़बड़ होने लगती
है जैसे रिडस कर्नल जैन्ट्रो की रिवाल्वर झपटकर आत्महत्या करने
में सफल हो गया या आखिरी क्षण में हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के
कैदी बच निकलने में सफल हो जाते हैं तो हेडक्वार्टर में सबसे
अधिक आग-बबूला होने वाला आदमी खुद जैन्ट्रो होता है और फिर
वह अपने मातहतों से इतनी कुरता और बुराही से पेश आता है कि
लाग श्रृंखला कांपने लगते हैं। साम्यवाद की तारीफ में कर्नल जैन्ट्रो
के वे भाषण तो सुनने वाले होते हैं और जो वह साम्यवादी पार्टी में
शामिल होने वाले नये संगठनों के सामने देता है। हेडक्वार्टर में
कर्नल जैन्ट्रो का लोग होना मानते हैं। इसका चीफ फरमिनट तो
आज तक नहीं समझ पाया कि आखिर कर्नल के मन में अपने ही
देशवासियों के लिए इतनी गहरी घृणा के भाव कैसे पनप पाते हैं
लेकिन उसका नजर में अगर कोई पार्टी के लिये शत-प्रतिशत
ईमानदार व्यक्ति और साम्यवाद का सच्चा सिपाही है तो वह कर्नल
जैन्ट्रो है। इसके बावजूद भी इस संसार में कम से कम जो आदमी
हैं जो आज केवल इसलिए जीवित हैं क्योंकि कर्नल जैन्ट्रो ने
हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के घांठ से बच निकलने में उनकी सहायता
की थी। ऐसे लोगों में तुम भी एक हो।’

याने एकदम सच था। जम्स बाइ ने स्वीकार किया। वह कर्नल
के हाथों बचाया हो चुका था। अगर कर्नल उसे हेडक्वार्टर ले जान

के ग्यान पर क्या न ले आया होता तो इस समय वह उदात्त
उदात्त के किन्ना तद्वान म. हर्गोयन माकट पुनिय के लिये
(आर्गोयन यानना) का शिकार होकर हम लाइ रही हाना।

लेकिन? जेम्स वाट ने पूछा- कर्नल का मर बार में क्या मान्य
था?

वह हर्गोयन माकट पुनिय का एक ऑफिसर है। गिगल ने
बताया- हडकवाटर में बुडापेस्ट और वरुन हगरी का कन्दान करने
के लिए जो भी प्लान बनाता है, उसे उनकी जानकारी होती है।
इसलिए उसे मान्य था कि आज बुडापेस्ट के गार हाइव (बड़े
गर्न) पुनिय द्वारा बनाई किये हुए हैं और वाट वन्द कर दिया
गया है।

लेकिन उसे वह क्या मान्य था कि मैं वाट को गैर करके हगरी
में प्रविष्ट हो रहा हूँ? जेम्स वाट ने पूछा।

मुझे। मंजर होवार्थ बोला- मंग मतलब है कर्नल जेडी को वह
मान्य नहीं था कि तुम आ रही हो और न ही हर्गोयन पुनिय को
तुम्हारे बारे में जानकारी थी। तुम तो एक भूना-भटकी मदनी की
तर्ह गयोगवशी उनकी जाल में आ फसे थे। वे लोग न तो तुम्हारे
तन्नाश में थे और न ही तुम्हारे जैसे किन्ना और आदमी की तन्नाश
में थे। वे तो केवल गजपथा से गुजरने वाले ट्रकों को चेक कर रहे
थे।

क्या?

क्योंकि अक्सर ऐसे ही ट्रकों में से पुनिय ने बड़ी मात्राओं में
उसका किया हुआ फेरो-वाल्फ्राम (Ferro wol Fram) बगमट
किया है। तन्नाश तो हो रही थी फेरो-वाल्फ्राम की और उन्हीं ट्रकों
में से एक में तुम्हारी मौजूदगी के कारण, उनके हथियार चढ़ गये तुम।

आह!

कर्नल जेडी इस प्रकार के मोकों पर अक्सर पुनिय बनाई के
चक्कर लगाता रहता है। मंजर होवार्थ जब से गिगल्ट केस
निकालता हुआ बोला- तुम पाचव आदमी हो-जिसे आज ही की
तर्ह कर्नल ने माकट, पुनिय के चंगुल से बचाया है और तुम ही
शाकट आखिरी हो।

क्यों? जेम्स वाट ने पूछा- आखिरी क्या?

उत्तर देने से पहले मंजर होवार्थ ने गिगल्ट केस से एक गिगल्ट
निकालकर हाथों से लगाया और फिर गाने का ही गिगल्ट लाइट

निकालकर गिगण्ट मुन्हा लिया। फिर उसने दोनों चीजें अपने कोट की जेब में पहुँचा दी। जेम्स बांड ने देखा-गिगण्ट कैसे और लाइटर दोनों बिल्कुल वैसे ही थे जैसे उसने कर्नल जैन्टों के पास देखे थे। हंगरियन मीक्रेट पुलिस के अफसर बहुत सम्पन्न हैं, उसने सोचा।

आज तुम्हें पुलिस चौकी में हटाकर लाने में पहलें। - गिगण्ट के कई कश लगा चुकने के बाद मेजर ने उत्तर दिया- 'हर बार कर्नल चौकी के गिपाहियों को चेतावनी देकर आया करता था कि वे इस बात को कतई भूल जायें कि उन्होंने कभी कोई कैदी गिरफ्तार किया था और फिर कर्नल जैन्टों उसे अपनी कण्टडी में हेडक्वार्टर ले गया था। कर्नल के रैंक के मीक्रेट पुलिस के ऑफिसर द्वारा आज्ञा पाने पर उन लोगों का ख्याल में भी यह होसला नहीं होता था कि वे गरीब घटना के बारे में दुबारा किसी में जिक्र कर सकें। परिणामस्वरूप कैदी आजाद हो जाता था और हंगरियन मीक्रेट पुलिस को कभी यह भनक भी नहीं पड़ती थी कि कभी कोई विदेशी एजेंट नेशनल हाइव पर गिरफ्तार किया गया था। लेकिन आज तुम्हारे मामले में गड़बड़ हो गई। कर्नल पुलिस चौकी पर तब पहुँचा जब चौकी का इन्चार्ज पहले ही टेलीफोन द्वारा हेडक्वार्टर सूचना भिजवा चुका था कि तुम गिरफ्तार किये गये हो। अब स्थिति यह है कि हंगरियन मीक्रेट पुलिस गारे हंगरी में कर्नल जैन्टों नाम के उस अफसर को खोज रही होगी जो ठीक उनकी नाक के नीचे से एक कैदी गायब करने में सफल हो गया था।

आह गॉड! जेम्स बांड हंगरी में चला- 'फिर कर्नल कैसे बच सकता है? चौकी पर कम से कम आधा दर्जन गिपाहियों ने उसकी गूँत देखा थी और वे बड़ी अच्छी तरह कर्नल का हुनिया बयान कर सकते हैं और उसके आधार पर तो कर्नल फौरन गिरफ्तार हो

सकता है। मेजर हावार्थ ने बड़ी गजबता से स्वीकार किया।
फिर भी, फिर भी...

लेकिन होगा नहीं। मेजर हावार्थ उतनी ही गजबता से फिर चला।

क्या?

क्योंकि कर्नल जैन्टों नाम की कोई चिड़िया इस जगह में न कभी थी और न अब है।

‘क्या मतलब?’

‘क्योंकि बन्दा ही कर्नल जैन्ट्रो है।’ मेजर हावार्थ तनिक गिर झुकाकर बोला।

मेजर हावार्थ ने गले से यह वाक्य अपनी आवाज में नहीं कर्नल जैन्ट्रो की अधिकारपूर्ण आवाज में निकाला था।

जम्स बांड की आँखें फैल गईं। वह हक्का-बक्का-सा मेजर हावार्थ का मुँह देखने लगा।

‘तुम!’ कितनी ही दूर बाद उसके मुँह से निकला-‘ओह माई गॉड! ओह माई ग्रेशियस गॉड!’

‘मेजर हावार्थ को अपनी गृन्त और अपनी आवाज बदल लेने की कला में कमाल हासिल है।’ गिरंगेव ने बताया।

मेजर हावार्थ बड़े नाटकीय ढंग से कमर से झुकते हुए मुग्धगया।

‘आज के बाद!’ मेजर अपने वाग्विह्वल स्वर में बोला-‘मैं कर्नल जैन्ट्रो का बहुमुख धारण करना छोड़ दूँगा और फिर कर्नल जैन्ट्रो नाम के काल्पनिक सांक्रिट पुन्य के ऑफिसर का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। और मजा तो तब आयेगा, मिस्टर जम्स बांड, जब मेरे विभाग का रीफ फर्मिनट कल मुझे कर्नल जैन्ट्रो का हस्तिया बतायेगा कि मैं उस आदमी को तलाश करके फौरन गिरफ्तार कर लूँ।’

जम्स बांड अब भी मन्त्रमुग्ध-सा मेजर हावार्थ का मुँह देख रहा था।

‘और मिस्टर जम्स बांड।’ मेजर हावार्थ फिर बोला-‘मैं अपने आज के इस भदंड व्यवहार के लिए तुमसे माफी चाहता हूँ। लेकिन वह सब तमाशा मुझे तुम्हारी असाध्यत जानने के लिए करना पड़ा था। मच पृष्ठों तो बुडापेस्ट पहुँचने तक मैं यह फैसला नहीं कर सका था कि तुम वही ब्रिटिश सांक्रिट एजेंट हो जिसका कि हमें डन्तजार था या मल्य ही कोई साध-सादे हगरी के नागरिक हो। मैं मन ही मन यही तय करने की कोशिश कर रहा था कि मैं तुम्हें ब्रिटिश सांक्रिट एजेंट समझकर क्रान्तिकारी दल के नेता मेजर जनरल गिरंगेव के पास यहाँ ले आऊँगा- तुम्हें बुडापेस्ट की किसी गडक पर छोड़ दूँ। लेकिन नगर में प्रवेश करने के बाद मेरे मस्तिष्क में एक तीव्र सम्भावना भी पनपने लगी थी।’

‘वह क्या?’

‘तुम हेडक्वार्टर में ले जाये जाने के नाम पर किसी प्रकार के भय

का प्रदर्शन नहीं कर रहे थे। मुझे यह बात बहुत खटक गयी थी। तीसरी सम्भावना में मस्तिष्क में यह आई थी कि कहीं तुम भी तो हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के ही तो आदमी नहीं हो। हमारा चाफ फर्मिनट कभी भी किसी पर भी डबल एजेंट होने का सन्देह करने लगता है। मैंने तो याचा शायद मुझे पर भी सन्देह किया जा रहा हो और मुझे चुक करने के लिए ही फर्मिनट ने यह चाल खनी हो। मैं तुम्हें अपना आदमी समझकर यहाँ ले आऊँ और फिर हमारा भेदाफाड़ ही हो जाय। इसलिए मैं तुम्हें एन्ट्री उठ के समीप ले गया था। वहाँ मैंने जान-बूझकर तुमसे कहा था कि मैं तुम्हें हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के अन्टर-ग्राउन्ड टाचर चेंबर में ले जा रहा हूँ और अगर दो घण्टे में तुमने अपनी जुवान नहीं खानी तो तुम्हें गोली मार दूँगा। उस स्थिति में अगर तुम सीक्रेट पुलिस के आदमी होते तो तुम फौरन अपनी वास्तविकता बता देते क्योंकि तुम्हारी चुप्पी गलत हो तुम्हें मर्ग गोली का शिकार बना सकती थी। लेकिन तुम क्योंकि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के आदमी नहीं थे, इसलिए चुप रहे। तब मुझे विश्वास हो गया था कि तुम फर्मिनट द्वारा मुझे पर धिपकाय हुए आदमी नहीं हो। उसके बाद मैं तुम्हें सीधा वहाँ ले आया।

‘तुम क्यों यहाँ इन्हीं लोगों के साथ रहते हो?’ जेम्स वाड ने पूछा।

‘नहीं। मेजर होवार्थ ने बताया- मैं तो बुडापेस्ट के एक ऐसे शानदार होटल में रहता हूँ जहाँ केवल कोई साम्यवादी सरकार का अफसर ही रहता है।’

‘लेकिन सीक्रेट पुलिस से सम्बन्धित होने के कारण तुम्हें यहाँ इन लोगों से मिलने-जुलने के लिए आने में खतरा महसूस नहीं होता?’

‘होता है, इसलिए मैं यहाँ बहुत कम आता हूँ और जब भी आता हूँ बहुत सावधानी बरतता हूँ।’

जेम्स वाड चुप हो गया।

‘मेरे ख्याल से परिचयात्मक बातें काफी हो चुकी हैं।’ जिरॉव गम्भार खर में बोला- ‘अब हमें मुख्य विषय पर आ जाना चाहिए।’

‘जेम्स वाड ने संदिग्ध लोगों से डमरू और सन्देह की ओर देखा।’

‘सब विश्वास-पात्र व्यक्ति हैं, मिस्टर जेम्स वाड।’ मेजर होवार्थ उसके मन्त्रव्य समझ कर बोला।

‘जेम्स वाड के चेहरे पर फिर भी निश्चिन्तता के भाव प्रकट नहीं हुए।’

'आल गडट।' मिंगेव बोला और उगने एक अर्थपूर्ण दृष्टि
मैन्डर पर डाली।

मैन्डर मिर डुकाकर चुपचाप कमरे में बाहर निकल गया।

इमर मिंगेव के सामने आ खड़ा हुआ लेकिन मुँह में कुछ नहीं
बोला।

'जिस कार पर मिस्टर जेम्स बाइ को लाया गया है।' मिंगेव
बोला- 'उसकी नम्वर प्लेट नाट कर दो और उस ग्य़ान पर नई
नम्वर प्लेट लगा दो।'

'गडट।'

'और उसके बाइ छत पर पहुँच जाओ। आस-पास कहीं दृष्टि
रखना। कहीं इमारत की निगरानी तो नहीं हो रही।'

'गडट।' इमर बोला। वह एक क्षण मिंगेव के बोलने की प्रतीक्षा
करता रहा और फिर लम्बे डग भरता हुआ बाहर निकल गया।

'मिस्टर जेम्स बाइ।' एकाएक मिंगेव कुछ याद करता हुआ
बोला।

'यस।'

'आखिरी बार खाना कब खाया था आपन?

'लगभग बारह घन्टे पहले।'

'तब तो आप बहुत भूख महसूस कर रहे होंगे।'

'कर रहा हूँ लेकिन भूख इन्तज़ार कर सकती है...।'

'जनरल।' मेजर धीरे से बोला- 'जुनियर जेम्स बाइ के लिए
खाना ला रही है।'

मिंगेव ने प्रशंसात्मक नेत्रों से मेजर हावार्थ की तरफ देखा।

'मेजर थियस आफ एवरी थिंग।' मिंगेव यू बोला, जैसे अपने
आपको बता रहा हो।

उन्हीं क्षण कमरे में एक लड़की प्रविष्ट हुई। उनके दोनों हाथों में
एक ट्रे थमी हुई थी जिसमें एक सूप का बाउल, एक माँट और
सब्ज़ी की प्लेट और एक शराब की बोतल दिखाई दे रही थी।
प्लेटों में-से धुआँ उठ रहा था। लड़की का चेहरा ऊष्णता से
तमतमा रहा था, लगता था जैसे वह अभी गेटों के सामने से
उठकर आई हो। वह पतलून और गर्म पुलावर पहने हुई थी और
उसके लम्बे पीले बाल व्यापकवादी से कंधे पर फैले हुए थे। आयु में
वह लगभग बार्डिंग-बर्डिंग स्तर की मान्य होती थी। उसके
व्यक्तित्व की सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह थी कि उसकी

अबल ह-व-ह उमर में मिलती थी। कोई भी दोनों पर एक उछलती-सी दृष्टि डालकर भी फौरन बता सकता था कि दोनों भाई-बहन हैं।

लडकी ने दू लालकर मेजर पर जम्स बाइ के सामने रख दी और बोली- 'जन्दी में यही कुछ दान पाया है।'

'धन्य जूनिया!' मेजर हावाय बोला।

'लेट हिम थैंक मी हू इज गाइंग टु डैल आन दिग्ग (धन्यवाद उसे करने दो जो ये सब कुछ खाने वाला है)।' जूनिया एक उछलती-सी दृष्टि जम्स बाइ पर डालती हुई बोली।

'आह धन्य।' जम्स बाइ एकदम हड़बड़ाकर बोला- 'धन्य वेरी मच इनडीड।'

गिरंग और मेजर दोनों मुस्कुरा पड़े।

'इट्स आन राइट।' जूनिया बच्चों जैसे स्वर में बोली।

'गो अहेड मिस्टर जम्स बाइ। गिरंग खाने की ओर संकेत करता हुआ बोली।

जम्स बाइ दू के सामने की कुर्सी पर बैठ गया।

'ये दो हमारे राष्ट्रीय खाद्य पदार्थ हैं।' गिरंग गूप व मीट और गदजा की ओर संकेत करते हुए बोली- 'गुल्लायस गूप और टोकानी। आशा है आपका पसन्द आयेगा।'

'बिन्नान्या का भी तो जिक्र करें।' जूनिया बोली।

'जूनिया शराब की बात कर रही है।'

'और अब यह क्वान्तिटी और भी दुर्लभ हो जायेगी।' जूनिया बोली।

'क्या?' गिरंग ने पूछा।

'यह आखिरी बातल है।' जूनिया धमकी भरे स्वर में बोली- 'इसके बाद तुम लोग भी मेजर की तरह पीना।'

गिरंग फिर हस पड़ा।

मेजर भी अब खुलकर मुस्कुरा रहा था।

प्रत्यक्ष था जूनिया उन दोनों के भारी र्ज्नेह की पात्री थी और उन लोगों के लिए भी जूनिया का बहुत महत्व था।

अगले पांच मिनट तक जम्स बाइ चुपचाप खाना खाता रहा। फिर उसने दू पर सरका दी।

फिर जूनिया ने शराब की बात खोली और दो गिल्लास शराब में तीन चौथाई भरकर गिरंग और जम्स बाइ के सामने रख दिए।

'मेजर कें लिए?' जेम्स बांड ने पूछा।

'मेजर से ही पूछो।' जूलिया बोली।

'मैं नहीं पीता।' मेजर अपने कोट की जेब में से एक चपट्टी-सा फ्लास्क निकालता हुआ बोला- 'मैं अपना कोटा साथ रखता हूँ।'

'बाराक।' जूलिया ने बताया।

'जूलिया!' सिरगेव बोला- 'अब तुम जाओ।'

'मैं यही बैठूंगी।' जूलिया बोली- 'और तुम लोगों की बातें सुनूंगी।'

'जूलिया!' मेजर तनिक झिड़की भरे स्वर में बोला- 'यहाँ तुम्हारे सुनने लायक कोई बात नहीं होने वाली है। जाकर घुपघुप से जाओ।'

जूलिया ने बुरा-सा मुँह बनाया और दूरे उठाकर द्वार की ओर बढ़ गई।

'थैंक्यू वेरी मच अगैन।' जेम्स बांड ने पीछे से आवाज दी।

'घर पहुँचकर एक चिट्ठी में भी यही लिख भेजना।' जूलिया व्यंग्यपूर्ण स्वर में बोली- 'थैंक्यू वेरी मच अगैन...'

वह द्वार से बाहर निकल गई।

मेजर ने आगे बढ़कर द्वार बन्द कर दिया।

'जूलिया की बातों का बुरा मत मानना।' सिरगेव बोला- 'उसके स्वभाव में अभी बहुत बचपना है।'

'डॉट बादर।' जेम्स बांड बोला।

मेजर भी वापिस आकर सिरगेव की बगल की कुर्सी पर बैठ गया।

दोनों के प्रश्नसूचक नेत्र जेम्स बांड के चेहरे पर टिक गये।

जेम्स बांड ने अपने गिलास में से शराब का एक घूंट भरा और फिर गम्भीर स्वर में बोला- 'आप लोगों ने डाक्टर हैरोल्ड जेनिंग्स का नाम सुना है?'

'बेशक सुना है।' सिरगेव बोला- 'डाक्टर हैरोल्ड जेनिंग्स का नाम किसने नहीं सुना?'

'फिर' आपका यह भी मालूम होगा कि वह एक लगभग सत्तर साल का बेहद तीक्ष्ण बुद्धि वाला खूबी-सा बुढ़ा है और वह सारे संसार में बैलैगिंटिक्स और बैलैगिंटिक मिसाइल् के हायर मैथिमेटिक्स का केवल एक्सपर्ट ही नहीं बल्कि अथॉरिटी माना जाता है। एक बार एक वैज्ञानिक कॉन्फ्रेंस में भाषण देते हुए प्रोफेसर ने

कहा था कि राष्ट्रवादिता एक वंकार की चीज है और आदमी को हर वह कार्य करने का पूरा अधिकार है जिसके लिए उसकी बुद्धि उसकी आत्मा और उसकी विचार-धारा स्वीकृति देती है।

‘क्या मतलब?’

‘मतलब यह है कि किसी व्यक्ति की परमनापसन्द में राष्ट्रीय भावनाओं का अड़ंगा नहीं होना चाहिए। अगर आपकी बुद्धि आपको किसी ऐसे काम के लिए स्वीकृति देती है जो प्रत्यक्षतः आपको अपने देश के लिए हितकर नहीं दिखाई देता तो केवल राष्ट्रवादिता का झंडा उचा रखने के लिए आपको उस कार्य को करने का इरादा त्याग नहीं देना चाहिए।’

‘मे समझ गया, गिरंगो बोलो।’

‘कुछ तो प्रोफेसर ने ही बड़ी गोल-मोल बात कही और कुछ दुनिया ने उसका गलत मतलब लगा लिया। परिणामस्वरूप प्रोफेसर के उस वक्तव्य के संसार के सामने आने के फौरन बाद एक ही रूसी एजेंट ने प्रोफेसर से सम्पर्क स्थापित किया। उन्होंने प्रोफेसर को कहा कि अगर प्रोफेसर का मन गवाही देता हो तो उन लोगों को खुशी होगी, अगर प्रोफेसर रूस के लिए कार्य करना स्वीकार करेंगे।’

‘उत्तर में प्रोफेसर ने क्या कहा?’ मेजर होवार्थ ने पूछा।

‘उत्तर में प्रोफेसर ने उस रूसी एजेंट को बहुत फटकारा और कहा कि उसकी नजर में रूस की नीतियां तो उनके अपने राष्ट्र की नीतियों से भी गई गुजर गई हैं और जहाँ तक उस वक्तव्य का प्रश्न है, उसका मतलब हरगिज भी यह नहीं था कि वह इंग्लैंड को छोड़कर रूस के लिए काम करना स्वीकार कर लेंगे।’

‘तुम लोगों को कैसे मालूम है कि प्रोफेसर ने ऐसा कुछ कहा?’ गिरंगो ने पूछा।

‘क्योंकि प्रोफेसर के उस वक्तव्य के बाद जे हमें भी ऐसा किसी घटना के घटित होने की आशा थी। इसलिए हम प्रोफेसर की पूरी निगरानी कर रहे थे। हमने प्रोफेसर के सारे घर में माइक्रोफोनों का जाल बिछाया हुआ था। हमने प्रोफेसर और रूसी एजेंट में होने वाले वार्तालाप का एक-एक शब्द सुना था।’

‘आई सी।’

‘उस घटना के बाद हमने प्रोफेसर को एक पक्का देश-भक्त और पूर्णतया विश्वास-पात्र आदमी समझकर उसकी निगरानी

कज्जो छोट दो ओर जगाकि बाद मे मानुम हुआ, हम ओर निगगनी कज्ज भी रहते तो कोई फर्क नहीं पड़ता। हम तो गज्ज पाटी की निगगनी कर रहे होते।

कैसे?

गुनिग। प्राफेजर ओर र्जी एजन्ट की उम मुलाकात मे लगभग दो महीने बाद की बात है। प्राफेजर की पत्नी मिसेज जॉनिगस ओर उनका लगभग गान्द गान्द का लड़का बीयन छुट्टिया मनाने के लिए र्विट्जरलैंड गये। मिसेज जॉनिगस की आयु लगभग चालीस वर्ष है-प्राफेजर ने बहुत लंबे शादी की थी। प्राफेजर ने भी अपने परिवार के साथ ही र्विट्जरलैंड जाना था लेकिन अन्तिम क्षण पर एक बड़ा महत्वपूर्ण काम आ पड़ने के कारण वह अपने परिवार का साथ नहीं दे सका था। र्विट्जरलैंड में मिसेज जॉनिगस ओर बीयन ज्यूरिच होटल में ठहरे थे ओर केवल तीन दिन बाद प्राफेजर भी अपना काम निपटाकर वहाँ पहुँच जाने वाला था। तीन दिन बाद प्राफेजर र्विट्जरलैंड के ज्यूरिच होटल में पहुँचा। लेकिन तब तक उसकी पत्नी ओर लड़का वहाँ से गायब हो चुके थे।

कैसे? मिसेज ने पूछा।

प्राफेजर की बीवी ओर लड़का दोनों र्जियाँ द्वारा भगा लिये गये थे।

मुमकिन है। मिसेज बोली- र्विट्जरलैंड में घुपघाप आगिट्टिया में प्रवेश कर जाना कोई कठिन काम नहीं है। रात के समय आप टाट से कान्स्टिक्स भाल के गज्ज किज्जो द्वारा आगिट्टिया पहुँच सकते हैं।

वे लोग र्विट्जरलैंड से बाहर कैसे ले जाये गए, यह हमें मानुम नहीं। लेकिन एक बात की हमें पूर्ण जानकारी मिल चुकी है। ज्यूरिच होटल में पहुँचने के कुछ मिनट बाद ही र्जियाँ ने फिर प्राफेजर से सम्पर्क स्थापित किया था ओर उन लोगों द्वारा प्राफेजर को धमकी दी गई थी अगर प्राफेजर भी फौरन ही आयरन कर्टेन (Iron Curtain) के पार पहुँचना स्वीकार नहीं करेगा तो वह जिन्दगी भर अपनी पत्नी ओर बच्चों की गृह नहीं देख सकेगा। प्राफेजर कोई मूर्ख तो था नहीं। वह जानता था कि वे लोग जो कह रहे हैं, सच कह रहे हैं, परिणामस्वरूप वह खुद चलकर अपनी मर्जी से र्जियाँ के चंगुल में जा फसा।

ओर अब तुम लोग उसे वापस चाहते हो?

फॉर्न। इर्मालिया तो मैं यहाँ भेजा गया हूँ।
और कैसे मुक्ति दिलाओगे तुम प्रॉफेसर को? गिरंग के हाँठों
पर एक क्षीण सी मुस्कुराहट थी।

और उसके बीबी-बच्चों को भी? मंजर हाँवार्थ बोला- 'क्योंकि
उसके बीबी बच्चों को मुक्ति नहीं मिली तो प्रॉफेसर की मुक्ति का
सवाल नहीं उठता। अपने बीबी बच्चों को रुमियों के चंगुल में
छोड़कर अगर प्रॉफेसर ने तुम्हारे साथ इंग्लैंड वापिस जाना होता तो
वह आता ही क्यों?'

और फिर मास्को अभी भी यहाँ से एक हजार मील दूर है।
गिरंग बोला।

अब समस्या प्रॉफेसर की बीबी और बच्चों को छुड़ाने की नहीं है
केवल एक आदमी, केवल प्रॉफेसर को छुड़ाने की है। जेम्स
बोला- 'और उसके लिए भी मुझे मास्को जाने की जरूरत नहीं है।
प्रॉफेसर यहाँ, बुडापेस्ट में इस ग्यान से अधिक से अधिक दो मील
के फायल पर मौजूद है।'

गिरंग ने अपनी हैगरी छुपाने का कोई प्रयत्न नहीं किया।

'यहाँ! बुडापेस्ट में!'

'जी हाँ।'

'तुम्हें पक्का पता है?'

'मेरे चाफ 'एम' को पक्का पता था।'

गिरंग ने अपनी कुर्सी पर पहलू बदला और मंजर हाँवार्थ की
ओर आकर्षित हुआ।

'तुमने इस विषय में कुछ गुना है?' उसने पूछा।

'नहीं, कतई कुछ नहीं गुना।' मंजर हाँवार्थ बोला- 'हमारे
ऑफिस में किसी को इस बात की खबर मात्र भी जानकारी नहीं है,
मेरा दावा है।'

'लेकिन अगले सप्ताह तक सारा संसार जान जायेगा।'

जेम्स शान्त स्वर में बोला- 'सारा संसार जान जायेगा कि
प्रॉफेसर हैगरी की राजधानी बुडापेस्ट में है। यहाँ सोमवार से
अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कान्फ्रेंस शुरू हो रही है और कान्फ्रेंस का
उद्घाटन प्रॉफेसर जेनिंग्स करने वाला है। सोमवार को कान्फ्रेंस
का पहला पेपर प्रॉफेसर जेनिंग्स करने वाला है। सोमवार को
कान्फ्रेंस का पहला प्रॉफेसर जेनिंग्स ने पढ़ना है और प्रत्यक्षतः
अपनी मर्जी से पढ़ना है, किसी के दबाव में आकर नहीं। प्रेस द्वारा

पूछ जान पर भी प्राफेसर वही कहेगा कि जो कुछ वह कह रहा है अपनी मर्जी से कह रहा है किसी मजबूरी या दबाव के कारण नहीं। लेकिन वास्तव में स्थिति यह होगी कि प्राफेसर के मुँह से निकला वास्तविक की ओर संकेत करने वाला एक भी शब्द प्राफेसर के बीबी और बच्चे के लिए मौत का फरमान साबित होगा।

‘कोई कुछ नहीं बोला।’

‘साम्यवादी प्राफेसर को अपने कई सालों के सबसे बड़े प्रोपेगन्डा स्टण्ट के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।’

कितनी ही देर प्राफेसर उंगलियों से मेज के किनारे थपथपाता रहा और फिर तीव्र स्वर में बोला-‘प्राफेसर जेनिंग्स, तुमने कहा था कि तुम केवल प्राफेसर जेनिंग्स को वापिस चाहते हो?’

जेम्स ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

‘ओह गाड’-सिरोव जेम्स को घूरता हुआ हैरानी से बोला-‘तो क्या तुम अपने देश के स्वार्थ के लिए प्राफेसर की बीबी और बच्चे को बलि की वेदी पर चढ़ा देना चाहते हो? अगर ऐसा है तो तुम हमसे किसी प्रकार की सहायता की आशा मत रखो हम...।’

‘प्राफेसर की बीबी पहले ही लन्दन पहुँच चुकी है।’ जेम्स हाथ उठाकर सिरोव को बोलने से रोकता हुआ बोला-‘मिसेज जेनिंग्स लगभग दस सप्ताह पहले बेहद बीमार हो गई थी और प्राफेसर ने इकरार किया था कि उसकी बीबी को इलाज के लिए लन्दन के हस्पताल में भेज दिया जाये। साम्यवादियों को उसकी यह मांग स्वीकार करनी पड़ी थी। प्राफेसर के स्वर और स्थिति आदमी को आप टार्चर नहीं कर सकते क्योंकि उससे तो उसका मस्तिष्क जड़ हो जाने की सम्भावना हो जाती है और उनका उँचा रिसर्च वर्क करने की क्षमता समाप्त हो जाती है और प्राफेसर ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि अगर उसकी मांग पूरी नहीं की गई तो वह साम्यवादियों के लिए कोई काम नहीं करेगा।’

‘ऐसी स्थिति में भी अपनी मांग मनवाने के लिए अड़ जाना तो बड़े हौसले का काम है।’ मेजर होवार्थ प्रश्नसापूर्ण स्वर में बोला।

‘आप प्राफेसर को जानते नहीं हैं।’ जेम्स बोला-‘वह बेहद जिद्दी और अड़ियल बूढ़ा है। एक बार हट पकड़ ले तो अपनी बात मनवाये बिना वाज नहीं आता लेकिन स्थिति ऐसी थी कि मिसेज जेनिंग्स के लन्दन पहुँच जाने से भी प्राफेसर की स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ता था। रूसी भी कोई मूर्ख थोड़े ही है। उनके हाथों में

एक नहीं दो तुम्हें के पत्ते थे। प्रोफेसर की बीबी और उसका लड़का। इसलिए उन्होंने अपना एक पता चलकर परिणाम देख लेने में कोई हर्ज नहीं समझा। और फिर वे जानते थे कि अगर प्रोफेसर म्र में रहेगा तो इजाल के बाद उसकी बीबी को लौटकर वापस उसके पास आना ही पड़ेगा। उन्होंने मिसेज जेनिंग्स को लन्दन भोजना स्वीकार कर लिया लेकिन साथ ही यह भी कहा कि सब कुछ एकदम गौपनीय ढंग से किया जाये। ऐसा ही हुआ भी। परिणाम स्वरूप इंग्लैंड में आधे दर्जन से अधिक व्यक्तियों को इस बात की जानकारी नहीं है कि मिसेज जेनिंग्स के दो बड़े आपरेशन किये हैं उसे भी मालूम नहीं है कि उसका मरीज वास्तव में कौन है। अब बताइये म्रियां को मिसेज जेनिंग्स को इंग्लैंड भेज देने में क्या घाटा है। मिसेज जेनिंग्स को तो वापिस अपने पति के पास आना ही पड़ेगा और म्रियां को मरमार के सबसे बड़े बेलिगिंटिक एक्सपर्ट की निरन्तर सेवाएं प्राप्त होती रहेंगी।

मिसेज जेनिंग्स ठीक हो गई।

अभी नहीं-लेकिन हा जायेंगी। वह खतरे की हद से निकल चुकी हैं। इंग्लैंड के कुशल सर्जन उन्हें मौत मुंह से लौटा लायें हैं।

यह तो बड़ी अच्छी खबर है। प्रोफेसर बहुत खुश होगा।' मिरांव बोला- 'इसका मतलब है, उसकी बीबी जल्दी म्र लौट आएगी।'

प्रोफेसर की बीबी म्र कभी नहीं लौटेंगी।' जेम्स दृढ़ स्वर में बोला- 'और प्रोफेसर के भी खुश होने का कोई कारण नहीं है। हमने प्रोफेसर के दिमाग में यह बात अच्छी तरह बैठा देनी है कि उसकी बीबी की हालत बहुत नाजुक है और उसके जीवित रह पाने का आशा दिन-ब-दिन क्षीण होती जा रही है।'

क्या?' मिरांव हेरानी से चिल्ला पड़ा- 'तुम लोग प्रोफेसर को कहोगे कि उसकी बीबी मर रही है?'

जेम्स ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

ह भगवान्! कसा अमानवीय कृत्य है यह।

हमें प्रोफेसर की जरूरत है।' जेम्स भावहीन स्वर में बोला- 'हमारे लोगों को उसकी सख्त जरूरत है। पिछले दस सप्ताहों से एक बहुत बड़े प्रोजेक्ट पर हमारे वैज्ञानिकों के नाम एकदम ब्लाक हो चुके हैं। हमारे वैज्ञानिकों का पूरा विश्वास है कि प्रोफेसर जेनिंग्स ही अकेला आदमी है जो उन्हें उस काइमिस से निकाल सकेगा।

ठीक है-लेकिन उसके लिए इतनी गन्दी हरकत ।

हमारे लिए जीवन मरण का प्रश्न है । हम प्रोफेसर को वापिस चाहते हैं और उसे वापिस पाने के लिए हम हर वह काम करेंगे जिससे कोई परिणाम निकलने की सम्भावना हो । आप चाहें उसे अच्छी हरकत कहें या गन्दी ।

लेकिन क्या तुम इसे एक युक्त बात समझते हो कि प्रोफेसर को वह झूठा इम्प्रेशन दिया जाए कि उसकी बीबी लन्दन में मर गई है । तुम सोचते हो... ।

ऐसी बातें समझना सोचना मरण काम नहीं है । जेम्स गिरंग्व की बात काटकर बोला- 'अमानवीय क्या है और गन्दी हरकत कौन सी है? इसका फैसला मुझे करना है । मेरे सोचने समझने के लिए एक ही बात है कि मुझे एक काम करने के लिए दिया गया है और मुझे हर उचित-अनुचित ढंग से वह काम करना है ।

बड़े बेरहम और खतरनाक होने की मुझे विशेष शिक्षा दी गई है । जेम्स शान्त स्वर में बोला- 'ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स के ज़ारे-जारे सेवन विभाग में ऐसे ही बेरहम और खतरनाक आदमियों की जरूरत होती है जो समय आने पर देश के हित में अपने बाप को भी गोली से उड़ा देने में एक क्षण के एक लाखवां भाग के लिए भी न हिचकें ।

प्रोफेसर की पत्नी के बारे में तो तुमने सोच लिया । गिरंग्व बोला- 'कि अब वह वापिस प्रोफेसर के पास नहीं जायेंगी और तुम इस बात की भी आशा कर रहे हो कि मिसेज जेनिंग्स की मरणाशन्न स्थिति का समाचार प्रोफेसर को वापिस इंग्लैंड खींच लायेगा लेकिन उसके लड़के के बारे में क्या सोचा है तुम लोगों ने? क्या तुम प्रोफेसर को धोखा दोगे? क्या तुम लोग अपने स्वार्थ की खातिर उसे मायूम बच्चे की बलि दे दोगे?

प्रोफेसर का लड़का कल गारा दिन पौजनान में था । जेम्स ने बताया- 'हमारे दो आर्दमी साथ ही तरह उसके पीछे लगे हुए हैं । कल दोपहर तक वह स्टूटिन पहुँच जायेंगा और उसके चौदावें घन्टे बाद वह स्वीडन में होगा ।

तुम अपने एजेंटों की काबलियत पर भारी भरोसा जाहिर कर रहे हो । मेजर होवार्थ बोला- 'और साथ ही किंग्स इन्टेलीजेन्स के आदमियों को मिट्टी का माथा समझ रहे हो । एजेंट अपने मिशन में असफल होते ही रहते हैं, मिस्टर जेम्स । सम्भव है तुम्हारे ये दो एजेंट प्रोफेसर के लड़के को स्वीडन के भागने में सफल न हो

सके।

‘उन दोनों एजेन्टों ने आज तक किसी काम में असफलता का मुंह नहीं देखा है।’ जेम्स विश्वापूर्णस्वर में बोला-‘बीयन जेनिंग्स परसों तक स्वीडन में होगा। योरोपियन ट्रांसमिशन पर एक पूर्व निर्धारित कोड द्वारा प्रोफेसर के लड़के की मुक्ति की सूचना मिलने के बाद ही मैंने प्रोफेसर तक पहुंचने का प्रयत्न करना है।’

‘शुक्र है।’ मेजर होवार्थ बोला-‘कुछ तो मानवता बाकी है तुम लोगों में।’

‘यह मानवता का प्रदर्शन नहीं है, मेजर।’ सिराव बोला-‘यह अंग्रेजों की मजबूरी है। अंग्रेज जानते हैं कि अगर वे प्रोफेसर को वापिस अपने देश में ले गए और उन्होंने प्रोफेसर के लड़के को रूस में मरने के लिये छोड़ दिया तो प्रोफेसर कभी अंग्रेजों के लिए कोई काम करने के लिए तैयार नहीं होगा।’

‘लेकिन अगर प्रोफेसर ने इंग्लैंड लौटने से इन्कार कर दिया तो क्या होगा?’ मेजर होवार्थ ने पूछा।

‘प्रोफेसर की हाँ या न कोई मायने नहीं रखती है। जेम्स वापिस जाना ही होगा।’

‘वन्दरफुल!’ मेजर होवार्थ बोला-‘यानी कि आप प्रोफेसर को टांग से घसीटकर जबरदस्ती वापिस ले जायेंगे और फिर आपके अखबार, बैनर, हेडलाइन्स में यह समाचार छापेंगे। ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट, कमान्डर जेम्स 007 लिब्रेटस वैस्टून साइंटिस्ट, वाह!’

जेम्स चुप रहा। पिछले पांच मिनटों में वातावरण में भारी अन्तर आ गया था। उससे यह बात छुपी नहीं रही थी कि वे लोग जेम्स से खुश नहीं थे और जेम्स के प्रति उन लोगों के व्यवहार में एक प्रत्यक्ष रुखापन आ गया था। लेकिन सिराव और मेजर होवार्थ का पूरी स्थिति बताना आवश्यक था। एम ने उसे ऐसा ही करने के लिए कहा था। जेम्स ने स्वयं भी देखा था कि इन लोगों की सहायता प्राप्त करने के लिए सब कुछ बताना बहुत जरूरी था। जेम्स एक गहरे सस्पेंस की स्थिति में मेजर होवार्थ को और सिराव को देख रहा था। पता नहीं ये लोग उसकी सहायता करना स्वीकार करेंगे या नहीं।

वातावरण ब्लेड की धार की तरह पैना हो उठा था।

जेम्स जानता था, कि अगर इन लोगों ने सहायता करने से इन्कार कर दिया तो उसका बुडापेस्ट आना ही बेकार हो जायेगा।

अकेला तो वह एक कदम उठाने की स्थिति में नहीं था।

पूरे दो मिनट एक गहन शान्ति की अवस्था में गुजर गए।

फिर मेजर होवार्थ और सिरोंव ने प्रश्नवाचक दृष्टियों से एक-दूसरे की ओर देखा।

जेम्स सांस रोके फैसला सुनाये जाने की प्रतीक्षा करता रहा।

अन्त में सिरोंव की दृष्टि जेम्स पर आकर टिक गई और फिर वह एक शब्द को तोलता हुआ गम्भीर स्वर में बोला- 'मिरट्टर जेम्स, अगर हमें यह विश्वास होता कि तुम्हारे देश के बाकी निवासी भी तुम्हारे जैसे ही बेरहम, हृदयहीन, क्रूर और हत्यारी प्रवृत्तियों के आदमी हैं तो हम तुम्हारी सहायता के लिए एक उंगली भी हिलाना पसन्द नहीं करते। लेकिन हम जानते हैं तुम्हारे बाकी देशवासी तुम जैसे नहीं हैं। अगर प्रोफेसर जेनिंग्स एक ऊंचे ख्यालों का घोर मानवतावादी और शान्ति के लिए कार्य करने वाला बेहद इमानदार आदमी होने के स्थान पर कोई भयानक युद्धावन बनाने वाला सैडिस प्रवृत्तियों वाला वैज्ञानिक होता तब भी हम तुम्हारी सहायता नहीं करते लेकिन तुम्हारा चीफ 'एम' मेजर होवार्थ का मित्र है और फिर मुझे यह भी बड़ा अमानवीय लगता है कि एक वृद्ध आदमी विदेशी धरती पर, अपने प्रति एक म लापरवाह अजनबियों के बीच, अपने लोगों से दूर, प्राण त्यागे। मिरट्टर जेम्स, अगर भगवान ने हमारा साथ दिया और मःमला हमारी पहुंच से एकदम परे न हुआ तो हम पूरी कोशिश करेंगे कि वृद्ध सुरक्षित रूप से घर पहुंच जाये।'

जेम्स के दिल पर से एक भारी बोझ हट गया।

* * *

मेजर होवार्थ के सोने के सिगरेट होल्डर में सुलगाया हुआ रूखा सिगरेट लगा हुआ था और सिगरेट होल्डर एक विशिष्ट कोण पर दांत में दबा हुआ था।

मेजर ने अपनी भारी कोहनी को बज्जर के बटन पर रख दिया और कोहनी को उसी स्थिति में तब तक रखे रहा जब तक कि एक बौना ठग आदमी होटल के रिसैप्शन काउन्टर के पीछे दिखाई देने वाले द्वार को खोलकर बाहर न निकाल आया। वह अपने दोनों हाथों से नाँद को भगाने के लिए आँखें मल रहा था।

मेजर ने अनिच्छापूर्ण भाव से उस आदमी पर दृष्टिपात किया और ठण्डे स्वर में बोला- 'नाइट पोर्टरों को दिन में सोना चाहिए। समझे! मैनेजर को बुलाओ। फौरन।'

‘मैनजर का बुलाऊँ? गत के डेढ़ बजे?’ नाइट पोर्टर अपने गिर के ऊपर दीवार पर लगी घड़ी का देखता हुआ रखे स्वर में बोला।

उसने एक अवज्ञापूर्ण दृष्टि मैनजर हाँवार्थ पर जोकि उस समय अपनी पुलिस की यूनीफार्म के स्थान पर एक भूरे रंग का सूट पहने हुए था जेम्स पर डाली और फिर अपनी दृष्टि के भाव में मिलते जुलते स्वर में बोला-‘मैनजर ग्राहब इस समय आगम कर हरे हैं। सुबह आना।’

विजली की तेजी से मैनजर का हाथ नाइट पोर्टर की कर्माज के गिरग्यान पर पहुँच गया। उसने पोर्टर को इतनी जोर से झटका कि तीन चार स्थानों से कर्माज का कपड़ा चिगता चला गया। पोर्टर के चेहरे पर आतंक और पीड़ा के भाव उभर आये। मैनजर के दृग्गरे हाथ में मैनजर का वही पर्स प्रकट हुआ जो उसने पुलिस चौकी के इन्चार्ज को दिखाया था और उसने पर्स का एक फोल्ड खोलकर एक क्षण के लिए उसे पोर्टर की दहशत भरी आँखों के सामने कर दिया। पोर्टर की आँखें फैलकर बाहर निकलने को हो गईं। उसका रंग बर्फ की तरह सफेद हो गया। उसी क्षण मैनजर ने उसे एक जोर का झटका देकर उसका गिरग्यान छोट दिया। पोर्टर लड़खड़ाता हुआ पीछे लगे की-बोर्ड से जा टेक गया।

मैनजर वही अपना हाथ झाड़ रहा था जैसे किसी बेहद गन्दी चीज से छू गया हो।

‘मैं माफी चाहता हूँ, कामरेड। बहुत-बहुत माफी चाहता हूँ, कामरेड।’ पोर्टर अपने एकदम सूख गये हाँठों पर जुवान फेरता हुआ बोला-‘मुझे... मुझे मान्यता नहीं थी।’

‘इतनी गत को मैनजर को पृष्ठन और कौन आ सकता है यहाँ?’ मैनजर हाँवार्थ ने अधिकारपूर्ण स्वर में पूछा।

‘यस सर, यस सर, यस कामरेड।’ पोर्टर बोला-‘मुझसे गलती हो गई। आप अभी बीस मिनट पहले तो यहाँ आये थे।’

‘मैं आया था?’ मैनजर ने उसे टोकते हुए पूछा।

‘नहीं, नहीं आप नहीं।’ पोर्टर हकलाया-‘आप नहीं, आप नारा। मेरा मतलब है साफ़ट पुलिस।’

‘मुझे मान्यता है, वेद।’ मैनजर ने उसे फिर अपनी बात समाप्त नहीं करने दी-‘मैं ही उन्हें भेजा था। और अब यहाँ खड़े-खड़े जुवान मत चलाओ। मैनजर का बुलाकर लाओ।’

पोर्टर हजार माफिया मागता हुआ लड़खड़ाते कदमों से चलता

हुआ पिछले कमरे में कहीं गायब हो गया।

तुम तो एकदम बिजली की तरह पोंटर् पर झपट पड़े। जेम्स बोला- 'एक बार तो मैं भी आतंकित हो उठा था।'

आदत तो हो गई है। मेजर सहज स्वर में बोला- 'मैंने ऐसे एक्शन इन पर बड़ा अच्छा प्रभाव छोड़ते हैं लेकिन इनसे इन लोगों की कोई स्थायी हानि नहीं होती।... तुमने गुना सांक्रिट पुलिस के बारे में यह क्या कह रहा था।'

'हाँ।' जेम्स बोला- 'लगता है हंगेरियन सांक्रिट पुलिस वस्तु बरबाद नहीं करती।'

'बिल्कुल।' मेजर बोला- 'विदेशी एजेंटों के मामले में बड़ी तत्परता से काम होता है। संवर होने तक वे लोग नगर के सारे होटल चेंक कर चुके होंगे। इस ढंग से कोई परिणाम निकल पाने का चांस तो बहुत कम है लेकिन वे लोग कैसा भी चांस नहीं छोड़ना चाहते। गिरेव के घर के मुकाबले अब यहाँ तुम बहुत सुरक्षित रहोगे।'

जेम्स ने स्वीकृति सूचक ढंग से गिर हिला दिया और चुप हो गया।

गिरेव से विदा लिये जेम्स को केवल आधा घन्टा हुआ था। मेजर और गिरेव दोनों ने ही यह फैसला किया था कि उसका गिरेव के घर में रहना ठीक नहीं। गिरेव का घर किसी हद तक तन्हा इलाक़े में था और वहाँ किसी अजनबी का निरन्तर आवागमन छुपे बिना नहीं रह सकता था। दूसरी बात थी कि गिरेव का घर पण्ट में बहुत दूर था- जहाँ के किसी बड़े होटल में प्रोफेसर की मौजूदगी की सम्भावना थी और सबसे बड़ी खराबी यह थी कि वहाँ टेलीफोन नहीं था इसलिए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सम्पर्क स्थापित कर पाना असम्भव था।

इन असुविधाओं के अतिरिक्त गिरेव के घर में रहना खुद गिरेव के लिए भी खतरनाक था। गिरेव का ख्याल था कि उसके घर की निगरानी हो रही है। पिछले एक दो दिनों से गैन्डर और डमर दोनों ने दो व्यक्तियों को बड़े गन्दिग्ध भाव से गिरेव के मकान वाली गली में टहलते हुए देखा था। उा दो आदमियों के बड़ापण्ट के ग्राधारण नागरिक होने की सम्भावना कम थी। वे लोग पुलिस के आदमी या एजेंट चाहें न हों लेकिन उनका डगढा नेक नहीं था। बड़ापण्ट पर पुलिस स्टेशन गल था और ऐसा स्थिति के

हर नगर में पुलिस में सैकड़ों ऐसे भेदिये होते हैं। जिन्हें कोई लाभदायक सूचना देने पर पुलिस की ओर से पुरस्कार मिलता है। वे दोनों आदमी भी शायद ऐसे ही पुलिस के पुरस्कार के लोभी नागरिक थे। जो पुलिस को सूचना देने से पहले अपना सन्देह पक्का कर लेना चाहते थे।

जेम्स को यह देखकर बहुत हैरानी हुई थी कि सिराव उस खतरे से कोई विशेष परेशान नहीं था। कारण उसे बाद में मेजर ने बताया था। सिराव की पार्टी के बुडापेस्ट में बीसियों अस्थायी अड्डे थे। ऐसी स्थितियों में सिराव फौरन अपना अड्डा बदल लेता था। इसलिए खामखाह अड्डा बदलने का समय नहीं आया था—सिराव का स्थायी अड्डा बुडापेस्ट नगर से बाहर था और उसकी जानकारी सिराव के अतिरिक्त केवल मेजर होवार्थ सैन्टर, इमर और जूलिया को ही थी।

उसी क्षण हाल के दूसरे सिरे पर एक दरवाजा खुला और उसमें से लगभग भागता हुआ एक आदमी बाहर निकला—अपने कोट की एक बांह उसने पहल ली थी और दूसरी को वह गरते में पहनता आ रहा था। उसके दुबले चेहरे पर भय और कटुता के भाव थे। उसके पीछे-पीछे नाइट पोर्टर भी आ रहा था।

‘मैं हजार हजार माफी चाहता हूँ, कामरेड।’ वह समीप आकर परेशानी से हाथ मलता हुआ बोला—‘गलती सरासर इस हरामजादे की थी...।’

उसका संकेत पोर्टर की ओर था।

‘तुम मैनेजर हो?’ मेजर ने तीखे स्वर से पूछा।

‘यस, कामरेड।’ वह बोला।

‘तो फिर अपने इस ‘हरामजादे’ को दफा करो। मैं तुमसे अकेले में बात करना चाहता हूँ।’

मेजर पोर्टर के दफा हो जाने तक प्रतीक्षा करता रहा। उतने समय में मेजर ने बड़ी शान्ति से अपना सिगरेट केस निकाला, उसमें से चुनकर एक सिगरेट पुराने सिगरेट के स्थान पर होल्डर में फसाया और फिर लाइटर के लिए जेब टटोलने लगा। फिर उसने सिगरेट सुलगा लिया और उसके छोटे-छोटे कश लेने लगा। मेजर अपने हर एक्शन में जानबूझकर देर कर रहा था और फिर उस देरी का परिणाम भी फौरन ही सामने आ गया। मैनेजर जो पहले ही बेहद भयभीत था। अब हिस्टीरिया के रोगी की तरह कोपने

लगा।

'क्या हो गया, कामरेड। हमसे क्या गलती हो गई है?' वह आतंकित स्वर में बोला- 'अगर मैं किसी तरह पार्टी की मदद कर सकता हूँ तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि....।'

'तभी बोलो जब तुम्हें बोलने के लिए कहा जाये।' मेजर नपे-तुले स्वर में बोला।

मैनेजर का मुँह खुला-लेकिन फौरन ही उसे मेजर की चेतावनी याद आ गई और उसका मुँह खुले का खुला रह गया।

'अभी थोड़ी देर पहले मेरे आदमी यहाँ आये थे?' मेजर ने पूछा।

'यस, कामरेड, थोड़ी देर पहले ही। उसके बाद अभी मैं सोया भी नहीं था कि...।'

'सिर्फ मेरे सवालों का जवाब दो।' मेजर शान्त स्वर में बोला- 'तुम्हारे मुँह से जवाब के अतिरिक्त कोई फालतू शब्द नहीं निकलना चाहिए। मुझे यह बात दुबारा न कहनी पड़े।'

मेजर ने एक क्षण प्रतीक्षा की और फिर बोला- 'उन्होंने तुमसे होटल में किसी नये आये हुए मेहमान के बारे में पूछा था? तुम्हारा रजिस्टर चेक किया था? होटल के कमरों की तलाशी ली थी?'

'यस कामरेड।'

'उन्हें किसी आदमी की तलाश थी?'

'यस कामरेड।'

'उन्होंने तुम्हें उस आदमी का हुलिया बताया था?'

'यस कामरेड।'

'सच भूल आओ।' मेजर ने आदेश दिया- 'घटनाये बहुत तैजी से घटित हो रही हैं। हमें विश्वस्त सूत्रों से पता लगा है कि वह आदमी चौबीस घन्टे में यहाँ आने वाला है और उसका कोई साथी पहले से ही यहाँ रह रहा है।... मेरी जानकारी में तीन महीने में यह चौथा मौका है जब तुमने देश के शत्रुओं को अपने होटल में शरण दी है।'

मैनेजर के चेहरे का रंग उड़ गया।

'मैंने?' वह हकलाया- 'यहाँ? इस होटल में? कामरेड, मैं भगवान की कसम खाकर कहता हूँ...।'

'भगवान?' मेजर के चेहरे पर बल पड़ गये- 'कौन-सा भगवान? किसका भगवान?'

मैनेजर का सारा शरीर पत्ते की तरह कांपने लगा। अच्छे कम्युनिस्ट भगवान जैसी चीजें में आस्था प्रकट करने की भयानक

गलती नहीं करते। जेम्स को मैनेजर पर तरस आने लगा-लेकिन वह जानता था कि मैनेजर क्या चाहता है। वह मैनेजर को आतक की उस हद तक ले आना चाहता था जहाँ आकर आदमी अन्धों की तरह आज्ञा पालन करता है। और मैनेजर आतक की उस हद तक पहुँच चुका था।

'मेरे में... मेरे में ग... गलती हो गई, कामरेड।' वह पहले में स्वर बोला- 'म... मेरी जुवान फिग्यल गई, कामरेड। मैं आपका विश्वास दिलाता हूँ, कामरेड...'

'नहीं, नहीं, विश्वास दिलाने का काम मुझे करने दो कामरेड। मैनेजर पूर्ववत् शान्त स्वर में बोला- 'मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि तुम्हारी एक ओर गलती तुम्हें जीवन भर के लिए साइबेरिया में सड़ने के लिए भेज देने के लिए काफी होगी। लगता है तुम्हें दुबारा साम्यवाद की शिक्षा देनी पड़ेगी तभी तुम देश के शत्रुओं को शरण देने जैसे कामों में बाज आओगे, तभी तुम अपने देश की पीठ में छुग घापने जैसा हरकत करने में बाज आओगे।'

मैनेजर का मुँह खुला, हाँठ हिले-लेकिन मुँह में आवाज नहीं निकली।

'मैं तुम्हें जो आदेश दूँ, तुम्हें उसका पालन करना है।' मैनेजर फिर बोला- 'कहीं भी कोई छाती-सी भी गलती हुई तो उसके पूर्णतया जिम्मेदार तुम होगे और फिर, मेरे दोस्त, तुम साइबेरिया या ब्लैक-सी-कनाल भेज दिये जाओगे।'

'मैं हर आदेश का पालन करूँगा, कामरेड।' मैनेजर खूब गिरने में बचाने के लिए काफ़ी हाथों में रिजिशन डेस्क का सहारा लेता हुआ बोला- 'मुझे जो कहा जायेगा, करूँगा, कामरेड। मैं मौगान्ध-खाता हूँ।'

'ठीक है। तुम्हें आखिरी मौका दे रहा हूँ।' मैनेजर बोला, फिर उसने जेम्स की ओर संकेत किया- 'यह मेरा आदमी है। जिस विदेशी एजेंट की हम तलाश है, उसने यह बहुत मिनता जुल्मता है और थोड़ा-बहुत हमने इसका मेकअप भी कर दिया है। हमें पूरी आशा है कि उस विदेशी एजेंट का साथी जोकि हमारा ख्याल है, इसी होटल में रह रहा है, इस आदमी की सूरत से पूरी तरह धोखा खा जायेगा और हमारा आदमी को ही विदेशी एजेंट समझ बैठेगा। एक बार विदेशी एजेंट के साथी के हमारे हाथ में आ-जाने का दर है, फिर हम उस विदेशी एजेंट को भी नहीं छोड़ेंगे।'

जम्प मेजर हावार्थ की बुद्धि का लोहा मान गया। उसने ऐसा मास्टर पीस कहानी घड़ी थी कि अब जम्प उस हाटल में एकदम सुगुंथित रूप में रह सकता था।

'खर!' मेजर कहता रहा- 'इन बातों से तुम्हारा कोई वाग्ना नहीं है। तुम केवल मेरे आदेशों का पालन करो। मेरे आदमी को अपने हाटल का सबसे शानदार कमरा दे दो। कमरे में प्राइवेट बाथरूम होना चाहिए, अलग फायर ऐंस्कॉप होना चाहिए और शार्ट वेव रेडियो रिसेवर, टेलीफोन, अलार्म क्लॉक होनी चाहिए। साथ ही हाटल की जितनी मास्टर की है, उन सबकी एक-एक चाबी इन्हें दो। इसका नाम मिस्टर गकार्सी है और इन्हें पूरी-पूरी प्राइवसी मिलनी चाहिए। कोई चैम्बर भेड़ बंदर, बिजली वाला, पानी का नल टाँक करने वाला या ऐसा ही कोई आदमी मिस्टर गकार्सी के कमरे के समीप भी न जाये। कोई टेलीफोन ऑपरेटर मिस्टर गकार्सी की टेलीफोन काल भूल से भी सुनने का प्रयत्न न करे। साहब का हर काम तुम्हें खुद करना होगा। जब तक साहब खुद अपने आपको प्रकट न करें, तुम्हें यही जाहिर करना है कि मिस्टर गकार्सी नाम के किसी आदमी का अस्तित्व ही नहीं है। अभी से फॉर्गन साहब को एकदम भूल जाओ। इस मामले में सम्बन्धित एक शब्द भी दुबारा तुम्हारे जुवान पर नहीं आना चाहिए। समझ गये?'

यस सर, कामेंड! मेनेजर बोला- 'सब समझ गया। सब कुछ ऐसा ही होगा।'

'शाबाय!' मेजर बोला- 'और अपने उस 'हगमजादे' दाइट पार्टर को भी समझा दे कि वह अपनी जुवान बन्द रखे।'

'यस कामेंड।'

'अब साहब को इनका कमरा दिखा दो।'

* * *

मेनेजर ने जो कमरा जम्प को दिया था, वह आकार में छोटा था लेकिन शानदार था और उसमें वे सब सुविधाएँ मौजूद थीं जिनका माग मेजर हावार्थ ने की थी।

'तुम यहाँ केवल दो या तीन दिन ही रह पाओगे। मेजर बोला- 'इससे अधिक यहाँ रहना खतरनाक होगा। मेनेजर तो अपनी जुवान नहीं खोलगा, लेकिन कोई न कोई सरकारी इनाम का लान्सेट तुम्हारे बारे में सूचना लेकर पुलिस तक पहुँच ही जायेगा।'

जम्प चुप रहा।

'उसके बाद तुम्हें अपना अस्तित्व बदलना होगा।' मेजर बोला- 'मेरा एक दोस्त है जो इन मामलों में स्पेशलिस्ट है। तुम्हारा आस्ट्रियन या हंगेरियन बने रहना खतरनाक सिद्ध हो सकता है लेकिन जर्मन यहाँ पर कम सन्देह की निगाह से देखे जाते हैं। मेरा वह दोस्त तुम्हें जर्मन बना देगा। फिर तुम जर्मनी की किसी मेटल फर्म के प्रतिनिधि या पार्टनर का रूप धारण कर लेना। साम्यवादी सरकार में विदेशी मेटल कम्पनियों के प्रतिनिधि बड़े सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं।'

'क्यों?'

'क्योंकि मेटल की हमें जरूरत है।'

'आई सी।'

'सुबह होते ही मैं एन्ड्रूसी उट में जाकर यह जानने की कोशिश करूँगा कि अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए आये हुए वैज्ञानिक कौन से होटल में ठहरे हुए हैं। उन्हीं में से रूसी प्रतिनिधि मण्डल के साथ प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिंग्स भी होगा। मेरे ख्याल से वे लोरा 'थ्री काउन' होटल में ठहरे होंगे क्योंकि उस होटल का सारा स्टाफ हमारे ही आदमियों का है लेकिन किसी दूसरे होटल की भी सम्भावना हो सकती है।' मेजर ने अपनी जेब से कागज और पेन्सिल निकाली और एक मिनट तक कागज पर कुछ लिखता रहा- 'यहाँ मैंने उन आठ होटलों के नाम लिख दिए हैं- जिनमें से एक में प्रोफेसर के ठहरे होने की गारन्टी है। होटल के नामों के सामने मैंने क्रमानुसार 'ए' से 'एच' तक के अक्षर लिख दिये हैं। कल जब मैं तुम्हें फोन करूँगा तो पहले मैं तुम्हें किसी गलत नाम से पुकारूँगा। उस नाम का पहला अक्षर इस लिस्ट में लिखे उस होटल के नाम का संकेत दे देगा। जिसमें प्रोफेसर ठहरा हुआ हो। समझ गये?'

जेम्स ने स्वीकृतिसूचक मुद्रा सर हिला दिया।

'मैं प्रोफेसर के कमरे का नम्बर भी जानने की कोशिश करूँगा। अगर नम्बर मुझे मालूम हो गया तो मैं फोन पर उस नम्बर के अक्षर उलटकर उसे तुम्हारी एक्सपोर्ट बिजनेस को किसी फाइनेशियल कोटेशन के रूप में तुम्हें बता दूँगा। और मिस्टर जेम्स, केवल इतना कुछ ही मैं तुम्हारे लिए कर सकता हूँ। बाकी अब कुछ तुम्हें खुद करना पड़ेगा।'

'मेजर!' जेम्स कृतज्ञतापूर्ण स्वर में बोला- 'तुमने पहले ही मेरी

काफी से ज्यादा सहायता कर दी है। इतना क्या कम है कि मैं अभी तक जीवित हूँ।

और जब तक मेरा फोन न आये तुम इस कमरे में-से एक कदम भी बाहर मत निकलना। मेजर ने जेम्स के कृतज्ञतापूर्ण शब्द जैसे सुने ही नहीं।

‘ओ. के.।’

मेजर जेम्स से हाथ मिलाकर विदा हो गया।

जेम्स ने कमरे का द्वार भीतर से बन्द करके ताला लगाया और द्वार से सटाकर एक कुर्सी इस प्रकार रख दी कि बाहर से द्वार खोलने के लिए हैंडिल न घुमाया जा सके। फिर उसने खिड़की बन्द की और उसकी सिल पर पल्लों से सटा कर दो-तीन शीशे के गिलास और ऐसी ही टूटने वाली चीजें रख दीं। यह इन्तजाम बर्गलर अलार्म का काम देता था। बाहर से खिड़की को खोलने का जरा-सा उपक्रम करने पर भी शीशे की चीजें एक जोरदार आवाज के साथ फर्श पर आ गिरती और जेम्स की नींद खुल जाती।

फिर उसने अपनी रिवाल्वर को पलंग पर तकिये के नीचे रख लिया और फिर अपने सारे कपड़े उतारकर बिस्तर में घुस गया।

वह एकदम नगनावस्था में सोने का आदी था।

तकिये से सिर लगते ही वह गहरी नींद में सो गया।

एक लम्बी नींद सो चुकने के बाद जेम्स उठा।

स्नानादि से निवृत्त होकर उसने ब्रेकफास्ट के लिए फोन किया तो मैनेजर खुद आया।

ब्रेकफास्ट कर चुकने के बाद उसने द्वार बाहर गलियारे में रख दी और द्वार फिर पूर्ववत् भीतर से बन्द कर लिया।

फिर उसने रेडियो रिसेावर का हैंडफोन अपने कानों पर चढ़ा लिया।

प्रोफेसर के लड़के के सुरक्षित रूप से स्वीडन पहुंच जाने की सूचना के लिए पूर्व निर्धारित कोड यह था कि अनाउन्सर ने समाचार पढ़ते समय एक स्थान पर कहना था-‘आज रात...क्षमा कीजिए, आज रात नहीं कल रात...।’

लेकिन बी.बी.सी. के शार्ट-वेव योरोपियन न्यूज ट्रांसमिशन में उस रोज अनाउन्सर ने ऐसी कोई गलती नहीं की।

बिना किसी निराशा की भावना के जेम्स ने हैंडफोन उतारकर

ग्य दिया। इतनी जल्दी उसे उसे समाचार के मिलने की आशा थी भी नहीं।

उसने रंडिया बन्द किया और फिर सो गया।

लंच के समय वह उठा और उसने मैनेजर को खाना लाने का आदेश दिया।

उसने खिड़की खोलकर बाहर झाँका। मौसम अभी भी बहुत खराब था। जहाँ तक दृष्टि जाती थी, बर्फ ही बर्फ दिखाई देती थी। हर ओर हर चीज पर बर्फ की एक मोटी चादर फैली हुई थी।

उसने खिड़की बन्द कर दी और भोजन की प्रतीक्षा करने लगा।

पाँच मिनट बाद किसी ने द्वार पर यूँ दस्तक दी, जैसे उसे भय हो कि कहीं द्वार टूट न जाये।

जैम्स ने द्वार खोला।

द्वार पर मैनेजर खाने की ट्रे लिए खड़ा था। ट्रे में मौजूद हर चीज उस बात का प्रमाण थी कि मैनेजर हर हाल में सीक्रेट पुलिस के अफसर को खुश करना चाहता है। जैम्स ने बिना धन्यवाद का एक शब्द भी कहे ट्रे मैनेजर के हाथों से ले ली और उसे चले जाने का संकेत किया। सीक्रेट पुलिस के अफसर-उसने सोचा-ऐसी छोटी-मोटी सेवाओं के लिए धन्यवाद करने के आदी नहीं होते।

लेकिन मैनेजर ने चले जाने के स्थान पर अपनी जेब में हाथ डालकर एक लिफाफा निकाला और उसे जैम्स की ओर बढ़ाता हुआ बोला- 'कोई आपके लिए यह पत्र दे गया है, मिस्टर राकोर्गी।'

'मेरे लिए?' जैम्स ने तीव्र स्वर में पूछा। उसका नया नाम मेजर और सिरोव के हाउस होल्ड के अतिरिक्त और कोई नहीं जानता था- 'यह पत्र कब पहुँचा था?'

'पाँच मिनट पहले।'

'पाँच मिनट पहले?' जैम्स बड़े ड्रामेटिक अन्दाज से गरजकर बोला। आखिर होटल के मैनेजर की नजर में तो वह हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का अफसर था- 'तो फिर तुम पाँच मिनट पहले यह पत्र मेरे पास क्यों नहीं लाये?'

'मैं माफी चाहता हूँ, कामरेड!' मैनेजर सिर से पाँव तक कांपता हुआ बोला- 'मेरे से भूल हुई। जिस समय यह पत्र आया था, उस समय आपका लंच लगभग तैयार था। मैं सोचा कि मैं दोनों चीजें...'।

'तुम्हें कुछ सोचने की जरूरत नहीं है। अगली बार जब मेरे लिए

काई पत्र आये तो वह मंज पास फौरन पहुँचना चाहिए। समझें?

यस कामण्ड।

कौन लाया था-यह पत्र?

उसका हुलिया बयान करें।

मैं उसकी मूर्त नहीं देख सका, कामण्ड।

क्या पहने हुए थी वह?

वह एक पैरों तक आने वाला रैनकोट पहने हुए थी। रैनकोट के साथ ही एक हुक भी लगा हुआ था जिससे उसका गिर और चंद्र का अधिकतर भाग ढंका हुआ था।

'ठीक है, ठीक है!' जम्स बोला और उसने मैनेजर को चलने जाने का संकेत किया।

मैनेजर लम्बे डग भरता हुआ गलियारे में गायब हो गया।

जम्स ने द्वार भीतर से बन्द कर लिया।

उसने लिफाफा खोला और पत्र निकाल लिया।

पत्र में लिखा था:-

आज रात घर पर आने की कोशिश मत करना। आठ और नौ बजे के बीच मुझे व्हाइट-एजल वॉफ में मिलना।

नीचे हरन्ताक्षरों के स्थान पर केवल 'जे' लिखा था।

जम्स को यह समझते देर नहीं लगी कि पत्र लाने वाला लड़की जूलिया थी।

जम्स ने पत्र जला दिया और फिर राख को फ्लश में बहा दिया।

उसने चुपचाप खाना खाया और पहले की तरह तूँ फिर बाहर गलियारे में रखकर द्वार बन्द कर दिया।

फिर जम्स एक ईजी चेयर पर बैठ गया और सिगरेट पर सिगरेट फूँकता हुआ मैनेजर होवार्थ के फोन की प्रतीक्षा करने लगा।

कई घण्टे गुजर गये।

ठीक साढ़े पाँच बजे उसके टेलीफोन की घन्टी बजी।

जम्स लपककर टेलीफोन के पास पहुँचा और उसने क्रेडिल से रिसीवर उठाकर कान से लगा लिया।

'मिस्टर बुहल! मिस्टर जोहान बुहल!' दूसरी ओर से मैनेजर होवार्थ का स्वर सुनाई दिया।

'स्प्रीकिंग।' जम्स बोला।

'आपके लिए बड़ी अच्छी खबर है मिस्टर बुहल! आज शाम को मैं मन्त्रालय के ऑफिस में गया था और वे लोग आपकी फर्म के

साथ सौदा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, विशेष रूप से एल्यूमीनियम में उनकी भारी दिलचस्पी है। वे लोग फौरन आपसे बात-चीत करना चाहते हैं बशर्ते कि आप उनकी कीमत स्वीकार कर लें।

‘उनकी आफर क्या है?’

‘पिचवाने।’

‘बड़े ख्याल से हमारी फर्म को इस कीमत पर माल देने में कोई एतराज नहीं होगा।’

‘तो फिर आपको आर्डर मिल जायेगा। हम लोग डिनर पर मिल कर बातचीत कर सकते हैं। आप साढ़े छः बजे तशरीफ ला सकते हैं।’

‘मैं आ जाऊंगी। तीसरी मंजिल पर न?’

‘दूसरी मंजिल। तो ठीक है, साढ़े छः बजे आ जाइयेगा। गुड बाई मिस्टर बहुल!’ और दूसरी ओर से सम्बन्ध विच्छेद हो गया।

जैम्स ने भी रिसीवर रख दिया।

मेजर ने उसे बहुल के नाम से पुकारा था, बहुल का पहला अक्षर ‘बी’ था।

जैम्स ने मेजर की दी हुई होटलों की लिस्ट निकाल ली।

‘बी’ के आगे थ्री-काउन्स का नाम लिखा था। मेजर ने बताया था कि थ्री-काउन्स होटल का सारा स्टाफ सीक्रेट पुलिस के आदमियों का था।

मेजर से हुए वार्तालाप से उसे मालूम हो गया था कि प्रोफेसर थ्री-काउन्स होटल शाम को साढ़े छः बजे खाता था। उस समय प्रोफेसर का कमरा खाली होने की पूरी सम्भावना थी।

एक क्षण भी बरबाद किये बिना जैम्स ने कपड़े पहने, अपनी वेल्तियन रिवाल्वर की नाल पर साइलेंसर चढ़ाया और रिवाल्वर को अपने ट्रेच कोर्ट की दाईं जेब में रख लिया।

अपने मैनेजर को फोन करके आदेश दिया कि अगले चार घन्टे तक उसे किसी भी हालत में डिस्टर्ब नहीं किया जाये। उसके कमरे में कोई टेलीफोन काल, सन्देश, मुलाकाती या खाना वगैरह कुछ न भेजा जाए। फिर उसने घर की भीतर से ताला लगाया और लोगों को भ्रम में डालने के लिए बत्ती जली छोड़ दी।

अन्त में उसने बाथरूम की खिड़की खाली और फायर ऐस्केप के रास्ते से बाहर निकल गया।

रात बेहद ठण्डी थी और रास्तों पर टखनों तक गहरी रुई जैसी नर्म बर्फ इकट्ठी हो चुकी थी। अभी उसने केवल दो सौ गज का ही फासला तय किया था कि उसका हैट, ओवरकोट व जूते वगैरह सब बर्फ की सफेद पर्त से ढक गये।

बर्फीला मौसम जेम्स के लिए हर सूरत में लाभदायक था। सिर से पाँव तक बर्फ से ढके होने के कारण उसके पहचाने जाने की सम्भावना बहुत कम थी। बर्फ से ढकी सड़कों पर चलते समय उसके कदमों की आहट बिल्कुल नहीं हो रही थी और सबसे मुख्य बात यह थी कि ऐसे गन्दे मौसम में रास्ते में किसी पुलिस के आदमी से टकरा जाने की सम्भावना बहुत कम थी।

लगभग दस मिनट में वह थ्री-काउन्स होटल के समीप पहुँच गया। रास्ता तलाश करने में उसे तनिक भी दिक्कत नहीं हुई थी। बुडापेस्ट की हर सड़क को वह यूँ पहचानता था, जैसे सारी जिन्दगी उसने बुडापेस्ट में ही गुजारी हो।

थ्री-काउन्स एक विशाल होटल था। उसकी लॉबी प्रकाश में जगमगा रही थी। होटल के घूमते हुए प्रवेश द्वार पर दो डोरमैन खड़े थे। दोनों की बाल में पुलिस रिवाल्वर लटक रहे थे। और हाथों में चमड़ा चढ़े हुए डंडे थे। प्रत्यक्ष था कि होटल के द्वार पर सीक्रेट पुलिस के ही आदमी डोरमैन की इयूटी बजा रहे थे।

जेम्स सिर झुकाये, कोट की जेबों में हाथ डाले होटल के सामने की सड़क से गुजर गया।

मुख्य द्वार से होटल में प्रवेश कर पाना असम्भव था।

सड़क पर थोड़ी दूर पहुँच कर वह रुक गया और एक बिजली के खम्बे की ओट में खड़ा होकर होटल की साइड का निरीक्षण करने लगा।

निचली मंजिल की खिड़कियों में मोटे साँखचे लगे हुए थे और उससे ऊपर की हर मंजिल की खिड़की बेहद ऊँची थी और वहाँ तक पहुँचने का कोई प्रत्यक्ष साधन दिखाई नहीं दे रहा था।

जेम्स होटल की दूसरी साइड की ओर पहुँचा। वहाँ भी स्थिति वैसी ही थी।

अब केवल होटल का पिछवाड़ा शेष रह गया था।

जेम्स सतर्कता से चलता हुआ होटल के पिछवाड़े की सड़क पर पहुँच गया।

होटल के ब्लाक एक खोखले वर्ग की सूरत में बने हुए थे।

पिछवाड़े की ओर ब्लाकी से घिरा हुआ एक बहुत बड़ा कम्पाउन्ड था। कम्पाउन्ड के बाहर होटल की सड़क से अलग करने वाली एक लगभग चार फुट ऊंची दीवार बनी हुई थी। निचली मन्जिल और पहली मन्जिल को कई खिड़कियों से प्रकाश की किरणें फूट रही थीं लेकिन फिर भी कम्पाउन्ड में अन्धेरा था।

जैम्स ने चुपचाप सड़क पार की ओर दीवार के साथ जा लगा।

उसने बड़ी सावधानी से सिर उठाकर कम्पाउन्ड में झाँका।

उसी क्षण सर्व-लाइट का तेज प्रकाश उसके चेहरे पर पड़ा।

बिजली की फुर्ती से जैम्स का हाथ अपने कोट की दाईं जेब में रखी रिवाल्वर पर पहुँच गया।

लेकिन अगले ही क्षण सर्व-लाइट उसके चेहरे से हट गई और कम्पाउन्ड की दीवारों का एक चक्कर लगाकर गायब हो गई।

जैम्स ने शान्ति की एक गहन निःश्वास ली और रिवाल्वर से उसकी फूँट डीली पड़ गई। खतरा नहीं था। उसने देखा कि एक सिपाही कन्धे पर कारबाइन लटकाए कम्पाउन्ड का चक्कर लगा रहा था। उसके हाथ में जलती हुई शक्तिशाली टार्च-लाइट थी और उसका वह हाथ लापरवाही से झूल रहा था। प्रत्यक्ष था कि टार्च का प्रकाश अकरमात ही जैम्स पर जा पड़ा था। सिपाही की आंखें टार्च की रोशनी का पीछा नहीं कर रही थीं।

सिपाही उससे दूर कम्पाउन्ड के भीतर की ओर जा रहा था।

सिपाही होटल के एक ब्लाक के साथ बने फायर ऐंस्कप के समीप रुक गया और फिर उसकी टार्च का प्रकाश फायर ऐंस्कप की एक-एक सीढ़ी पर पड़ता हुआ ऊपर की ओर उठने लगा।

लोहों की टेढ़ी-मेढ़ी सीढ़ियाँ खाली पड़ी थीं।

प्रकाश लुप्त हो गया और सिपाही आगे बढ़ गया।

जैम्स दबे पांव आगे बढ़ा और फिर एक ही छलांग में दीवार फाँदकर कम्पाउन्ड के भीतर पहुँच गया। वह दीवार के भीतरी भाग से सटकर जमीन पर बैठ गया।

एक क्षण प्रतीक्षा करने के बाद वह सिर नीचे झुकाये फायर ऐंस्कप की सीढ़ियों की ओर भागा।

अभी वह कुछ ही कदम आगे बढ़ा था कि एकदम रुक गया जैसे उसे बिजली का धक्का लग गया हो।

चलक छापक ही वह जमीन पर सीधा लेट गया।

फायर ऐंस्कप के समीप दीवार के साथ पीठ लगाये और कन्धे

पर मशीनगन लटकौये एक अन्य सिपाही खड़ा था। अन्धकार में जेम्स को उसकी मौजूदगी का जरा भी एहसास नहीं हुआ था, केवल किरमत् ने ही उसे बचा लिया था। सिपाही शायद सिगरेट पी रहा था। इससे पहले कि जेम्स सिर झुकाए भागता हुआ सीधा उससे जा टकराता, जेम्स को उसके होठों में लगे जलते सिगरेट की चमक दिखाई दे गई थी। शायद सिपाही ने उसी क्षण का लगाया था।

जेम्स सिपाही से केवल चार फुट दूर बर्फ से चिटा हुआ था और सामने खड़े सिपाही की दृष्टि किसी भी क्षण उस पर पड़ सकती थी।

टार्च वाला सिपाही भी ब्लैक का चक्कर लगाकर उसी ओर लौट रहा था।

जेम्स अपने आपको एक चूहे की तरह फंसा हुआ महसूस कर रहा था।

जेम्स अपने आपको एक चूहे की तरह फंसा हुआ महसूस कर रहा था।

लौट जाने का उपक्रम करना भी मौत की दावत देना था। सामने खड़े सिपाही को फौरन उसकी स्थिति का भान हो जाता।

वह बड़ी आसानी से दोनों सिपाहियों को शूट कर सकता था लेकिन बाद में उनकी लाशें छुपाना एक समस्या बन जाता। और फिर सिपाहियों की अपने स्थानों से गैर मौजूदगी छुपी नहीं रह सकती थी। ऐसी हालत में होटल के कर्मचारियों के भेष में मौजूद सीक्रेट पुलिस का एक-एक सिपाही सावधान हो जाता और फिर उसका मिशन तो असफल होता ही, साथ ही वह भी निश्चित रूप से पुलिस के हाथों में पड़ जाता।

उस क्षण उसकी दृष्टि सामने के ब्लैक की दीवार के साथ लटकी हुई लालटेन पर पड़ी- जिसका मद्धम सा प्रकाश अपने आसपास दस फुट तक भी नहीं पहुंच रहा था।

जेम्स ने अपनी जेब से साइलेन्सर लगी रिवाल्वर निकाल ली और लेंटे ही लेंटे उस लालटेन का निशाना साधकर रिवाल्वर का घोंड़ा दबा दिया।

एक हल्की सी पिट की आवाज हुई और अगले ही क्षण लालटेन के शीशे के परछे उड़ गये।

रात के सन्नाटे में शीशा टूटने की आवाज तोप के गोले की

तरह सुनाई दी।

दोनों सिपाही एकदम चौंके। दोनों के हथियार अपने कंधों से फिसलकर हाथों में आ गए। सिगरेट वाला मशीनगन हाथ में थामे लालटेन की दिशा में बढ़ रहा था।

टार्च वाला पहले ही लालटेन के समीप पहुंच चुका था और टार्च का प्रकाश लालटेन वाली दीवार पर और उसके आसपास डाल रहा था।

मशीनगन वाला सिपाही काफी आगे निकल चुका था। अब जेम्स की ओर उसकी पीठ थी।

जेम्स सम्भला और फिर बन्दूक में से छूटी गोली की तरह फायर ऐस्केप की सीढ़ियों की ओर लपका।

वह बिल्ली की तरह दबे पांव सीढ़ियां चढ़ गया और पहली मन्जिल के लैवल में बने लोहे के प्लेटफार्म पर लेट गया और नीचे झांकने लगा।

‘क्या बात है?’ मशीनगन वाला सिपाही हंगेरियन में पूछ रहा था।

‘कुछ नहीं!’ टार्च वाला सिपाही बोला-‘लालटेन का शीशा गरम था। बाहर की ठंडक के कारण चटक गया है।’

‘ओह!’ मशीनगन वाला बोला-‘और मशीनगन फिर लापरवाही से उसके कंधे पर पहुंच गई।’

टार्च वाले ने फिर एक बार टार्च अपने चारों ओर घुमानी आरम्भ कर दी।

जेम्स एकदम प्लेटफार्म के साथ चिपक गया।

टार्च का तीव्र प्रकाश उसकी स्थिति से केवल दो फुट नीचे से गुजर गया।

फिर टार्च की रोशनी गुल हो गई और दोनों सिपाही वहीं कम्पाउन्ड में खड़े होकर गप्पें हांकने लगे।

जेम्स का सारा शरीर उस लोहे के बर्फ से ढके प्लेटफार्म पर पड़े-पड़े रुन्न हुआ जा रहा था। वह सावधानी से प्लेटफार्म से उठा और धीरे-धीरे फायर-ऐस्केप की दूसरी मन्जिल की सीढ़ियां चढ़ने लगा।

दूसरी मन्जिल के प्लेटफार्म पर पहुंचने तक उसके नंगे हाथ इतने सुन्न हो चुके थे कि उससे रेलिंग नहीं पकड़ी जा रही थी। उस प्लेटफार्म से उसने नीचे झांका। नीचे उसे बर्फीली धुंध के

अतिरिक्त कुछ भी दिखाई नहीं दिया। अन्धकार इतना था कि इतनी

ऊँचाई से उसे सिपाही भी दिखाई नहीं दे रहे थे।

जेम्स निश्चिन्त होकर सीधा खड़ा हो गया।

प्लेटफार्म के सामने ही एक शीशे वाली खिड़की थी। जेम्स ने हाथ फेरकर शीशे से बर्फ साफ की और फिर भीतर झाँका।

वह एक बड़ा-सा बाथरूम था और उस समय वहाँ किसी व्यक्ति की उपस्थिति का अहसास नहीं हो रहा था।

जेम्स ने अपनी जेब से चाकू निकालकर खिड़की और चौखट के बीच में बनी दरार के नीचे के भाग में फंसाया और चाकू को ऊपर की ओर उमेठा। खिड़की ऊपर उठती चली गई।

जेम्स उस खिड़की के रास्ते भीतर बाथरूम में घुस गया और खिड़की भीतर से बन्द कर ली।

ठण्ड के कारण उसके हाथ एकदम निष्क्रिय हो चुके थे।

वह सिक के पास पहुँचा और उसने गर्म पानी का नल खोल दिया। एक ही मिनट में सिक गर्म पानी से लबालब भर गया। उसने अपने दोनों हाथ गर्म पानी में डूबो दिये।

पीड़ा की एक तीव्र लहर उसके शरीर में दौड़ गई-लेकिन उसने पानी में से हाथ निकालने का उपक्रम नहीं किया।

थोड़ी देर में उसके हाथों में रक्त का संचार होने लगा। फिर उसने अपने हाथ पानी से निकाल लिये और सिक में से पानी बहा दिया। उसने तौलिये से रगड़-रगड़ कर हाथ पोंछे।

उसके हाथों में जैसे फिर से जान पड़ गई थी।

उसने बाथरूम की बत्ती बुझाई और बड़ी सावधानी से द्वार खोलकर बाहर झाँका।

वह एक लम्बा गलियारा था-जिसके फर्श पर शानदार गलीचा बिछा हुआ था। गलियारे के दोनों ओर कमरों के दरवाजे थे। सामने के दरवाजे पर 56 नम्बर लिखा था उससे अगले कमरे का नम्बर 57 था। वह हर्षित हो उठा। सौभाग्य से वह उस विंग में पहुँच गया था जिसमें प्रोफेसर का कमरा था। फिर उसकी उचटती हुई दृष्टि गलियारे के दूसरे सिरे पर पड़ी और उसके जबड़े कस गये। उसने अपना सिर भीतर खींच लिया और चुपचाप द्वार बन्द कर लिया।

गलियारे में दूसरे सिरे पर दीवार से पीठ टिकाये एक सिपाही खड़ा था। उसके कन्धे पर कारबाइन लटक रही थी।

जेम्स बाथरूम के सिरे पर बैठ गया। उसने एक सिगरेट सुलगा

लिया और अगली चाल सोचने लगा।

गलियारे के खड़े सिपाही की शायद गलियारे में ही ह्यूटी थी और उसकी जानकारी में आये बिना 59 नम्बर कमरे तक पहुंच पाना असम्भव था प्रोफेसर के कमरे तक पहुंचने के लिए उस सिपाही को वहाँ से हटाना आवश्यक था। प्रकाश से चमकताते हुए एक सौ बीस फुट लम्बे गलियारे में उससे भिड़ जाने की बात भी सोचना बेकार था।

अन्त में उसके तीव्र मस्तिष्क ने एक तरकीब सोच निकाली।

उसने सिगरेट फैंक दिया और उठ खड़ा हुआ।

उसने बाथरूम का गर्म पानी का नल खोल दिया और कपड़े उतारने लगा। सारे कपड़े उतार देने के बाद उसने साबुन उठाया और उसे तब तक अपने मुँह और सिर पर मलता रहा-जब तक वह गरदन तक साबुन के भाग की एक मोटी परत में नहीं ढक गया।

उसका हुलिया सीक्रेट पुलिस के हर आदमी को बताया जा चुका था।

उसने अपने हाथों को पोछा और अपनी कमर के गिर्द तक तोलिया लपेट लिया। उसने अपनी रिवाल्वर अपने बायें हाथ पर डाली और हाथ पर और तोलिया डालकर रिवाल्वर को छुपा लिया। फिर उसने द्वार खोला और दबी आवाज से गलियारे में खड़े सिपाही को आवाज दी।

सिपाही ने एकदम उस ओर देखा। उसका हाथ स्वयं ही कन्धे पर लटकी कारबाइन पर पहुंच गया। लेकिन जब उसने गलियारे के दूसरे सिर पर केवल लगभग नौ खड़े जेम्स को देखा-तो उसने कारबाइन से हाथ उठा लिया। उसने बोलने के लिए मुँह खोला लेकिन जेम्स ने उसे अपने हाँठों पर उंगली रखकर चुप रहने का संकेत किया।

सिपाही उलझनपूर्ण नेत्रों से जेम्स की दिशा में देखता रहा।

जेम्स ने जोर जोर से हाथ हिलाकर उसे समीप आने का संकेत किया।

सिपाही एक क्षण को हिचकिचाया और जेम्स की ओर भागा। रास्ते में कारबाइन उसके कन्धे से फिसल कर उसके हाथ में आ गई थी।

'बाहर फायर-एस्कैप पर एक आदमी है।' सिपाही के समीप

पहुँच जाने पर जेम्स फुसफुसाया- 'वह बाहर से खिड़की खोलकर भीतर आने की कोशिश कर रहा है।'

'अच्छा!' सिपाही की आँखें फैल गई। वह भी फुसफुसाता हुआ बोला- 'तुमने देखा है उसे?'

'हाँ!' जेम्स उत्तेजित स्वर में बोला- 'तभी तो मैंने तुम्हें बुलाया है। मुझे डर लग रहा है।'

और कांपने लगा।

'घबराओ नहीं, मैं देखता हूँ।' सिपाही बोला।

जेम्स एक ओर हट गया।

सिपाही बाथरूम के भीतर घुस आया और खिड़की की ओर बढ़ा।

जेम्स ने चुपचाप तौलिया जमीन पर गिरा दिया और रिवाल्वर को नाल से बायें हाथ में पकड़ लिया।

जेम्स ने पूरी शक्ति से रिवाल्वर की मूठ सिपाही की कनपटी पर दे मारी।

सिपाही के मुँह से हाथ भी न निकली और उसका निश्चेष्ट शरीर लहरा गया। जेम्स ने उसे गिरने से सम्हाल लिया और फिर उसे धीरे-धीरे फर्श पर लिटा दिया। फिर उसने तौलिये फाड़-फाड़ कर ही उसके हाथ पांव बांध दिये और मुँह में भी कपड़ा ठूस दिया।

उसने सिपाही को बाथरूम के एक क्लोजेट में बंद करके बाहर से चिटकनी चढ़ा दी।

पाँच मिनट बाद जब जेम्स बाथरूम में से बाहर निकला, तो उसका कोट उसकी बांह पर लटक रहा था और हैंड उसके हाथ में था। वह इतनी लापरवाही से गलियारे में चलने लगा- जैसे वह भी होटल का ही एक अतिथि हो और अपने कमरे में वापिस लौट रहा हो।

वह 59 नम्बर कमरे के सामने पहुँचा।

उसने अपनी जेब से एक नकली चाबियों का गुच्छा निकाला और द्वार का ताला खोलने का प्रयत्न करने लगा।

दुर्भाग्यवश एक भी चाबी उस ताले में फिट नहीं हो सकी।

जेम्स उस द्वार को छोड़कर अगले द्वार के समीप पहुँचा। अगले द्वार पर कोई नम्बर नहीं था। उसने एक खोजपूर्ण दृष्टि अन्य कमरों के द्वारों पर डाली। उसने देखा हर एक द्वार के बाद अगले द्वार पर नम्बर नहीं था।

बिना नम्बर के द्वार शायद हर कमरे के साथ बने हुए प्राइवेट बाथरूम हैं। जेम्स ने सोचा हर प्राइवेट बाथरूम का एक द्वार शायद गलियारे में भी खुलता था।

जेम्स अपने चाबियों के गुच्छे की एक एक चाबी बारी-बारी से उस ताले में लगाने लगा।

एक चाबी से ताला खुल गया।

जेम्स ने हैंडल घुमाकर द्वार खोला और भीतर घुस गया।

वह बाथरूम ही था। उसने भीतर से द्वार बन्द कर लिया।

वह बाथरूम भी लगभग पहले बाथरूम की ही तरह था। अन्तर केवल इतना था कि इस बाथरूम के दो द्वार थे। एक गलियारे में खुलने वाला जिसमें से जेम्स भीतर प्रविष्ट हुआ था और दूसरा होटल के कमरे में खुलने वाला।

वह बाथरूम के रास्ते कमरे में प्रविष्ट हो गया। उसने अपनी जेब से पैन्सिल के आकार की एक टार्च निकाली और उसका सीमित प्रकाश कमरे में फिराने लगा। उसने देखा खिड़कियां बन्द थीं और उन पर भारी परदे पड़े हुए थे।

जेम्स ने टार्च बन्द करके जेब में डाल ली और कमरे की बत्ती जला दी।

तलाशी लेने की कला में जेम्स दक्ष था। उसने बड़े सिस्टेमैटिक ढंग से कमरे की एक-एक चीज परखनी आरम्भ कर दी।

दस मिनट बाद उसने रोशनदान में लगी ग्रिल के पीछे छुपाया हुआ माइक्रोफोन खोल निकाला।

उस माइक्रोफोन के अतिरिक्त कमरे में और कोई आपत्तिजनक चीज नहीं थी।

वह फिर बाथरूम में आ गया और उतनी ही मेहनत से उसने बाथरूम की तलाशी लेनी आरम्भ कर दी।

बाथरूम में उसे कुछ दिखाई नहीं दिया।

उसी क्षण उसे गलियारे में दो व्यक्तियों के बोलने की आवाज आई।

जेम्स ने लपककर कमरे की बत्ती बुझा दी और वापिस बाथरूम में आ गया। उसने बाथरूम का द्वार इतना बन्द कर दिया कि चौखट और द्वार में एक छोटी-सी झिरी रह जाये। वह उस झिरी पर आंख लगाये कमरे में झांकने लगा।

अगले ही क्षण कमरे का द्वार खुला और प्रोफेसर जैनिंग्स ने

भीतर प्रवेश किया। उसके पीछे-पीछे ही कमरे में एक भूरा सूट पहने मोटा-सा आदमी प्रविष्ट हुआ। जेम्स के पास यह जानने का कोई साधन नहीं था कि वह आदमी सीक्रेट पुलिस से सम्बन्धित था या प्रोफेसर की तरह ही वैज्ञानिक कान्फ्रेंस में शामिल होने के लिए आया हुआ कोई वैज्ञानिक था। लेकिन एक बात दिन की तरह स्पष्ट थी। वह अपने साथ एक शराब की बोतल और दो गिलास लाया था और उसका फौरन वहां से टल जाने का कतई इरादा नहीं मालूम होता था।

* * *

अनजाने में ही जेम्स के हाथ में उसकी साइलेन्सर लगी रिवाल्वर पहुंच गई थी। अगर प्रोफेसर के साथी ने बाथरूम में आने का प्रयत्न किया तो भारी बखेड़ा हो सकता था। बाथरूम में कोई छुपाने का स्थान नहीं था। अगर उसे आदमी को शूट करना पड़ा तो प्रोफेसर से दुबारा किसी समय सम्पर्क स्थापित करना असम्भव हो जायेगा। ऐसी सूरत में उसे उसी समय प्रोफेसर को अपने साथ ले जाना पड़ेगा चाहे इसके लिए उसे प्रोफेसर के साथ जबरदस्ती ही क्यों न करनी पड़े। और थ्री-काउन्स जैसे होटल से किसी आदमी को जबरदस्ती निकाल ले जाने में सफल हो पाना एक असम्भव कृत्य था।

लेकिन प्रोफेसर के साथी ने बाथरूम की ओर आने का उपक्रम नहीं किया। शीघ्र ही यह भी प्रकट हो गया कि वह सीक्रेट पुलिस का आदमी नहीं था। प्रोफेसर उसे जोजफ के नाम से सम्बोधित कर रहा था, उससे बड़ा मित्रतापूर्ण व्यवहार कर रहा था। और उससे इंगलिश में ऊंची तकनीकी चर्चा कर रहा था जिसका एक भी शब्द समझ पाना जेम्स के बस की बात नहीं थी। प्रोफेसर का साथी भी शायद कोई वैज्ञानिक ही था।

जेम्स चुपचाप प्रतीक्षा करता रहा।

प्रोफेसर और जोजफ अपने वैज्ञानिक वार्तालाप में मग्न थे और उस वार्तालाप को कमरे में लगे माइक्रोफोन की सहायता से शायद सीक्रेट पुलिस के आदमी भी सुन रहे थे।

जेम्स ने कलाई पर बंधी घड़ी पर दृष्टिपात किया, वह व्यग्र हो उठा, समय बहुत कम था। उसका फौरन और एकान्त में प्रोफेसर से मिलना जरूरी था।

एक मिनट के समय में उसके मस्तिष्क में आधी दर्जन विभिन्न

विचार उभरे लेकिन उनमें से एक भी ऐसा नहीं था जो सरल हो और खतरों से खाली हो। वर्तमान स्थिति में वह किसी प्रकार का रिस्क लेने के लिए तैयार नहीं था। प्रोफेसर का साथी चाहे वैज्ञानिक ही था, लेकिन क्योंकि वह रूसी था इसलिये उसकी नजर में शत्रु था।

अन्त में उसे एक तरकीब सूझी जिसके सफल होने की पर्याप्त सम्भावना थी। वह द्वार के समीप से हट गया और सिंक के पास पहुंचा। उसने साबुन का एक टुकड़ा उठाया। साबुन एकदम सूखा था। बड़ी सावधानी से उसने नल को केवल इतना खोला कि पानी की केवल एक ही बून्द बाहर निकल पाई। उस बून्द से उसने साबुन का एक सिरा भिगोया और गीले साबुन की सहायता से अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में सिंक के ऊपर लगे शीशे पर लिखने लगा।

मैं इंगलैंड से आया हूँ।

अपने मित्र से फौरन पीछा छुड़ाओ।

फिर वह दबे पांव चलता हुआ बाथरूम के गलियारे वाले द्वार के समीप पहुंचा और उसे एक-एक इंच करके इस प्रकार खोलने लगा कि आहट न होने पाये।

द्वार खोलकर उसने बाहर झांका।

गलियारा सुनसान पड़ा था।

वह बाहर निकल आया और लम्बे डग भरता हुआ प्रोफेसर के कमरे के द्वार के सामने जा पहुंचा। उसने धीरे से प्रोफेसर का द्वार खटखटाया और बड़ी फुर्ती से बिना किसी प्रकार की आहट किये वापिस बाथरूम में घुस गया। भीतर आकर उसने द्वार बन्द कर लिया और फिर दूसरे द्वार की झिरी में से बाहर झांकने लगा।

प्रोफेसर का साथी द्वार की ओर बढ़ रहा था।

बाथरूम के द्वार की ओर उसकी पीठ थी।

जेम्स ने अपनी पैन्सिल टार्च हाथ में थाम ली और बाथरूम के द्वार में से सिर निकाल कर कमरे में झांका। उसने टार्च का प्रकाश एकदम प्रोफेसर के नेत्रों पर डाला और फिर टार्च बन्द कर दी। प्रोफेसर ने एकदम जेम्स की दिशा में देखा।

जेम्स ने अपने होंठों पर उंगली रखकर उसे चुप रहने का संकेत किया।

प्रोफेसर का साथी द्वार को पूरा खोलकर गलियारे की दोनों दिशाओं में झांक रहा था।

प्रोफेसर के चेहरे पर बौखलाहट और हैरानी के भाव उभर रहे थे।

उसी क्षण प्रोफेसर का साथी घूमा।

जेम्स ने बाथरूम का द्वार पहले की तरह बन्द कर लिया।

‘क्या बात है, प्रोफेसर अनिश्चित स्वर से बोला-‘मेरा सिर फिर दुखने लगा है। तुम तो जानते ही हो इस सिर दर्द से कितना परेशान रहता हूँ मैं! कौन था?’

‘कोई भी नहीं, शायद किसी ने भूल से हमारा दरवाजा खटखटा दिया। प्रोफेसर, क्या तबियत बहुत खराब है?’

‘नहीं।’ प्रोफेसर अपने चेहरे पर क्षीण-सी मुस्कराहट लाकर उठता हुआ बोला-‘एक दो माइग्रेन की गोलियाँ खाकर और गिलास ठण्डा पीकर ठीक हो जाऊंगा।’

प्रोफेसर बाथरूम के द्वार की ओर बढ़ा।

जेम्स द्वार के पीछे दीवार से चिपक कर खड़ा हो गया।

बाथरूम का द्वार खोल कर प्रोफेसर भीतर प्रविष्ट हुआ। फौरन ही उसकी दृष्टि शीशे पर लिखे संदेश पर पड़ी।

जेम्स सांस रोकें खड़ा रहा।

प्रोफेसर ने पीछे घूमकर देखने का प्रयत्न नहीं किया।

उसने कपबोर्ड में से दो माइग्रेन की गोलियाँ निकाली और नल खोलकर एक पानी का गिलास भर लिया।

गोलियाँ खाकर वह बाथरूम से बाहर निकाल गया। बाहर निकलकर वह द्वार बन्द करना नहीं भूला।

जेम्स लपक कर शीशे के समीप पहुंचा और उसने शीशे पर से साबुन की लिखाई मिटा दी।

‘होटल के डॉक्टर को बुलाऊं।’ प्रोफेसर का साथी चिन्तित स्वर से कह रहा था।

‘नहीं, नहीं, क्या जरूरत है?’ प्रोफेसर बोला-‘डॉक्टर भी आकर मुझे माइग्रेन की गोलियाँ ही देगा। अभी मैं दो घन्टे आराम करूंगा और ठीक हो जाऊंगा। जोजफ, अगर तुम बुरा न मानो तो...।’

‘नहीं, नहीं, इसमें बुरा मानने की क्या बात है?’ प्रोफेसर का साथी प्रोफेसर का मन्तव्य समझ बोला-‘आप का स्वास्थ्य हम लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है सोमवार की वैज्ञानिक कान्फ्रेंस के उद्घाटन पर ओपनिंग स्पीच आप ही की है। मैं जाता हूँ। आप आराम कीजिए।’

फौरन ही प्रोफेसर का साथी बिदा हो गया।

प्रोफेसर ने द्वार भीतर से बन्द कर लिया।

जेम्स बाथरूम से बाहर निकल गया।

प्रोफेसर ने बोलने के लिए मुंह खोला ही था कि जेम्स ने उसे फिर संकेत द्वारा रोक दिया। प्रोफेसर का मुंह खुला का खुला रह गया।

जेम्स ने देखा प्रोफेसर के स्वर में हल्का सा भय का पुट था। प्रोफेसर बोला- 'इस समय मेरे कमरे में क्या कर रहे हो?'

'मेरा नाम जेम्स है।' जेम्स बोला- 'मैं ब्रिटिश इन्टेलीजेंस का एजेंट हूँ। मैं सीधा लन्दन से आया हूँ। आप से कुछ बड़ी महत्वपूर्ण बातें करना चाहता हूँ।'

'तो यहाँ बाथरूम में क्यों घुस आये हो? कमरे में चलो। और प्रोफेसर वापिस जाने के लिए घूमा।'

जेम्स ने उसे कन्धे से पकड़ कर रोक लिया।

'बैडरूम में नहीं, सर!' वह बोला- 'वहाँ माइक्रोफोन छुपा हुआ है, जिसकी सहायता से हंगेरियन सीक्रेट पुलिस हमारा वार्तालाप सुन सकती है।'

'माइक्रोफोन!' प्रोफेसर चौंका- 'वहाँ से।'

'रोशनदान की ग्रिल के पीछे।'

'तुम्हें कैसे मालूम है, बरखुरदार?' प्रोफेसर फिर जेम्स की ओर घूमता हुआ बोला।

'आपके आने से पहले मैंने आपके कमरे की तलाशी ली थी।' जेम्स क्षमा याचनापूर्ण स्वर से बोला।

'तुम कब से यहाँ घुसे बैठे हो?'

'मैं आपके आने से केवल दस मिनट पहले आया था।'

'और उतने समय में तुमने माइक्रोफोन ढूँढ भी लिया?'

'जी हाँ, ऐसी चीजें फौरन तलाश कर लेने का मुझे अच्छा अनुभव है।'

'अब चाहते क्या हो तुम?'

'आपको।' जेम्स नम्र स्वर से बोला- 'हम आपको चाहते हैं सर, ब्रिटिश सरकार को आपकी जरूरत है। सरकार ने मेरे माध्यम से आपको इंग्लैंड वापिस लौट आने का सादर निमन्त्रण भेजा है।'

'ब्रिटिश सरकार ने बड़ी कृपा की मुझ पर,' प्रोफेसर व्यापपूर्ण स्वर से बोला। उसके मन में से क्षणिक भय का भाव पूर्णतया लुप्त

हो चुका था- 'मिस्टर जेम्स, ब्रिटिश सरकार को मेरा धन्यवाद देना और कहना कि मेरी ओर से वे लोग जहन्नुम में जायें। शायद वहाँ उन्हें कोई ऐसा आदमी मिल जाये जो उनकी इच्छित मशीनें बनाता फिरे, मुझे तो माफ ही करें आप लोग।'

'देश को आपकी जरूरत है, सर, सख्त जरूरत है।'

'शायद यही आखिरी अपील बाकी है, तुम लोगों के पास।' प्रोफेसर नफरत भरे स्वर से बोला- 'लेकिन मिस्टर जेम्स, अब मुझे झूठी राष्ट्रवादिता और घटिया देश भक्ति के नारों में कोई दिलचस्पी नहीं है।'

'मतलब कि आप स्वदेश लौटना नहीं चाहते।'

'वैरी वेल, सर,' जेम्स सरल स्वर से बोला- 'जैसा आप चाहें, आप जो फैसला करें हमारे लिए वही ठीक है।'

'क्या?' प्रोफेसर हैरान हो उठा- 'तुम मेरी बात स्वीकार करते हो। इतनी आसानी से- और तुमने लन्दन से बुडापेस्ट तक आने की जहमत उठाई है।'

'मैं तो केवल सन्देशवाहक हूँ, प्रोफेसर जेनिंग्स।' सन्देशवाहक! और अगर मैं तुम्हारी इंग्लैंड वापिस लौट चलने की मूर्खतापूर्ण राय स्वीकार कर लेता तो....।

'तो फिर मैं आपको वापिस इंग्लैंड ले जाता।'

'तुम मुझे वापिस इंग्लैंड ले जाते? मिस्टर जेम्स, जानते हो तुम क्या कह रहे हो? तुम मुझे बुडापेस्ट से बाहर ले जाते? हंगरी से बाहर ले जाते? बार्डर क्रॉस कर जाते?'

'यस!' जेम्स विश्वासपूर्ण स्वर से बोला।

प्रोफेसर कई क्षण चुप रहा।

'मिस्टर जेम्स!' एकाएक वह बोला।

'यस सर!'

'तुम सीक्रेट एजेंट ही न?'

'यस सर!'

'और तुम्हारा काम तो केवल अपने अफसरों की आज्ञा का पालन करना है?'

'यस सर।'

'क्या तुम यह बात करसम खाकर सकते हो कि ब्रिटिश सरकार ने तुम्हें यहाँ मुझे वापिस इंग्लैंड आमन्त्रित करने के लिए भेजा है। मेरा दावा है कि तुम्हें आमन्त्रित करने के लिए नहीं, वापिस लाने के

लिए यहाँ भेजा गया है। मेरी इच्छा या अनिच्छा का तो तुम्हारे सामने सवाल ही नहीं है बरखुर्दार।

‘ऐसी बात नहीं है, प्रोफेसर!’ जेम्स नम्र स्वर से बोला। उसे हर हालत में प्रोफेसर का दिल जीतना था, तभी कुछ परिणाम निकलने की आशा थी ‘मैं आपको आमन्त्रित करने ही आया हूँ।’ मान लीजिए, अगर मैं आपको जबरदस्ती यहाँ से इंग्लैंड ले भी गया तो उससे हमें लाभ क्या होगा? हम आपसे जबरदस्ती तो कोई काम करवा नहीं पायेंगे। आप तो हमारे लिए तभी काम करेंगे जब आपकी अपनी इच्छा होगी। इसलिए सर आपका इंग्लैंड वापिस जाना या न जाना शत प्रतिशत आप ही की इच्छा पर निर्भर करता है। हम आपको मजबूर करने की मूर्खता नहीं कर सकते।’

प्रोफेसर फिर चुप हो गया। वह बेहद परेशान दिखाई दे रहा था। लगता था जैसे उसके दिल में कोई भीषण हलचल मची हुई थी।

‘मिस्टर जेम्स!’ प्रोफेसर कांपते स्वर से बोला—‘क्या... क्या मेरी बीवी अभी जिन्दा है?’

‘लन्दन एयरपोर्ट छोड़ने से दो घन्टे पहले मैंने आपकी बीवी को देखा था!’ जेम्स के मुँह से निकला एक-एक शब्द सत्यता की प्रतिमूर्ति मालूम होता था जबकि उसने अपनी जिन्दगी में प्रोफेसर की बीवी की सूरत नहीं देखी थी—‘वे बहादुर औरत हैं और जिन्दगी का डट कर मुकाबला कर रही हैं।’

‘क्या... क्या वह अभी भी बेहद बीमार है?’

‘यह तो डॉक्टर ही बता सकते हैं।’

‘हे भगवान्! मुझे टार्जर करने की कोशिश मत करो, जेम्स! डॉक्टर क्या कहते हैं?’

जेम्स कुछ क्षण चुप रहा और जब वातावरण में उसका इच्छित सरप्रेस स्थापित हो गया तो वह बड़े ड्रामेटिक अन्दाज से यूँ बोला जैसे हकीकत ब्यान करते हुए उसका कलेजा फटा जा रहा हो—‘प्रोफेसर... आपकी मिसेज... एकदम मौत की दहलीज पर खड़ी हैं। किसी भी क्षण उनकी मृत्यु हो सकती है। उनका सर्जन कहता है कि उनके इस हालत में पहुँच जाने का प्रमुख कारण यह है कि वे जीवित रहने की इच्छा एकदम खो चुकी हैं। वे जीवन से एकदम निराश हो गई हैं।’

‘माई गाड, ओह माई गाड!’ प्रोफेसर की नियाहें जेम्स के ऊपर

कहीं शून्य में स्थिर हो गई। उसके नेत्रों में आंसुओं की बूंदें चक्कने लगीं।

‘हे भगवान्!’ प्रोफेसर कम्पित स्वर से बोला-‘यह कैसे हो सकता है? यह कैसे हो सकता है?’

‘यह हो रहा है।’ जेम्स क्रूर स्वर से बोला-‘आप हकीकत को झूठला नहीं सकते हैं। आप अपने आपको धोखा नहीं दे सकते। प्रोफेसर, आप यह महसूस क्यों नहीं करते हैं कि आप साम्यवादियों द्वारा रटाये हुए सह-अस्तित्व के पाठ के नारे लगा-लगाकर अपने देश-वासियों के भविष्य को साम्यवादियों के हाथों बेचे दे रहे हैं। आप अच्छी तरह जानते हैं कि आपकी बीबी के लिए जीवित रहने का कोई सहारा बाकी नहीं है। वे जानती हैं कि साम्यवादियों में फंसे अपने पति और बच्चे की सूरत वे जिन्दगी भर नहीं देख पायेंगी।’

‘यह झूठ है।’ प्रोफेसर चिल्लाया।

‘प्रोफेसर, अपने आपको धोखा मत दो, यह सच है।’ जेम्स बोला-‘मन ही मन प्रोफेसर जैसे नेक आदमी को ऐसा शाक ट्रीटमेंट देना उसे अच्छा नहीं लग रहा था।’ आप साम्यवादियों के प्लेटफार्म पर खड़े सह-अस्तित्व के महान भाषण ही देते रह जायेंगे और आपकी बीबी लन्दन के अस्पताल में तिलतिल कर खत्म हो जायेंगी। प्रोफेसर जेनिंग्स, आपकी बीबी मर रही है और आप उसे मार रहे हैं। उसको लन्दन के अस्पताल में अकेली मरने देना ऐसा ही है जैसे आप उसके सामने खड़े उसका गला घोट रहे हों।’

‘चुप हो जाओ! चुप हो जाओ! भगवान के लिए चुप हो जाओ।’ प्रोफेसर ने अपने दोनों हाथों में अपना सिर थाम लिया और विक्षिप्त स्वर से बोला-‘तुम ठीक कह रहे हो। मेरा भगवान जानता है, तुम ठीक कह रहे हो। बेटे, मेरा जी चाहता है, मैं उड़कर अपनी बीबी के पास पहुंच जाऊं लेकिन... लेकिन यह सम्भव नहीं है।’

‘क्यों?’

‘क्योंकि स्थिति ऐसी है कि मैं साम्यवादियों का साथ नहीं छोड़ सकता। अगर मैं अपनी मरती हुई बीबी के पास पहुंचने का प्रयत्न किया तो ये लोग मेरे इकलौते लड़के की, भगवान जाने क्या हालत कर देंगे। मिस्टर जेम्स, मेरा एक बेटा है...।’

‘प्रोफेसर, हम लोग इन्सान हैं, साम्यवादियों की तरह शैतान नहीं।’ जेम्स महानुभूतिपूर्ण स्वर से बोला-‘हम आपके बेटे वीयन के

बारे में सब कुछ जानते हैं। कल वीयन पोजनान में था। आज शाम को वह स्टेटिटन में होगा और कल सुबह तक वह स्वीडन पहुंच जायेगा। मैं एक रेडियो प्रसार द्वारा आपके बेटे के सुरक्षित स्वीडन पहुंच जाने की सूचना की पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। उसके बाद अगर आप चाहें तो मैं आपको इंगलैंड वापिस ले जा सकता हूँ-केवल चौबीस घन्टे के भीतर।

‘यह असम्भव है।’ प्रोफेसर अविश्वासपूर्ण स्वर से बोला-‘मैं कैसे मान लू कि मेरा बेटा...।’

‘प्रोफेसर! जेम्स बोला-‘मैं सिद्ध कुछ भी नहीं कर सकता, लेकिन आप खुद सोचिये कि क्या मैं ऐसा मूर्खतापूर्ण हरकत करूंगा कि मैं आपके बेटे को यहीं छोड़ जाऊँ और आपको झूठी दिलासा देकर वापिस इंगलैंड ले जाऊँ? ऐसा हालत में इंगलैंड पहुंच कर क्या आप इंगलैंड के लिए कोई काम करेंगे? मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, इंगलैंड सरकार ऐसा कभी नहीं चाहेगी। उन्हें आपकी ऊंची प्रतिभा की रिसर्च वर्क में बहुत जरूरत है।’

जेम्स की झूठी-सच्ची बातों का प्रभाव प्रोफेसर पर फौरन ही दिखाई देने लगा। उसके चेहरे से दुःख, चिन्ता और भय के भाव लुप्त होने लगे और उनका स्थान विश्वास और जीवन की एक नई चमक ने ले लिया।

अगले पांच मिनटों में जेम्स प्रोफेसर को इतना अधिक प्रभावित कर चुका था और उसके मन में अपनी मरती हुई बीबी को अन्तिम बार देख लेने की इच्छा को इतना अधिक उभार चुका था कि प्रोफेसर उसी क्षण जेम्स के साथ चलने के लिए तैयार हो गया।

जेम्स ने उसे समझाया कि फौरन हंगरी से निकल भागना सम्भव नहीं है क्योंकि अभी उसे निकालने की स्कीम बनानी होगी। साधन उपलब्ध करने होंगे। और फिर यह भी जरूरी था कि वीयन के सुरक्षित स्वीडन पहुंच जाने की रेडियो ट्रांसमिशन द्वारा पुष्टि हो जाए।

जेम्स ने प्रोफेसर को सिरोंव के घर का पता बता दिया और कहा कि वह केवल एमरजेन्सी में ही वहाँ जाने की बात सोचे क्योंकि उस घर की पुलिस द्वारा निगरानी हो रही है।

अन्त में उसने प्रोफेसर को समझाया कि अगले कुछ दिनों में आज की घटना के प्रभाव में आकर वह अपने व्यवहार में रंघ-मात्र भी अन्तर न आने दे वरना साम्यवादियों को सन्देह हो जायेगा और

फिर प्रोफेसर पर इतना तगड़ा पहरा लग जायेगा कि उसका निकल भागना असम्भव हो जाएगा।

प्रोफेसर को आखिरी बार दिलासा देकर जेम्स वहाँ से विदा हो गया।

इस बार उसने फायर ऐस्केंप के रास्ते से बाहर जाने का प्रयत्न नहीं किया। उसने प्रोफेसर के बिस्तर से तीन चादरें उठाकर एक-दूसरे के साथ बांधी और उन्हें खिड़की से बाहर लटकाकर उनके सहारे नीचे उतर गया।

प्रोफेसर ने चादरों की रस्सी वापिस खींच ली।

अगले ही क्षण जेम्स ठण्डी बर्फीली रात के अन्धकार में विलीन होगा।

* * *

जेम्स व्हाइट-एंगल कैफे पहुँच गया।

व्हाइट-एंगल कैफे डेन्यूब नदी के पेस्ट की ओर वाले किनारे पर सेन्ट मार्गिट आइलैंड के सामने स्थित था।

जेम्स ने अपने टूँच कोट के कालर ऊपर चढ़ाये, हँड के अगले सिरे को जरा और नीचे झुकाया और कैफे के बर्फ से धुन्धले पड़े शीशे के द्वार को धकेलकर भीतर घुस गया।

कहीं दूर बजने वाले घड़ियाल की आवाज में आठ बजने की घोषणा की।

कैफे के द्वार के भीतर और बाहर के जीवन में जमीन और आसमान का अन्तर था। कैफे के बाहर एक कदम रखते ही इन्सान बुडापेस्ट की बर्फ से ढकी सुनसान गलियों की ठण्डक, सन्नाटे और तन्हाई में पहुँच जाता था जबकि कैफे के भीतर जिन्दगी थी, ऊष्णता थी, जोश था, खनकते हुए ठहाके थे और या एक गहरी लापरवाही का वातावरण। ऐसा लगता था जैसे भीतर के लोग बाहर की साम्यवादियों के चंगुल में फँसी जिन्दगी को भूल जाना चाहते थे, झुठला देना चाहते थे।

जेम्स हैरानी से रित्रियों और पुरुषों से ठसाठस भरे कैफे में दृष्टि फिराता रहा। उसे यूँ लगा जैसे वह लम्बा रेगिस्तान पार करने के बाद एकदम किसी लहराती झील के किनारे पहुँच गया हो।

लेकिन फौरन ही जेम्स के दिमाग से हैरानी का भाव उड़ गया।

शायद इस प्रकार के स्थानों को बढ़ावा देना भी साम्यवादियों की धारणा थी। बजाय इसके कि साम्यवादी पुलिस स्टल के नीचे जीने वाले लोग किन्हीं ऐसे तन्हा स्थानों पर इकट्ठे हों जहां पुलिस की पहुंच न हो, उन लोगों को कैफे जैसे स्थानों पर इकट्ठे होने का इन्तजाम कर देना ज्यादा अच्छा था। वहाँ उनके मन में एक गलत प्रकार की सुरक्षा की भावना पनपती रहे और कैफे के विश्वसनीय वेटरों की सहायता से सीक्रेट पुलिस को यह मालूम होता रहे कि कौन-सा व्यक्ति कितना खतरनाक है और किस प्रकार के विचार रखता है। कई बार ऐसा होता है कि किसी व्यक्ति विशेष को सीक्रेट पुलिस के आदमी एकाएक ही उसे घर से पकड़कर ऐन्ड्रेसी उट के टार्चर चैम्बर में ले जाते हैं और वह आदमी डरगिज नहीं समझ पाता कि आखिर पुलिस को उसके बारे में जानकारी कैसे हुई जबकि वह कई दिन पहले कैफे के किसी कोने की प्रत्यक्षतः विश्वसनीय तन्हाई को एकदम भूल चुका होता है, जहाँ उसने शराब के दो तीन पैग पी चुकने के बाद कम्यूनिस्ट स्टल के बारे में कुछ अप्रिय बातें कही थीं और जो किसी इनाम के लालची वेटर के माध्यम से सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर में पहुंच गई थी।

जेम्स ने एक सिगरेट सुलगाया और हाल में प्रवेश कर गया। मुख्य द्वार के समीप की दो-तीन मेजें रूसी फौजियों से भरी हुई थीं। फौजी दीन दुनिया से बेखबर अट्टहास कर रहे थे और अपने शराब के गिलासों को मेज पर बजा बजाकर उस ताल पर उच्च स्वर में गा रहे थे। शायद इसीलिए मुलाकात के लिए जूलिया ने वह कैफे चुना था। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस रूसी फौजियों के मनोरंजन घर में किसी विदेशी जासूस की मौजूदगी के बारे में तो सोचेगी भी नहीं।

जेम्स लापरवाही से चलता हुआ कैफे के पिछले भाग में पहुंचा।

वहाँ एक मेज पर जूलिया अकेली बैठी थी। वह वैसे ही कपड़े पहने हुए थी जैसे मैनेजर ने बयान किये थे।

उसके आस-पास की हर मेज पर दो-दो तीन-तीन आदमी बैठे हुए थे।

जेम्स की एक क्षण के लिए जूलिया से दृष्टि मिली और फिर जूलिया ने दृष्टि फिरा ली।

जेम्स जूलिया की मेज के समीप पहुंचा और एक दो क्षण वहाँ खड़ा-खड़ा हिचकिचाने का अभिनय करता रहा और फिर जूलिया

की ओर आकृष्ट होकर जेम्स नम्र स्वर से बोला- 'अगर आप इजाजत दें तो मैं इसी मेज पर बैठ जाऊँ?'

जूलिया ने बड़े निलिप्त भाव से उसकी ओर देखा और स्वीकृति-सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

जेम्स धन्यवाद के कुछ शब्द बुदबुदाता हुआ जूलिया के सामने बैठ गया।

जूलिया ने उससे बात करना तो दूर, उसकी ओर दुबारा दृष्टिपात करने का भी उपक्रम नहीं किया।

'गड़बड़ है!' जेम्स होठों ही होठों में बुदबुदाया।

'मेरा पीछा किया जा रहा है।' जूलिया भावहीन स्वर से बोली- 'उसका चेहरा सलेट की तरह साफ था। जेम्स को उसके होठ भी हिलते हुए दिखाई नहीं दिए।'

'वह यहाँ है?'

उसका चेहरा स्वीकृति-सूचक ढंग से एक मिलीमीटर से अधिक नहीं हिला।

'कहाँ?'

'द्वार के समीप, रूसी फौजियों की बगल की मेज पर।'

जेम्स ने घूमकर देखने का उपक्रम नहीं किया।

'कैसा है?' उसने पूछा।

'मंडोला कद, पतला चेहरा, बारीकी से तराशी हुई मूँछें और भूरा रेन कोट।'

'हमें उससे फौरन पीछा छुड़ाना चाहिए। बाहर चलो। पहले तुम, मैं तुम्हारे पीछे आऊंगा।' जेम्स ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर जूलिया की बांह थाम ली और उसे दबाता हुआ उसकी ओर झुककर बोला- 'मान लो मैं तुम पर बुरी नजर रखता हूँ और अभी मैंने तुम्हारे सामने एक बड़ा गन्दा प्रस्ताव रखा है। ऐसी स्थिति में तुम्हारी क्या प्रतिक्रिया होगी?'

'यह!' जूलिया बोली और उस शब्द के साथ ही उसका स्वतन्त्र हाथ हवा में घूमा और एक झटकेदार थप्पड़ की सूरत में भड़ाक से जेम्स के गाल से टकराया। थप्पड़ की आवाज यूँ हाल में गूँजी जैसे बम फट गया हो। एक क्षण के लिए हाल में एकदम सन्नाट छा गया और हाल में मौजूद हर प्राणी की गरदन केन की तरह जूलिया और जेम्स की दिशा में घूम गई।

जूलिया एक आग्नेय दृष्टि जेम्स पर डालकर एक झटके से

अपने स्थान से उठी और फिर तमतमाती हुई लम्बे डग भरती बिना अपने दायें या बायें देखे मुख्य द्वार की ओर बढ़ गई।

अगले ही क्षण हाल में बैठे हर आदमी की समझ में आ गया कि वास्तव में क्या हुआ है और फिर सारा हाल अट्टहासों से गुंज उठा।

हर कोई जेम्स पर हंस रहा था।

जेम्स जानता था कि हर निगाह उस पर टिकी हुई है और उसका मजाक उड़ा रही है। वह अपने घेहरे पर गहन अपमान, पराजय और पराजय से उत्पन्न होने वाले क्रोध के भावों का सफल प्रदर्शन करता हुआ अपने बायें हाथ से अपना गाल सहलाने लगा जहाँ जूलिया की पांचों उंगलियों के निशान उछल आये थे।

फिर वह भी क्रोध से भरा हुआ अपने स्थान से उठा और यूँ मुख्य द्वार की ओर बढ़ा जैसे उसने सबके सामने उसका अपमान करने वाली लड़की से बदला लेने की ठान ली हो। उसे द्वार की ओर आता देखकर एक मोटा-सा रूसी फौजी अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। जेम्स के समीप पहुंचने पर फौजी ने जेम्स की पीठ पर एक इतनी जोर की थप्पड़ लगाई कि जेम्स लड़खड़ाता हुआ काउन्टर से जा टकराया और फिर वह फौजी बड़े अश्लील भाव से जेम्स से कुछ बोला और फिर हो हो करके हंस्तता हुआ यूँ धम्म से अपनी कुर्सी पर बैठ गया जैसे उसने भारी मजाक की बात कर दी हो।

फौजी के साथी भी उसी की तरह ठठाकर हंसने लगे।

लक्ष्य पूर्ववत् जेम्स ही था।

जेम्स सम्हला। उसने एक कहर भरी दृष्टि उन सिपाहियों पर डाली और इससे पहले कि सभी फौजी उसके साथ कोई दूसरा गन्दा मजाक कर पाते, वह लम्बे डग भरता हुआ कैफे से बाहर निकल गया।

जूलिया का पीछा करने वाला भूरे रेन कोट वाला आदमी जेम्स से पहले ही कैफे से बाहर जा चुका था।

बाहर बर्फ पहले से बहुत कम गिर रही थी।

जूलिया तेजी से चलती हुई एक ओर जा रही थी। भूरे रेन कोट वाला उसके पीछे-पीछे चल रहा था।

जेम्स भी उनके पीछे हो लिया।

जूलिया कई रास्तों से होती हुई एक बाजार में पहुंच गई।

बाजार की सारी दुकानें बन्द थीं। वह फुटपाथ के किनारे पर बने ट्राम स्टैंड के सायबान में रुक गई।

भूरे कोट वाला चुपचाप सायबान के पीछे बनी एक राहदारी की ओर चल दिया लेकिन जेम्स सीधा चलता हुआ ट्राम स्टैंड के सायबान में आ गया।

‘वह सायबान के पीछे की राहदारी में है।’ जेम्स दबे स्वर से बोला।

‘सावधान रहना!’ जूलिया बोली-‘मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि वह सीक्रेट पुलिस का आदमी है।’

‘उसे मैं भुगत लूंगा।’

‘कैसे भुगतोगे?’

‘बताता हूँ, पहले तुम बात बताओ।’

‘क्या?’

‘अगर मैं यहाँ तुम्हारे साथ बलात्कार करने का प्रयत्न करूँ तो तुम क्या करोगी?’

‘मैं तुम्हारा मुँह नोंच लूंगी, तुम्हें जान से मार डालूंगी।’ जूलिया सहज स्वर से बोली।

‘तो फिर शुरू हो जाओ।’

‘क्या?’ जूलिया चौंक पड़ी लेकिन फिर शीघ्र ही बात उसकी समझ में आ गई। उसने रस्ते की सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

‘और चिल्लाना नहीं।’ जेम्स बोला-‘नहीं तो भूरे रेन कोट वाले के अतिरिक्त और लोग भी यहाँ इकट्ठे हो जायेंगे।’

‘अच्छा!’

जेम्स ने अपने दोनों हाथों से उसकी बाहें जकड़ ली और उसे अपनी ओर घसीटा। पहले तो जूलिया खिचती ही चली आई लेकिन फौरन ही उसे याद आया कि उसने तो स्त्रीत्व-रक्षा का अभिनय करना है। वह पूरी शक्ति से जेम्स के बन्धन से छूटने का प्रयत्न करने लगी।

पीछे राहदारी में खड़ा भूरे कोट वाला जेम्स की चाल में फंस गया। उसने जेम्स और जूलिया को एक-दूसरे से उलझते हुए लड़खड़ाते हुए सायबान से बाहर निकलते देखा, लड़की बुरी तरह आदमी के बन्धन में छटपटा रही थी लेकिन छूट नहीं पा रही थी।

वह बिना हिचके राहदारी से निकल कर उन दोनों की ओर लपका। उसने अपनी भारी पुलिस रिवाल्वर को नाल की ओर से

पकड़ कर प्रहार करने की स्थिति में सिर से ऊपर थाम रखा था।

समीप आकर उसने अपना रिवाल्वर वाला हाथ जेम्स की खोपड़ी की ओर घुमाया।

लेकिन जेम्स तो उसके लिए तैयार था। उसने जूलिया को छोड़ दिया। उसकी बाई कोहनी भड़ाक से भूरे रेन कोट वाले के पेट से टकराई और साथ ही दायां हाथ कैरेट चाप की सूरत में उसकी गदरन के सबसे कोमल भाग से बज्र की तरह टकराया।

भूरे रेन कोट वाला बिना मुंह से एक आवाज निकाले भूसे के बोरे की तरह जमीन पर गिर गया।

जेम्स ने उसकी रिवाल्वर उठाकर अपनी जेब में डाल ली और फिर उसे ट्राम स्टेण्ड और दुकानों के बीच में से गुजरते हुए एक नाले में धकेल दिया।

उसने जूलिया की बांह थामी और दोनों बाजार के दूसरे सिरे की ओर चल दिये।

* * *

सड़क के किनारे पर बने वाचमैन बाक्स के अन्धेरे में पहुंचे उन्हें पांच मिनट हो चुके थे लेकिन जूलिया अभी भी कांप रही थी।

जेम्स ने एक बार उसके कन्धे पर हाथ रखकर उसे शान्त करने का प्रयत्न किया था लेकिन जूलिया ने उसका हाथ फौरन झटक दिया था।

‘तुम अभी तक इतना कांप क्यों रही हो?’ जेम्स ने पूछा-‘तुम्हें डर लग रहा है या ठंड लग रही है?’

‘दोनों।’

‘अब किसका डर है तुम्हें?’

‘तुम्हारा।’

‘मेरा?’ जेम्स हैरानी से बोला।

‘हाँ, तुम मुझे इन्सान नहीं मालूम होते। मुझे निर्दयी और अमानवीय प्रवृत्तियों वाले व्यक्तियों से बहुत डर लगता है। क्या तुम्हें दूसरे व्यक्तियों पर दया नहीं आती?’

‘आती है!’ जेम्स भावहीन स्वर से बोला-‘लेकिन मुझे किसी ऐसे व्यक्ति पर दया दिखाने का अधिकार नहीं है। जिस मशीन का मैं पुर्जा हूँ, वहाँ केवल एक ही अहम बात सिखाई जाती है और वह है काम, काम होना चाहिए। किसी न किसी प्रकार आपरेशन में

सफलता प्राप्त होनी चाहिए। सफलता की ओर बढ़ते समय अगर कोई निर्दोष आदमी मर जाता है या खुद मेरे हाथों किसी मेरे अपने ही प्रियजन का अहित हो जाता है तो मुझे उसकी चिन्ता नहीं करनी चाहिए।

‘और शायद इसीलिए तुम एक आदमी को होटल के बाथरूम के क्लोजेट में हाथ-मुँह बाँध कर दम घुटने के लिए छोड़ आये। सम्भव है अभी तक उसका दम घुट भी गया हो और अब एक दूसरे आदमी को सब-जीरो टेम्प्रेचर में मरने के लिए नाले में फेंक आये हो। इस ठंडक में वह बीस मिनट से अधिक जीवित नहीं रह सकेगा और तुम...।’

‘मैं चाहता तो दोनों आदमियों को गोली भी मार-सकता था?’ जेम्स बोला।

‘नतीजा तो अब भी वही निकलना है।’

‘लेकिन फिर भी उसके बच जाने की सम्भावना है। और फिर तुम यह क्यों नहीं सोचती कि भूरे कोट वाला भी मुझे इसी स्थिति में पहुंचाने के लिए मुझे पर झपटा था। अगर मेरी जगह वह सफल हो जाता तो जहाँ इस समय वह पड़ा है, वहाँ मैं पड़ा होता। तुम्हारे शब्दों में क्या वह मुझे सब-जीरो-टेम्प्रेचर में जमने के लिए नहीं छोड़ जाता?’

‘और तुम उस बेचारे, बूढ़े, अपने ही देशवासी प्रोफेसर पर भी जुल्म करने से बाज नहीं आये।’ जूलिया उसकी बात अनगुनी करती हुई बोली-‘तुम उसे विश्वास दिला आये कि उसकी बीवी मर रही है ताकि वह तुम्हारे साथ वापिस चलने को फौरन तैयार हो जाये।’

‘मेरे मिशन की सफलता के लिए वह जरूरी था!’ जेम्स भावहीन स्वर से बोला।

‘और जब प्रोफेसर को यह पता लगेगा कि तुमने अपने स्वार्थ की खातिर झूठ बोला था तो...।’

‘तो कुछ भी नहीं होगा। मेरा काम, काम करना है। कृत्यों की सफाई देना नहीं। वह काम मेरे अफसरों का है। और फिर यह बहुत छोटी बातें हैं। प्रोफेसर समझदार है, हमारी मजबूरियाँ समझ सकता है।’

‘तुम एक संवेदनशील दिल रखने वाले इन्सान नहीं हो, एक मशीन हो एक...।’

'घुप!' जेम्स एकदम बोला।

'क्या.....?'

जूलिया के मुख से एक ही शब्द निकला था कि जेम्स ने उसके मुंह पर हाथ रख दिया। जूलिया पहले तो स्वयं को जेम्स की पकड़ से छुड़ाने का प्रयत्न करने लगी और फिर फौरन ही शान्त हो गई। उसने भी सख्त बर्फ पर पड़ने वाले कदमों की आवाज सुन ली थी।

दोनों एकदम नीचे बैठ गए और सांस रोके कदमों की आहट सुनते रहे।

थोड़ी देर बाद तीन सिपाही लापरवाही से चलते हुए उनके सामने से गुजर गए।

जब तक उनके कदमों की आहट दूर होती हुई एकदम गायब नहीं हो गई, दोनों के शरीरों में जरा-सी भी हरकत नहीं हुई।

'जूलिया!' जेम्स बोला-'तुम तो कहती थीं कि मार्गिट आइलैंड का यह भाग हमेशा उजाड़ रहता है और सर्दियों के मौसम में इधर कोई भी नहीं आता।'

'हमेशा ऐसा ही होता था।' जूलिया ने बताया-'पुलिस के आदमी राउन्ड लगाते हैं, यह तो मुझे मालूम था लेकिन वे लोग इधर भी आते हैं, यह मैं नहीं जानती थी। लेकिन एक बार इधर से गुजर जाने के बाद वे लोग एक घन्टे तक वापिस नहीं लौटेंगे। यह इलाका काफी बड़ा है। राउन्ड लगाने में काफी समय लगता है।'

यह जूलिया की ही राय थी कि एकान्त में बात-चीत करने के लिए वे मार्गिट आइलैंड पर चले। व्हाइट एन्जल में जाना ठीक नहीं था और उस इलाके में और कोई कैफे नहीं था। उसने बताया था कि मार्गिट आइलैंड के कुछ भागों में प्रवेश निषेध था और रात को वहाँ पर कर्फ्यू आर्डर भी लागू होता था। लेकिन क्योंकि उस इलाके में कंट्रोल करने वाले सिपाही सिविल पुलिस के थे न कि सीक्रेट पुलिस के इसलिए कोई कर्फ्यू को गम्भीरता से नहीं लेता था। हंगरी में सीक्रेट पुलिस और साधारण पुलिस में जनता और पत्नीर जैसा अन्तर महसूस करती थी।

इसलिए और कोई स्थान न होने के कारण जेम्स ने मार्गिट आइलैंड में आना स्वीकार कर लिया था और अब वे दोनों सड़क के किनारे बनी वाचमैन हट में छुपे बैठे थे।

वहाँ जूलिया ने उसे उसकी अनुपस्थिति में सिरोंव के घर में होने वाली घटनाओं के विषय में बताया था। दो आदमी, जो सिरोंव

के घर में निगरानी कर रहे थे, एक गलती कर बैठे थे। और वही शायद उसकी जिन्दगी की आखिरी गलती थी। वे दोनों आदमी जरा ज्यादा हौसला दिखाने के मूड में आ गए थे और गैरेज के सामने के फुटपाथ पर चलने के स्थान पर गैरेज वाली साइड के ही फुटपाथ पर चलने लगे थे। और ऐसी ही एक बार गैरेज का द्वार खुला देखकर वे गैरेज के भीतर झांकने का लोभ संवरण नहीं कर सके। सैण्डर द्वार के पीछे छुपा उनके ऐसे ही किसी एक्शन की प्रतीक्षा कर रहा था। सैण्डर ने दोनों आदमियों की खोपड़ियाँ पकड़ कर जरूरत से ज्यादा जोर से एक दूसरे से टकरा दी थीं। अब वे वहीं एक कमरे में कैद थे और अभी तक यह मालूम नहीं हो पाया था कि वे इनाम के लालच में रहस्य सूँघते फिरने वाले साधारण लोग हैं या हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के आदमी हैं।

जूलिया ने बताया कि अब जेम्स के लिए सिरोंव के घर में आने में कोई खतरा नहीं था। सिरोंव ने कहा था कि वह प्रोफेसर को हंगरी से निकालने की स्कीम डिस्कस करने के लिए आ जाए लेकिन किसी भी हाल में आधी रात से पहले नहीं।

‘एक बात बताओ?’ जेम्स ने पूछा।

‘पूछो।’

‘इमर तुम्हारा भाई है?’

जूलिया कई क्षण चुप रही और फिर बोली—‘तुम्हारा क्या ख्याल है?’

‘मेरे ख्याल से तो तुम दोनों भाई बहन ही हो, तुम दोनों की सूरतें एकदम मिलती हैं। सूरतों में ऐसी समानता केवल भाई बहनों में ही हो सकती है।’

‘इमर मेरा भाई है,’ जूलिया बोली।

‘और तुम कौन हो?’

‘यह क्या सवाल हुआ?’

‘मेरा मतलब है तुम दोनों भाई बहन सिरोंव के साथ क्यों रहते हो?’

‘क्योंकि हमारा अपना कोई घर नहीं है। सिरोंव पार्टी का लीडर है और हम दोनों भाई बहन सिरोंव के संरक्षण में राज्य को सुरक्षित महसूस करते हैं।’

‘तुम्हारे माँ बाप...।’

‘माँ नहीं है और बाप...।’

उसी क्षण जेम्स की दृष्टि फिर सड़क की ओर उठ गई। उसने अपनी बांह जूलिया की गरदन के गिर्द लपेट कर उसे अपने समीप खींच लिया और एकदम उसके कान के पास अपना मुंह ले जाकर फुसफुसाया- 'वे लोग फिर आ रहे हैं।'

जूलिया का शरीर एकदम स्थिर हो गया।

वही तीनों सिपाही लौट रहे थे और इसबार उनका सीधे सड़क पर से गुजर जाने का कोई इरादा मालूम नहीं होता था। वे तीनों बातें करते हुए उसी ओर आ रहे थे, जहां वे दोनों छुपे हुए थे। केवल एक क्षण के लिए जेम्स सतर्क हो गया था और उसका परिणाम यह निकला था कि उसे उन सिपाहियों के उस ओर आगमन का आभास तभी हुआ था जब एकदम उसके सिर पर पहुंच गए थे।

जूलिया का ख्याल फिर गलत निकला था। एक घन्टे बाद लौटने के स्थान पर वे लगभग फौरन ही वापिस लौट आये थे और इस बार उनसे बच पाना असम्भव था। सिपाहियों के हट की ओर बढ़ने से मालूम होता था कि उन्हें हट में किसी की मौजूद का आभास हो गया था।

जेम्स तनिक भी नहीं हिचकिचाया, न ही उसने एक क्षण का अंश मात्र भी बरबाद किया। उसने अपना दूसरा हाथ जूलिया की कमर से लपेट दिया और उसे एकदम पीछे को झुका कर उसके होंठों का चुम्बन लेने लगा। पहले तो जूलिया ने उसे एकदम पीछे धकेल कर अपना मुंह फिराने का प्रयत्न किया। फिर एकदम उसने अपना शरीर ढीला छोड़ दिया।

वह समझ गई कि जेम्स क्या चाहता है?

जूलिया की भुजायें भी उठीं और जेम्स की गरदन से लिपट गई।

दस सैकंड इर्सी स्थिति में गुजर गये।

जेम्स ने या जूलिया ने सिर उठाकर देखने का प्रयत्न नहीं किया लेकिन दोनों ही जानते थे कि तीनों सिपाही एकदम उसके सिर पर आ खड़े हुए थे लेकिन अभी तक उन्होंने अपनी मौजूदगी को जेम्स और जूलिया की जानकारी में लाने की जरूरत नहीं समझी थी।

इतना ही समय और गुजर गया।

जेम्स और जूलिया के शरीर एक दूसरे के बन्धन में जकड़े हुए थे और उनके नेत्र बन्द थे। ऐसी आपत्ति की स्थिति में भी जेम्स

एक स्वर्गिक आनन्द की अनुभूति कर रहा था।

एक तेज़ टार्च का प्रकाश उन दोनों पर पड़ा और फिर एक मोटी आवाज सुना दी- 'बाई गाड, स्टेफन, दुनिया कुछ भी कहे, मुझे तो नई पौध की हरकतों में कुछ बुरा नहीं दिखाई देता। बाबा, कितने हौसलामन्द लोग हैं यह। टैम्प्रेचर जीरो से भी बीस डिग्री नीचे है और यह लोग बर्फ के ढेर में एक दूसरे से लिपटे हुए यूँ पड़े हैं जैसे वे गर्मियों के मौसम में बालाटस के समुद्री किनारे पर गर्म रेत में पड़े हों।'

जेम्स ने लड़खड़ाते हुए उठ कर अपने कदमों पर खड़े होने का प्रयत्न किया लेकिन टार्च के प्रकाश के पीछे से एक भद्दे हाथ ने आगे आकर उसे फिर अपनी पहले जैसी स्थिति में धकेल दिया।

'क्या कर रहे हो तुम लोग यहाँ?' मोटी आवाज वाला फिर बोला- 'क्या तुम्हें मालूम नहीं, रात के समय इस इलाके में आना मना है?'

'मुझे मालूम है!' जेम्स ने दबे स्वर से स्वीकार किया। उसके स्वर में भय और उलझन का शानदार सम्मिश्रण था- 'मैं माफी चाहता हूँ, यहाँ के अलावा और कोई सुरक्षित जगह नहीं सूझी थी हमें।'

'नानसैस!' वही आवाज फिर बोली- 'बरखुर्दार जब, मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैं अपनी छोकरी को व्हाइट-एन्जल के पर्देदार केबिन में ले जाया करता था। व्हाइट-एन्जल कैफे तो यहाँ से दूर भी नहीं है।'

जेम्स ने शान्ति की सांस ली थी, इस आदमी से डरना बेकार था। वह बोला- 'हम व्हाइट-एन्जल में गए थे...।'

'अपने कागजात दिखाओ,' एक ठण्डी कठोर और कमीनी आवाज जेम्स के कानों में पड़ी- 'हैं तुम्हारे पास?'

'जी हाँ, है!' जेम्स बोला- 'दूसरी आवाज उसको फिर खतरे का आभास दे रही थी उसका हाथ कोट की भीतरी जेब की ओर बढ़ा। उस जेब में उसके कागजात नहीं, साइलेंसर लगी रिवाल्वर रखी थी।'

तभी मोटी आवाज वाला पुलिस मैने बोल पड़ा- 'बचपना मत करो, स्टेफन। जासूसी उपन्यास पढ़-पढ़ कर लगता है, तुम्हारा दिमाग खराब होता जा रहा है। तुम्हारा क्या ख्याल है कि यह छोकरी कोई वेस्टर्न स्पाई है जो यह जानने की कोशिश कर रहा है

कि बुडापेरस्ट की छोकरियां ऐसे मामलों में विदेशियों को कितना सहयोग देती हैं।' वह हो करके इतनी जोर से हंसा कि उसका सारा शरीर हिल गया। अपनी हास्यप्रद बात से आप ही खुश होकर उसने अपना दायां हाथ जोर से अपनी जांघ पर मारा और फिर बोला- 'और फिर इसका तो हंगेरियन बोलने का ढंग ही यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है कि यह सौ फीसदी बुडापेस्ट का निवासी है... तुमने कहा था तुम व्हाइट-एन्जल भी गए थे।' वह एकाएक गम्भीर स्वर से बोला- 'तुम दोनों बाहर निकलो यहाँ से।'

'दोनों उठ खड़े हुए और वाचमान हट से बाहर आ गए।'

टार्च का तीव्र प्रकाश जेम्स के चेहरे पर पड़ा। उसकी आँखें चौधियां गईं और फिर प्रकाश न सह सकने के कारण स्वयं ही बन्द हो गई।

'यह तो वही आदमी है।' पुलिसमैन बोला- 'इसी की बात तो किसी ने सुनाई थी हमें। व्हाइट-एन्जल में इसी ने तो एक छोकरी से झन्नाटेदार थप्पड़ खाया था। अभी तक इसके गाल पर छोकरी की पांचों उंगलियों के निशान चमक रहे हैं। एक बार व्हाइट-एन्जल में सबके सामने बेइज्जती करवा आने के बाद यह वहाँ वापिस थोड़ा ही जाएगा। यह भी कमाल है कि उस थप्पड़ से इसका जबाड़ा नहीं हिल गया।'

फिर टार्च का प्रकाश जेम्स के चेहरे से हट कर जूलिया के चेहरे पर पड़ा।

'छोकरी भी तो एकदम हाई क्लास है।' पुलिसमैन बोला- 'हाथ पांव तो इसके बाक्सरों जैसे खुले हैं। दो चार बच्चे पैदा कर चुकने के बाद तो यह डबल रोटी की तरह फूल जाएगी-मेरी बीवी की तरह।'

एक बार पुलिसमैन की मुक्त हंसी से वातावरण गूँज उठा।

जी भर हंस चुकने के बाद वह बोला- 'चलो, फूटो यहाँ से। अगली बार जब इश्क सताये तो यहाँ मत आना वरना एन्ड्रेसी उट में पहुँचा दिये जाओगे।'

दोनों ने सिपाहियों को धन्यवाद दिया और फिर वहाँ से यूँ भागे जैसे भूत देख लिया हो।

मोटी आवाज वाला पुलिसमैन उन्हें जाता देखता रहा। उसके चेहरे पर बड़े मीठे भाव उभर रहे थे। शायद उसे अपना बचपन याद आ रहा था।

पांच मिनट बाद जेम्स और जूलिया डेन्यूड नदी के पुल पर खड़े थे। बर्फ गिरने लगी थी। जेम्स ने अपनी रेडियम डायल वाली घड़ी पर दृष्टि डाली और बोला- 'नौ बजे हैं।'

जूलिया चुप रही।

'मैं बारह बजे आऊंगा।'

'ठीक है। बीच के तीन घंटों में मुझे सिरोंव और मेजर को तुम्हारी हरकतों की पूरी डिटेल्स सुनाने का अच्छा मौका मिल जायेगा।'

'कैसी हरकतें?'

जैसे कैसे मेरे एक ही तमाचे से महान जासूस जेम्स 077 का जबड़ा टूटते-टूटते रह गया और बर्फीली जमीन पर अपने बन्धन में दबोचे, बिना दुबारा सांस लिए पूरे एक मिनट तक किस करता रहा।

'तीन सेकेंड?' जेम्स ने विरोध किया।

'कम से कम डेढ़ मिनट।'

'तुम यह बातें बताओगी उन्हें?'

'क्यों नहीं बताऊंगी? आखिर उन्हें पता तो लगे कि जिस आदमी की मदद करने के लिए वे अपनी जान खतरे में डाल रहे हैं उसका नैतिक चरित्र कैसा है?'

'लेकिन वह तो मजबूरी थी।'

'मजबूरी थी। लेकिन उस मजबूरी में भी तुम मुझे असली किस कर रहे थे, कोई एक्टिंग नहीं कर रहे थे।'

'तुमने भी तो मुझे असली थप्पड़ मारा था।'

'वह बात और थी।'

'यह बात भी तो वैसी ही थी।'

'नहीं,' जूलिया ने जिद की- 'इस बार तुम्हारी नीयत खराब थी।'

'आल राइट, मैं तुम्हारी दया पर हूँ, जो जी में आये कह देना।'

जेम्स मुस्कुराता हुआ बोला- 'लेकिन साथ ही उन्हें यह भी बताना मत भूलना कि दो-चार बच्चे पैदा कर चुकने के बाद तुम कैसी लगोगी?'

'नहीं, भूलूंगी!' जूलिया गम्भीर स्वर से बोली लेकिन जेम्स ने देखा, उसके नेत्र शरीरत से चमक रहे थे- 'जो कुछ हम लोग कर चुके हैं, उसके मुकाबले में तो यह 'हल्लो' की भी हैसियत नहीं रखता है।' वह अपने होठों को जेम्स के दावें गाल के सम्पर्क में

लाती हुई बोली।

अगले ही क्षण वह तेज कदमों से चलती हुई अन्धकार में विलीन हो गई।

पूरे एक मिनट तक जेम्स वहीं खड़ा रहा उसकी उंगलियां धीरे-धीरे अपने उस गाल को सहला रही थीं जहाँ पहले जूलिया का थप्पड़ पड़ा था और फिर उसके गर्म-गर्म होंठ छुए थे। फिर उसने एक गहरी सांस ली और अपने दोनों हाथों को अपने ट्रैचकोट की पूरी गहराई में ठूँसे सिर झुकाये अपने होटल की दिशा में चल दिया।

* * *

पौने दस बजे चुपचाप फायर ऐस्केप के ही रास्ते वापिस अपने कमरे में पहुंच गया। उस समय उसके पेट में चूहे कूद रहे थे। उसने सैन्ट्रल की हीटिंग का स्विच आन किया और फिर अनुभवी नेत्रों से कमरे को एक-एक चीज को परखने लगा।

पूरा विश्वास हो चुकने के बाद कि उसकी अनुपस्थिति में कमरे में कोई नहीं आया था, उसने मैनेजर को फोन करके खाना लाने के लिए कहा।

मैनेजर ने बड़े चिकने चुपड़े स्वर से कहा कि वह अभी बावर्ची को जगा कर लाता हूँ। मिटर राकोसी जैसे सम्मानित अतिथि के लिए रात के किसी समय खाना तैयार करने में उसे गौरव का अनुभव होगा।

उत्तर में जेम्स ने उसे डांट कर कहा कि यह अलंकारिक बातें अगली सुबह करे लेकिन खाना फौरन लाए।

ग्यारह बजे सोप्रोनी की एक पूरी दोतल और शानदार डिनर समाप्त कर चुकने के बाद वह सिरोव के मकान पर पहुंचने के लिए तैयार था।

उसने कमरे को फिर पहले की तरह बन्द किया और बाथरूम के रास्ते फिर फायर ऐस्केप की सीढ़ियों पर पहुंच गया।

सीढ़ियां उतरते समय उसे टेलीफोन की घन्टी बजने की आवाज सुनाई दी। वह एक क्षण के लिए ठिठका और फिर सीढ़ियां उतरने लगा। क्या पता किस कमरे में टेलीफोन की घन्टी बज रही थी?

सिरोव के घर पहुंचने के लिए अभी बड़ा समय था लेकिन रास्ता भी कम लम्बा नहीं था और फिर शायद उसे पुलिस से बचने

के लिए मुख्य रास्ते को छोड़कर किसी लम्बे और टेढ़े-मेढ़े रास्ते से जाना पड़े।

बारह बजने के तीन चार मिनट बाद वह उस गली में पहुंच गया जिसमें सिरोंवा का मकान था। काफी तेजी से चलते-रहने के बादजूद भी उसे अपनी धमनियों में रक्त जमता हुआ महसूस हो रहा था। लेकिन वह सन्तुष्ट था कि जब से वह होटल से निकला था तब से अब तक न तो किसी ने उसका पीछा किया था और न ही किसी ने उसे देखा था।

गली सुनसान पड़ी थी गैरेज का दरवाजा खुला था। गैरेज की बत्ती बुझी हुई थी।

जेम्स गली में से सीधा गैरेज के अन्धकार में प्रवेश कर गया और मजबूत कदमों से गैरेज के पिछवाड़े की ओर बढ़ा जहाँ भीला गलियारे की ओर ले जाने वाला द्वार था।

अभी वह मुश्किल से चार ही कदम आगे बढ़ा था कि एकाएक गैरेज प्रकाश से जगमगा उठा और गैरेज का शटर उसकी पीठ के पीछे बन्द हो गया।

जेम्स के पांव एकदम जैसे फर्श से जम गये। अपने दोनों हाथों को अपने कपड़ों से अलग रखते हुए उसने अपने नेत्र गैरेज के चारों ओर घुमाए।

गैरेज के चारों कोनों में हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के चार आदमी खड़े थे। सबकी बगलों के नीचे एक्शन की पोजीशन में सब मीशनगन दबी हुई थी और वे एकदम चौकन्ने थे।

जेम्स की नजर उन लोगों से उचटती हुई गलियारे के द्वार के समीप खड़े एक दुबले पतले लेकिन बड़े प्रभावशाली आदमी पर पड़ी। उसके हाथ में रिवाल्वर थी और उसकी नाल जेम्स के पेट की ओर तनी हुई थी।

एक मिनट तक स्थिति का आनन्द ले चुकने के बाद उस आदमी ने रिवाल्वर वापिस होल्स्टर में रख ली। वह जेम्स की दिशा में दो कदम आगे बढ़ा और फिर व्यांगपूर्ण ढंग से मुस्कराता हुआ सिर नुवा कर आदरपूर्ण स्वर से बोला।

'कमांडर जेम्स, सीक्रेट एजेन्ट जीरो सेवन सेवन ऑफ ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस! कर्नल हील्स ऑफ हंगेरियन सीक्रेट पुलिस एट यूअर सर्विस, सर।'

बिना बोले बिना हिले जेम्स गैरेज के बीच में खड़ा रहा। बिजली की रफ्तार से एक के बाद एक कई सवाल उसके मस्तिष्क में उभरे। पहले उसने स्त्रियों को उस शाक की स्थिति में से निकालने फिर इस अप्रत्याशित घटना का कोई सम्भावित कारण सोचा, फिर अपने मित्रों की अनुपस्थिति के बारे में सोचा और फिर उसका दिमाग उस क्लाइमेक्स में से निकलने की तरकीब सोचने लगा।

जेम्स का जवड़ा लटक गया, उसके चेहरे पर भय नाचने लगा और आँखें फैलने लगीं।

'कमांडर जेम्स! सीक्रेट एजेन्ट!' वह फटी-फटी आँखों से कर्नल हील्स को देखता हुआ हंगेरियन में बोला- 'जैरो सेवन सेवन! मैं कुछ समझा नहीं, कामरेड!... बात क्या है? यह बन्दूकें क्यों तनी हैं मुझ पर? ... मैं कसम खाता हूँ, मैंने कुछ नहीं किया है। कामरेड, मैंने कुछ भी नहीं किया है। मैं कसम खाता हूँ।'

वह अपने दोनों हाथ छाती पर बांधे हुए था और वह एक बेहद डरपोक आदमी की तरह कांप रहा था और आतंकित दिखाई दे रहा था।

जेम्स के सामने की दिशाओं में खड़े दो सिपाहियों ने उलझनपूर्ण नेत्रों से एक दूसरे को देखा। प्रत्यक्ष था जेम्स के अभिनय का उन पर अच्छा प्रभाव पड़ा था लेकिन कर्नल हील्स के नेत्रों में सन्देह की छाया भी दिखाई दी।

'बहुत शानदार एक्टिंग कर रहे हो, मिस्टर जेम्स!' कर्नल हील्स विनोदपूर्ण स्वर में बोला- 'तुम्हें तो हॉलीवुड में होना चाहिए था। मेरे आदमी तो पहले ही तुम्हारे अभिनय से प्रभावित दिखाई दे रहे हैं और अगर मुझे तुम्हारी वास्तविकता की शत प्रतिशत जानकारी न होती तो शायद मैं भी धोखा खा जाता। हम इसे अपने लिए गौरव का विषय समझते हैं कि ब्रिटिश एरिपयानेज सर्विस अपने योग्यतम आदमी ही हमारे पास भेजती है। प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिंग्स की वापसी के मामले में हमें भी आप जैसे ही सुपर एजेन्ट के आगमन की आशा थी।'

जेम्स मन ही मन परेशान हो उठा। कर्नल हील्स न केवल उसकी वास्तविकता जानता था बल्कि यह भी जानता था कि वह हंगरी में क्या करने आया है? उसे अपना खेल खत्म होता मालूम हो रहा था। लेकिन उसके चेहरे से भय और आतंक के भाव नहीं

बदले।

उमने अपने नेत्र एक सहमे हुए जानवर की तरह अपने चारों ओर फिराये और फिर हिस्टीरिया के रोगी की तरह चिल्लाया 'मुझे जाने दो! मुझे जाने दो! मैंने कुछ नहीं किया है! मैं निर्दोष हूँ। मैं... मैं एक ईमानदार कम्युनिस्ट हूँ। मैं पार्टी का सदस्य हूँ। मैं बुडापेस्ट का नागरिक हूँ। कामरेड, मैं अपने पेंपर दिखा सकता हूँ, मेम्बरशिप कार्ड दिखा सकता हूँ। यह देखिए।'

और उसका हाथ बड़े स्वाभाविक ढंग से अपने कोट की उस जेब की ओर बढ़ा जिसमें उसका रिवॉल्वर रखा था लेकिन कर्नल हील्स की जुवान से निकलने हुए मात्र एक शब्द ने जेम्स को अपनी जेब की ओर बढ़ते हुए हाथ को वहीं रोकने के लिए मजबूर कर दिया।

'स्टाप!' कर्नल हील्स चिल्लाया।

'थैंक्यू मिस्टर जेम्स!' अपनी घंटाघनी का इच्छित परिणाम देखकर कर्नल बोला। फिर उमने गैरेज के द्वार के पास खड़े सिपाही को सम्बोधित करके कहा-'कोको!' मिस्टर जेम्स जेब से रिवॉल्वर या बैग ही कोई भयानक हथियार निकालने वाले थे। साहज्य का बोझ हलका कर दो।

जेम्स को अपने पीछे भारी कदमों की आहट गुनाई दी और फिर गयलफ्ल का कुदा जार से उसकी गरदन के पीछे से टकराया। जेम्स पीड़ा से बिलबिला उठा, फिर अनुभवी हाथ उसकी तलाशी लेने लगे।

'मिस्टर जेम्स!' कर्नल हील्स बोला-'इन कामों का कोको को बहुत तजुर्बा है। किसी भी कैदी की तलाशी लेने से पहले वह उसे दूरव्यवहार का एक ट्रेनर सा दिखा देता है। इसका नतीजा यह होता है कि कैदी कोई शरारत करने का हौसला नहीं कर पाता-आह! ऐंजिविट नम्र बन। 6.35 बेल्लिजियम आटोमेटिक और साइलेंसर! ये दोनों ही चीजे हंगरी में प्राप्त नहीं हैं। अब तुम कहोगे कि यह चीजे तुम्हें बुडापेस्ट की किसी गली में पड़ी हुई मिली हैं और... और यह क्या है?

जेम्स बड़ी कठिनाई से अपनी आँखें फोकस कर पाया। कर्नल हील्स अपने हाथों में उस रिवॉल्वर को उछाल रहा था जो उसने उस सीक्रेट पुलिस के सिपाही से छीनी थी जिसे वह ट्राम स्टैंड के पीछे नाले में फेंक आया था।

'कर्नल हीव्स!' कोको के नाम से सम्बोधित किये जाने वाला विशाल शरीर का आदमी आगे बढ़ कर बोला- 'यह रिवाल्वर हर्पेड की है, मैं इसे अच्छी तरह पहचानता हूँ। यह कहाँ मिली तुम्हें? वह जेम्स पर गुराया।'।

'यह भी मुझे दूसरी रिवाल्वर के साथ पड़ी मिली थी। उसमें....?'।

उसने कोको का रायफल वाला हाथ हवा में लहराते देखा लेकिन उस बार में स्वयं को बचा पाने का समय ही न था। रायफल इतनी जोर से उसके चेहरे के साथ टकराई कि जेम्स लड़खड़ाता पहले दीवार से जा टकराया और फिर भूसे के बोरे की तरह जमीन पर लौट गया। उसकी आँखों के सामने अन्धकार छाने लगा। उसके होठों में से खून टपकने लगा और उसे यूँ अनुभव हुआ जैसे उसके कई दांत उखड़ गए हों।

'कोको!' 'कर्नल हीव्स' यूँ बोला जैसे किसी बच्चे को शरारत करने से रोक रहा हो- 'अभी नहीं!' साहब की यह सेवा हम स्टालिन स्ट्रीट के टार्चर चैम्बर में करेंगे।... मिस्टर जेम्स! गलती सरासर आपकी है। कोको आपसे बहुत नाराज है। हमें अभी तक यह मालूम नहीं है कि हर्पेड कोको का या दोस्त था। जिस समय वह ट्राम स्टैंड के पीछे के नाले में पड़ा पाया गया था, उस समय वह मौत के दरवाजे पर खड़ा था और इसके जिम्मेदार आप हैं। अगर मैं कोको को रोकूँ नहीं तो यह अभी आपके शरीर के परखचे उड़ा देगा। बड़े गलत आदमी के दोस्त पर वार कर बैठे आप। मैंने कोको से वादा किया है कि स्टालिन स्ट्रीट के टार्चर चैम्बर में आपकी सेवा करने का अवसर उसे ही दिया जायेगा।'।

जेम्स चुप रहा और स्वयं पर काबू पाने का प्रयत्न करता रहा। 'कर्नल हीव्स' उसे बेहद खतरनाक आदमी और पक्का सैडिस्ट लग रहा था।

कर्नल अपने एक आदमी की ओर मुड़ कर बोला- 'गली की नुक्कड़ पर चले जाओ, वहाँ टेलीफोन है। हैडक्वार्टर फोन करके कहो कि वे लोग एक गाड़ी भेज दें। उन्हें मालूम है गाड़ी कहाँ भेजनी है।' वह जेम्स की ओर मुड़ा- 'अगर हम गाड़ी इसी गली में खड़ी करते तो आपको सन्देह हो जाता, मिस्टर जेम्स! और आप इतनी आसानी से हमारे जाल में नहीं फँसते, गाड़ी दस मिनट में यहाँ पहुँच जायेगी। तब तक शायद आप हमें अपने और अपने कार्यकलापों के

विषय में कोई महत्वपूर्ण जानकारी देना पसन्द करें। साहब को अपने पैरों पर खड़ा कर दो और भीतर ले आओ।

दो आदमियों ने जेम्स को सहारा दिया।

कर्नल हीव्स एक मेज के पीछे कुर्सी पर जा बैठा।

'मिस्टर जेम्स!' कर्नल हीव्स गम्भीर स्वर से बोला- 'आपकी कोई हरकत हमसे छुपी हुई नहीं है। हम आपके बारे में सब कुछ जानते हैं। आपके ब्यान द्वारा तो हम केवल अपनी जानकारी की पुष्टि चाहते हैं और उसके बाद जनता की अदालत में आप पर मुकदमा चलाया जायेगा। एस्पियानेज के आरोप में और वह आपकी सरकार के मुंह पर एक करारा थप्पड़ होगा। और शायद आपको जानकर अफसोस होगा कि आपके दोस्त भी पकड़े जा चुके हैं। और आपका वह दोस्त-वह पहाड़ जैसा लम्बा चौड़ा आदमी-क्या नाम था उसका?' भूल गया मैं-खैर... वह पहले ही अपना ब्यान दे चुका है और सब कुछ स्वीकार कर चुका है। वह मेज की दराज में से एक फुलरकेप कागज निकाल कर जेम्स को दिखाता हुआ बोला- 'यह तुम्हारे दोस्त की ही हैंडराइटिंग में है और उसने स्वीकार कर लिया है कि वह विदेशी एस्पियानेज एजेंटों की सहायता करता रहा है।'

जेम्स ने मन ही मन शान्ति की सांस ली। अपने चेहरे के भाव छुपाने के लिए वह सिर झुकाकर मुंह में भर आया खून थूकने लगा उसे विश्वास हो गया कि सिरोंव या उसका कोई आदमी पकड़ा नहीं गया है। अधिक से अधिक यह हुआ है कि सीक्रेट पुलिस के किसी भेदिये ने कभी सैन्डर की सूरत देख ली है और कर्नल हीव्स केवल इतनी सी जानकारी को इस्तेमाल कर उसे फांसने का प्रयत्न कर रहा था। कर्नल कहता था कि उसके सब दोस्त पकड़े गए हैं और सैन्डर ने 'सब कुछ' स्वीकार भी कर लिया है जबकि हकीकत यह थी कि सैन्डर को तो 'सब कुछ' मालूम भी नहीं था। और फिर कोई भी समझदार आदमी सैन्डर जैसे लौह पुरुष से कुछ कबूलवाने की कोशिश करने की जगह पहले जूलिया और इमर की गरदन नापता। तीसरे सैन्डर जैसा साधारण नाम थोड़े से समय में कर्नल भूल जाये यह उसे सम्भव नहीं लगता था। और सबसे बड़ी बात यह थी कि सैन्डर जैसे देव समान आदमी से जबरदस्ती टार्चर का सहारा लेकर कुछ कबूलवाना संसार का आठवां आश्चर्य था। जिस कमरे में सैन्डर को टार्चर किया जाये, उसकी तो दीवारें सलामत

रह पाना असम्भव था।

'शुरुआत आप यहाँ से कीजिये कि आप हंगरी का बार्डर कास करने में सफल कैसे हुए?' कर्नल हीव्स ने राव दी।

'मैंने हंगरी का बार्डर कास किया है?' जेम्स फिर पहले जैसी हैरानी प्रकट करता हुआ बोला- 'लेकिन मैं तो अपनी जिन्दगी में कभी बुडापेस्ट से बाहर नहीं निकला। मैं तो.....'

जेम्स एकदम चुप हो गया और बड़ी फुर्ती से कोको के प्रहार से बचने के लिए एक ओर कूदा। छतरे का आभास उसे समय पर मिला गया था। उसने कर्नल हीव्स को कोको को हल्का सा संकेत करते देख लिया था। कोको के घुंसे का प्रचंड प्रहार उसके चेहरे को हवा सा देता हुआ गुजर गया और इसी कारण कोको के विशाल शरीर का सन्तुलन बिगड़ गया।

जेम्स ऐसा मौका चुकने वाला नहीं था।

कैरेट घाप का इतनी जोर का प्रहार उसने कोको की गरदन पर किया कि उसे अपना हाथ टूटता हुआ महसूस हुआ।

कोको का विशाल शरीर धूम की तरह कई फुट दूर फर्श पर लुढ़क गया और उसके मुँह से पीड़ा भरी मिसकारी निकल पड़ी।

कर्नल हीव्स एकदम उठ खड़ा हुआ। उसकी रिवाल्वर उसके हाथ में आ गई। दो सिपाही सब-मशीनगन ताने जेम्स की ओर लपके।

जेम्स दीवार के साथ पीठ-सटाकर लम्बी-लम्बी सांसें लेने लगा।

'सिपाही एकदम जेम्स के सामने आ खड़े हुए और आदेश की प्रतीक्षा करने लगे।'

'अब अपनी मौत निश्चित समझो, मिस्टर जेम्स!' कर्नल हीव्स साँप की तरह फुफकारा- 'अगर तुम बुडापेस्ट के कथित निर्दोष नागरिक होते तो इस समय जहाँ कोको पड़ा है, वहाँ तुम होते। कैरेट घाप हंगरी के स्कूलों में नहीं सिखाई जाती है। अंभी जो हादसा हुआ है, वह मैंने जान बूझकर करवाया है। मैंने जान-बूझकर कोको को इस प्रकार तुम पर प्रहार करने का संकेत किया था, मेरा संकेत तुम भी देख लेा और फिर कोई ऐसी हरकत करो जिससे तुम पर मेरा रहा सहा सन्देह भी दूर होजाए। मुझे खुशी है कि तुम मेरी चाल में फँस गए। अब मुझे कुछ और जानने की जरूरत नहीं है मुझे विश्वास हो गया है कि अगर कोको तुम्हारे

शरीर की एक एक हड्डी भी तोड़ दें तो तुम अपनी जुवान नहीं खोलांगे लेकिन मिस्टर जेम्स स्टालिन स्ट्रीट में टार्चर से ज्यादा सम्य तरीकों से आपकी जुवान खुलवाई जायेंगी।

तीन मिनट बाद वे सब उस भूरी लारी में जा बैठे थे जो उन लोगों को लेने के लिए गैरेंज के सामने आ खड़ी हुई थी। लारी के पृष्ठ भाग के एक बेंच पर कोको लेटा हुआ था। वह अभी भी उखड़ी-उखड़ी सांस ले रहा था। दूसरे बेंच पर कर्नल हील्स और सब-मशीनगन लिए दो सिपाही बैठे थे। उन दोनों बेंचों के बीच में फर्श पर जेम्स बैठा था। चौथा सिपाही आगे ड्राइवर के पास बैठा हुआ था।

लारी चल पड़ी।

लगभग आधा मिनट बाद जिस समय लारी पहला मोड़ घूम रही थी, एक भड़ाक की आवाज हुई जैसे लारी किसी चट्टान से टकरा गई हो, फिर ब्रेक लगाने की जोरदार आवाज हुई। लारी कुछ क्षण सड़क पर एक शराबी की तरह झुमती लड़खड़ाती रही और फिर किसी ठोस चीज से टकराकर रुक गई।

लारी के भीतर बैठे कर्नल हील्स और उनके सिपाही उछल कर जेम्स पर आ पड़े। कोको का विशाल शरीर धम्म से फर्श पर लुढ़क गया।

अभी वे लोग इस अप्रत्याशित घटना के प्रभाव से निकले भी नहीं थे और स्वयं को समझाने भी नहीं पाये थे कि लारी का पिछला दरवाजा भड़ाक से खुली और अगले ही क्षण लारी का भीतरी भाग दो शक्तिशाली टार्चों से उत्पन्न होने वाले प्रकाश से जगमगा उठा। फिर उस प्रकाश में बन्दूक की दो नालें प्रकट हुई और फिर एक धीरे गम्भीर आवाज ने उन सबका अपने-अपने हाथ गिर से ऊपर उठा लेने का आदेश दिया।

किसी ने आदेश का उल्लंघन करने का साहस नहीं किया।

फिर दो और आदमी लारी में धक्का दिये गये। जेम्स ने देखा, उनमें से एक सिपाही था और दूसरा लारी का ड्राइवर।

फिर सारे सिपाहियों के हथियार छीन लिये गये। कर्नल हील्स की जेब से रिवाल्वर निकाल लिए गए। किसी ने जेम्स का साइलेंसर लगा रॉल्लिज्जन रिवाल्वर उसकी ओर उछाल दिया।

जेम्स ने रिवाल्वर उठा ली। आक्रमणकारी कौन थे, इस विषय में उसे अब कोई सन्देह नहीं रह गया था।

फिर लारी का द्वार बन्द होने की आवाज आई और फिर लारी झटके खाती हुई बैक होने लगी। दो तीन बार आगे पीछे झटके खा चुकने के बाद लारी फिर सीधे रास्ते पर आ गई।

सारे आपरेशन में केवल बीस सैकेंड लगे थे। इतनी तत्परता केवल इस प्रकार के कामों में एक्सपर्ट लोग ही दिखा सकते थे।

जेम्स कर्नल हीव्स और उसके सिपाहियों को अपनी रिवाल्वर से कवर किए रहा।

लारी चलती रही।

कुछ मिनटों में लारी की गति धीमी पड़ने लगी और लारी एकदम रुक गई।

ट्राइविंग सीट वाले भाग में बैठे एक आदमी ने लारी के पृष्ठ भाग में झांका और कड़े शब्दों में सबको एकदम धुं... ने का आदेश दिया।

जेम्स ने अपनी साइलेंसर लगी रिवाल्वर कर्नल हीव्स की छाती पर तान दी।

'गुड! कोई सन्तुष्टिपूर्ण स्वर से बोला।'

लारी केवल एक दो मिनट तक ही रुकी। शायद वह कोई चौकींग पोस्ट थी। किसी ने कोई सवाल पूछा जिसके उत्तर में लारी के भीतर से किसी ने अधिकारपूर्ण स्वर में कुछ शब्द कहे जिनका एक भी शब्द जेम्स की समझ में नहीं आया।

लारी फिर चल पड़ी।

जेम्स ने रिवाल्वर कर्नल हीव्स की छाती से हटा कर अपनी गोदी में रख ली।

कर्नल हीव्स का चेहरा क्रोध और विवशता के कारण सुर्ख हो रहा था।

फिर लारी रुकी शायद किसी दूसरे चौकींग पोस्ट पर ही पहले ही की तरह फिर कर्नल हीव्स को कवर कर लिया लेकिन इस बार एक मिनट से भी कम समय लगा।

लारी रुक गई। लारी का पिछला दरवाजा खुला और पहले की ही तरह टाई का चौधिया देन वाला प्रकाश लारी के भीतर पड़ा।

किसी ने जेम्स को बाहर आने का संकेत किया।

जेम्स लारी से बाहर कूद गया।

'आप लोग बागी चारी से अपने जूते उतारते जाइए और उन्हें सामने की बैच पर रखते जाइए। कोई धुं... स्वर से बोला- 'इन्कार

करने से कोई लाभ नहीं होगा। यह काम जबरदस्ती भी किया जा सकता है।

कर्नल हील्स और कोर्की सहित सबने जूते उतारकर सामने बेंच पर रख दिए।

'एक्सीलेंट।' वही स्वर फिर सुनाई दिया—'अब अपने अपने ओवरकोट और टोपियां भी उतार दीजिए।'

फौरन आज्ञा का पालन हुआ।

'वैश्यु! अब गौर से मेरी बात सुनिए। इस समय यह लारी बुडापेस्ट से बाहर एक वीरान सड़क पर खड़ी है। इस सड़क की बगल में एक छोटी सी झोंपड़ी है और उस झोंपड़ी के आसपास तीन मील तक किसी भी दिशा में कोई दूसरी सिर ढकने की जगह नहीं है। हम आप लोगों को यहाँ छोड़कर जाने वाले हैं। अगर आप लोगों ने हमारे जाने के बाद आज की रात गहरे अन्धेरे में कोई दूसरी जगह तलाश करने की कोशिश की तो आप निश्चय ही मौत का शिकार हो जाएंगे। आप लोग नंगे पांव बिना ओवर कोट और हैट के सब जीरो टैम्प्रेचर पर पहुंची हुई बर्फ में दस मिनट भी जीवित नहीं रह पायेंगे। और दोस्तों, यह कोई मेलोड्रामेटिक धमकी नहीं है, एक सच्ची चेतावनी है। इसके बावजूद भी अगर आप आत्महत्या ही करना चाहते हैं तो आपकी मर्जी।'

'इसके विपरीत?' वही आवाज फिर बोली—'झोंपड़ी भीतर से एकदम सूखा है, बिंड प्रूफ है और उसमें ढेर सारी सूखी लकड़ियां मौजूद हैं। आप यहाँ कुछ तक इन्तजार कीजिए और फिर किसी इस रास्ते से गुजरती हुई छोड़ा गाड़ी या ट्रक पर सवार होकर वापिस आबादी में तशरीफ ले जाइयेगा।'

'आप लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं?' कर्नल हील्स ने शांत स्वर से पूछा।

'क्या, क्यों कर रहे हैं? तुम्हें यहाँ लाचारी की हालत में क्यों छोड़े जा रहे हैं या तुम लोगों की क्यों जान बखश रहे हैं?'

'दोनों।'

'तुम लोगों की मारा इसलिए नहीं जा रहा है क्योंकि हम हत्यारे नहीं हैं और तुम्हें यहाँ इस झोंपड़ी में इसलिए छोड़ा जा रहा है ताकि तुम कोई शरारत न कर सको यहाँ मौलों दूर तक टेलीफोन नहीं है और मैं बतला ही चुका हूँ कि रात के समय इस झोंपड़ी से बाहर निकलना मौत का दावत देना होगा। तुम्हारी इस स्थिति से

हमें यह फायदा होगा कि सुबह तक कोई यह नहीं जान पायेगा कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की एक लारी 'शत्रुओं' के हाथ पड़ गई है। हम लोग आस्ट्रेलिया के बार्डर से अधिक दूर नहीं हैं। पुलिस की यह लारी बार्डर पार करने के लिए पासपोर्ट का काम देगी।

कर्नल हीव्स फिर नहीं बोला।

'उतरो!'

सब बारी-बारी लारी से बाहर निकल आये। कोको भी लड़खड़ा रहा था और अपने एक साथी की सहायता के बिना अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पा रहा था।

सारे आदमी सड़क के किनारे की झोपड़ी में धकेल दिये गये और झोपड़ी का दरवाजा बाहर से बन्द कर दिया गया।

फिर जेम्स और दो अन्य आदमी, जिनके चेहरे रुमालों से ढके हुए थे, लारी में आ बैठे और द्वार भीतर से बन्द कर लिया गया था।

लारी के भीतर की बत्ती जल उठी और लारी फिर चल पड़ी।

दोनों आदमी अपने चेहरे पर बंधे रुमाल खोलने लगे।

अगले ही क्षण जेम्स को सिराव और मेजर होवार्थ को सूरत दिखाई दीं।

जेम्स ने लारी के अग्र भाग में दृष्टि फिराई।

लारी सैन्डर चला रहा था और उसकी बगल में इमर और जूलिया बैठे थे।

जेम्स के चेहरे पर नजर पड़ते ही जूलिया के मुंह से एक दहशत भरी सिसकरी निकल गई। लेकिन पहले बोलने वाला मेजर होवार्थ था।

'मिस्टर जेम्स!' वह बोला-'दो ही सूरतों में आदमी के चेहरे की यह हालत हो सकती है। या तो वह किसी रंटीम रोलर से टकरा गया हो और या फिर उसने आधा घन्टा कोको के संसर्ग में गुजारा हो।'

'तुम जानते हो उसे?' जेम्स से पूछा।

'कोको को कौन नहीं जानता? हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का एक एक आदमी उसे जानता है और बुडापेस्ट की कम से कम आधी जनता उसे जानती है। कोको जहाँ जाता है वहीं अपने कदरदान पैदा कर लेता है। लोग उसे आसानी से भूल नहीं पाते हैं। लेकिन आज क्या हो गया था उसे? बच्चा बुरी तरह लड़खड़ा रहा था और

सूत से भी बड़ा परत और बढ्दवास सा लग रहा था?

'मैंने मारा था उसे।'

'तुमने... तुमने?' मेजर हावार्थ आश्चर्यचकित स्वर में बोला- 'क्या किया था?'

'मैंने मारा था उसे।' जेम्स ने दोहराया- 'एक कैरेट चाप उसकी गरदन पर रसीद की थी।'

'अच्छा! कमाल है। कौको और तुमसे मार खा गया। मिरटर जेम्स कौको को तो हाथ भी लगा लेना अपने आप में एक करिश्मा है और तुमने तो बेंचारे को अपने पैरों पर खड़े होने के काबिल भी नहीं छोड़ा।'

'आह!' जूलिया एकदम बोल पड़ी- 'बातें ही किये जाओगे या इनकी हालत का भी ख्याल करोगे।'

'इसकी हालत अभी ठीक हुई जाती है,' मेजर बोला और उसमें अपनी जब से शराब की फ्लास्क निकाल कर जेम्स के सूजे हुए हाँठों से लगा दी- 'पी जाओ।'

जेम्स ने दो बड़े-बड़े घूंट निकाल लीं। उसे थूँ लगा जैसे उसके गले से लेकर पैर तक आग लग गई हो लेकिन फौरन ही शराब अपना प्रभाव दिखाने लगी। उसके शरीर में ऊष्णता और स्फूर्ति का संचार होने लगा।

'तुम तो बहुत चोट खा गए हो, मिरटर!' सिरोव सहानुभूति पूर्ण स्वरों में बोला- 'क्या हुआ था?'

जेम्स ने आद्योपान्त सारी दास्तान कह सुनाई।

'मुझे अफरास है।' मेजर बोला- 'वह हरामजाद कौको!'

'लारी रुकवाओ!' एकाएक जूलिया बाली।

किर्सी ने कारण नहीं पूछा। जेन्डर ने लारी रोक दी।

जूलिया बगल का द्वार खोलकर लारी से बाहर कूद गई। उसने अपने रुमाल में सड़क से ढेर सारी बर्फ समेटी और फिर ट्रक के पृष्ठ भाग में आ गई।

'अभी मैं तुम्हारी सूत की मरम्मत करती हूँ। वह बेंच पर जेम्स की बगली में बैठती हुई बोली।'

वह धीरे-धीरे जेम्स के चेहरे पर बर्फ फिरा-फिरा कर वहाँ जमा हुआ रक्त साफ करने लगी। जेम्स पीड़ा से सिसकारियाँ लेने लगा। बर्फ घावों पर लगती थी तो नश्वर सी चुभती थी।

'चुपचाप बैठे रहो।' जूलिया ने डाटा।

'जूलिया!' सिरोंव गला साफ करता हुआ बोला- 'मेरे ख्याल से तो तुम्हें इस काम के लिए ज्यादा सीधा तरीका इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे... जैसे पुलिस के सिपाहियों को धोखा देने के लिए तुमने मार्गिट आईलैंड की वाचमैन हट में किया था। मिस्टर जेम्स, जूलिया ने बताया है कि तुम पूरे तीन मिनट तक उसे... ।'

'यह सरासर झूठ है।' जेम्स विरोधपूर्ण स्वर में बोला। बोलने के प्रयत्न मात्र से उसके चेहरे के जख्म दुखने लगे थे। 'सिर्फ तीस सैकिन्ड और वह भी आत्मरक्षा की खातिर... ।'

सिरोंव मुस्कुराने लगा।

'क्या हुआ था?' जेम्स ने बात बदलनी चाही। वह उन लोगों का ध्यान पिछली घटनाओं की ओर आकृष्ट करते हुआ बोला।

'यस प्लीज मिस्टर जेम्स क्या नहीं हुआ था,' सिरोंव गम्भीर स्वर से बोला- 'हर किसी ने भयानक गलतियाँ की हैं। तुमने, हमने, हंगेरियन सीक्रेट पुलिस ने। पहली गलती हमारी थी। तुम जानते हो कि मेरे मकान की निगरानी हो रही थी और हम यह समझते थे कि निगरानी करने वाले केवल साधारण भाड़े के पिटू थे जबकि वास्तव में वे हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के आदमी थे। सैन्डर ने उन दोनों आदमियों को पकड़ लिया था और जब मेजर होवार्थ हैडक्वार्टर से ड्यूटी भुगत कर मेरे मकान पर आया था तो उसने उन दोनों को फौरन पहचान लिया था। तभी हमने वह स्थान छोड़ने का फैसला कर लिया था लेकिन तब तक जूलिया तुमसे मिलने के लिए जा चुकी थी अतः उसके द्वारा हम मकान छोड़ने की सूचना तुम तक नहीं पहुँचा सकते थे। और फिर मेजर कहता था कि वह सीक्रेट पुलिस के टेक्नीक को खूब जानता है। वे लोग अब मेरे मकान पर घेरा डालने आयेंगे तो रात के तीसरे पहर में आया जब कि हम आधी रात से पहले ही मकान खाली कर देने वाले थे।'

'इसका मतलब तो यह हुआ कि जो आदमी जूलिया का पीछा करते हुए व्हाइट एन्जल तक पहुँच गया था, उसने जूलिया को आपके मकान से ही पिक-अप किया था?'

'हाँ और तुमने बड़े कुशल ढंग से उससे पीछा भी छुड़ा लिया था। लेकिन सबसे बड़ी गलती तुमने की है।'

'मैंने?' जेम्स हैरानी से बोला।

'हाँ।'

'कब?'

‘जब तुम थी काउन्स होटल में प्रोफेसर जेनिंग्स से बातें कर रहे थे।’

‘जब मैं... मैं समझा नहीं।’

‘वह गलती केवल जेम्स की नहीं, मेरी भी है।’ मेजर होवार्थ दबे स्वर में बोला-‘मुझे मालूम था। मुझे जेम्स को चेतावनी दे देनी चाहिए थी।’

‘आप लोग किस गलती का जिक्र कर रहे हैं? जेम्स ने व्यग्र स्वर से पूछा।’

‘बताता हूँ।’ सिरोंव बोला-‘तुमने प्रोफेसर के कमरे में माइक्रोफोन तलाश किया था।’

‘किया था। वह रोशनदान की ग्रिल के पीछे लगा हुआ था।’

‘और बाथरूम में?’

‘वहाँ माइक्रोफोन नहीं था।’

‘तुमने अच्छी तरह देखा था?’

‘हाँ! इस प्रकार के काम तो मेरे पेशे का ही एक अंग है।’

‘फिर भी तुम धोखा खा गये, गुसलखाने में माइक्रोफोन था।’

‘कहाँ?’ जेम्स सिसकारी लेता हुआ बोला।

‘शावर में। मेजर कहता है, श्री काउन्स होटल के हर कमरे के शावर में माइक्रोफोन लगा हुआ है। किसी भी बाथरूम का शावर वास्तव में काम नहीं करता है। वे तो डमी शावर हैं जो केवल माइक्रोफोन छुपाने के लिए ही लगाए गए हैं। अगर तुम नल खोलकर देखते तो उसमें से पानी नहीं निकलता।’

‘शावर में माइक्रोफोन था?’ जेम्स का मुँह खुला का खुला रह गया-‘ओह, माई गाड!’

‘ऐगजैक्टली!’ सिरोंव भारी स्वर से बोला।

‘तो... तो इसका मतलब है कि मेरे और प्रोफेसर के बीच में हुए वार्तालाप का एक एक शब्द सुन लिया गया है।’

जेम्स हताश सा लारी की दीवार से सिर टिकाये बैठा रहा। चोट उसे पहले नहीं अब लगी थी। उसे अब स. ३६ में आया कि कर्नल हीक्स को यह कैसे मालूम था कि वह कौन है और बुडापेस्ट में क्या करने आया है। प्रोफेसर से छुटकारे की उसे कोई आशा दिखाई नहीं दे रही थी। यह पहला आपरेशन था जिसमें जेम्स को हर कदम पर हार का सामना करना पड़ रहा था। और हर हार एक ऐसी तिलमिला देनी वाला चोट थी जिसे वह जन्म भर नहीं

भूल सकता था।

'घोट तो हो ही गई।' सिराव बोला-

'मेरा मिशन फेल हुआ है।' जेम्स फिर बोला-'लेकिन इससे आप लोगों की स्थिति पर कोई अन्तर नहीं पड़ा है। मैंने आपके मकान से सम्बन्धित किसी आदमी का नाम या उसके कार्यकलापों का जिक्र प्रोफेसर के सामने नहीं किया था। मैंने प्रोफेसर को आपके मकान का पता अवश्य बताया था। लेकिन अब उससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि आप लोग वह मकान पहले ही छोड़ चुके हैं। जहाँ तक आप लोगों का सर्वाल है। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस को कम से कम मेरी गलतियों की वजह से आपकी जानकारी नहीं हुई है। लेकिन दी बातें मेरी समझ में नहीं आ रही हैं।'

'क्या?'

'एक तो यह कि अगर होटल के कमरे में माइक्रोफोन था और वे लोग मेरी और प्रोफेसर की बातें सुन रहे थे तो उन्होंने मुझे वहीं गिरफ्तार क्यों नहीं कर लिया?'

'सिम्पल!' मेजर होवार्थ बोला-'होटल के बाथरूमों में लगे माइक्रोफोन टेप रिकार्डर्स से सम्बन्धित हैं। तुम्हारे होटल से निकल जाने के बाद किसी समय उन्होंने टेप रिकार्डर बजाकर देखेंगे कि कौन क्या बातें कर रहा है। तुम्हारा और प्रोफेसर का वार्तालाप सुनकर उनके हुलिये बिगड़ गए होंगे।'

'दूसरी बात- जब आप लोगों को मालूम था कि मकान पर पुलिस का छापा पड़ने वाला है तो आपने मुझे मेरे होटल में टेलीफोन करके सूचित क्यों नहीं किया?'

'हमने फोन किया था लेकिन तुम्हारी ओर से कोई उत्तर नहीं मिला था।'

'मैं जरा जल्दी होटल से निकल आया था। मैंने फायर एस्कैप की सीढ़ियाँ उतरते समय टेलीफोन की घंटी बजने की आवाज सुनी तो थी लेकिन मैं काल रिसीव करने के लिए वापस नहीं लौटा था। लेकिन आप लोग मुझे मकान के रास्ते में भी तो कहीं रोक सकते थे?'

'रोक सकते थे?' इस बार सिराव बोला-'मेजर, बता ही दो।'

'वैरी वेल्!' मेजर ऐसे स्वर में बोला जैसे कोई बड़ी अप्रिय बात स्वीकार कर रहा हो-'मिस्टर जेम्स, आपने कर्नेल हाव्स को देखा है और आप स्वीकार करेंगे कि वह एक बहुत खतरनाक आदमी है।'

वह मेरा आफसर है और हंगेरियन सीक्रेट पुलिस में वह सीनियोरिटी में दूसरे नम्बर का आफसर है। वह आदमी इतना काइया है कि उससे मैं भी घबराता हूँ इसीलिए मेकअप में होने के बावजूद भी मैं उसके सामने नहीं आ रहा था। सिंगेव भी उसकी कार्यक्षमता का लोहा मानता है। इसीलिए उसने बड़ी मेहनत से कर्नल हील्स के दिमाग में यह बात बैठाई थी कि हम लोग आस्ट्रेलिया के बॉर्डर की ओर बढ़ रहे हैं जबकि वहाँ जाने का हमारा कतई इरादा नहीं था।

‘मतलब की बात कहो।’ जेम्स व्यग्र स्वर से बोला।

‘मतलब की ही बात कह रहा हूँ।’ मेजर बोला—‘पिछले कुछ दिनों से मैं महसूस कर रहा था कि कर्नल हील्स मुझमें कुछ जरूरत से ज्यादा दिलचस्पी ले रहा है। वैसे तो हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हर आफसर की हरकतें समय समय पर पार्टी द्वारा या सीनियर आफसरों द्वारा चेक की ही जाती हैं लेकिन मुझे लग रहा था कि मैं में कुछ ज्यादा ही दिलचस्पी ली जा रही है। कहने का मतलब यह है कि हमें अभी तक भी शक था कि तुम कर्नल हील्स के आदमी हो और हमारी पार्टी का समूल नाश करने के लिए नियुक्त किये गए हो। मिस्टर जेम्स, हम लोग बचे ही इसलिए हैं क्योंकि हम कोई चांस नहीं लेते। आपकी टेर सारी संदिग्ध बातों में एक यह भी थी कि प्रोफेसर की बुडापेस्ट में मौजूदगी के बारे में तुम जानते थे लेकिन हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का उच्चाधिकारी होते हुए मैं नहीं जानता था। फिर मार्गिट आइलैंड पर उन तीन गिपसियों ने आपको कफ़्यू वाले इलाके में वाचमैन हट में छुपे हुए पाकर भी छोड़ कैसे दिया? हमने सोचा शायद आप भी उन्हीं के साथी हों। हमने आपके होटल में फोन किया। वहाँ से उत्तर नहीं मिला। हमने सोचा, कहीं आप होटल की जगह एन्ड्रूसी स्ट में न पहुँच गए हों। इन तमाम बातों का नजर में रखते हुए हमने फैसला किया आपको एक बार फिर चेक कर लिया जाए, इसलिए हमने जान बूझकर आपको कर्नल हील्स के हाथों में पड़ जाने दिया। हमने आपके गैरेज में प्रवेश करते भी देखा था। हम गली में गैरेज से लगभग पचास गज दूर खड़ी एक कार में छुपे हुए थे और वही कार बाद में इमर ने पुलिस की त्तारी में दे मारी थी। हमारा इरादा फौरन आपको छुड़ा लेना था और वही हमने किया भी था लेकिन हमें यह नहीं मालूम था कि उस दस मिनट के अरसे में ही वे लोग आपकी यह गत बना देंगे।’

‘अब तो आप लोग सन्तुष्ट हैं?’ जेम्स अपना कटा-फटा चेहरा

सहलाता हुआ बोला।

‘जो हुआ हम उसके लिए शर्मिन्दा है।’ सिरोंव नम्र स्वर में बोला।

‘शर्मिन्दा होने की कोई जरूरत नहीं है। आपकी स्थिति में शायद मैं भी ऐसा ही करता।’

कई क्षण कोई कुछ नहीं बोला।

फिर सिरोंव बोला-‘अब तुम्हारे मिशन का क्या होगा?’ इस बात की तो गारन्टी है कि प्रोफेसर को वे लोग अब होटल में तो रहने देंगे नहीं।’

‘और आस्ट्रेलियन बॉर्डर की भी बड़ी तगड़ी रखवाली शुरू हो जायेगी।’ मेजर होवार्थ बोला।

जेम्स कुछ नहीं बोला। बोलने के लिए कुछ था भी नहीं।

उसी क्षण लारी एक झटके के साथ रुक गई और फिर इंजन की थरथराहट भी बन्द हो गई।

‘मजिल आ गई।’ ड्राईविंग सीट से सैडर बोला।

‘फिलहाल उतरो!’ सिरोंव बोला-‘प्रोफेसर को निकालने की बात फिर सोचेंगे।’

सब लोग लारी में से निकल आये।

जेम्स ने देखा वे एक खेत के किनारे बने पुराने से घर के सामने खड़े थे।

‘लारी का क्या होगा?’ जेम्स ने पूछा।

‘उसका इन्तजाम सैडर कर लेगा।’ सिरोंव बोला-‘चलो।’ सब लोग घर की ओर चलने लगे।

* * *

अगले चौबीस घन्टे गांव के उस पुराने घर में बिना किसी विशेष घटना के घटित हुए गुजर गए। जेम्स ने बी.बी.सी. का योरोपियन ट्रान्समिशन सुना लेकिन उसके द्वारा ग्रीकन के स्वीडन पहुंचने का संकेत शब्द नहीं सुनाई दिया।

जेम्स का दिल धूबने लगा।

कहीं वह आपरेशन भी तो-सफल नहीं हो गया।

पिछली ही रात को सिरोंव के एक मित्र डॉक्टर ने जेम्स के सूज आये चेहरे और दुखते शरीर की सेवा की थी और उसे एक ऐसा करामाती इंजेक्शन दिया था कि उन चौबीस घन्टों में जेम्स फिर से अपने आप में एक नई शक्ति का संचार होता अनुभव कर रहा था।

मेजर होवार्थ उसी रात को वापिस जा चुका था।

बुडापेस्ट और उस गांव में सम्पर्क स्थापित रखने का कार्य इमर कर रहा था।

मेजर होवार्थ ने सूचना भिजवाई थी कि आस्ट्रेलियन बॉर्डर पर पहरा और चौकींग बेहद बढ़ा दी गई और प्रोफेसर जेम्स को श्री काउन्स होटल में से हटा लिया गया है। साम्यवादी यह अफवाह फैला रहे हैं कि प्रोफेसर बीमार हैं और सम्भव है वह सोमवार को शुरू होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कान्फ्रेंस में भाग न ले सकें। मेजर यह नहीं जान पाया था कि प्रोफेसर को कहा ले जाया गया है लेकिन वह इस बात का दावा करता था कि वह हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के एन्ट्रेंसी उद् स्थित हैडक्वार्टर में या बुडापेस्ट के ऐसे ही किसी अन्य पुलिस के अड्डे पर नहीं लाया गया है। मेजर का ख्याल था कि या तो प्रोफेसर को सीधा वापिस मास्को ही भेज दिया गया है और या उस नगर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। अगर साम्यवादी स्टेटिटन में वीयन हाथ से निकल गया या पहले ही निकल चुका है तो प्रोफेसर का मास्को ले जाया जाना निश्चित है क्योंकि बुडापेस्ट बॉर्डर से बहुत करीब है और अब प्रोफेसर का साम्यवादियों के चंगुल में रहना वैसे भी महत्वपूर्ण हो उठा था। वीयन के बाद प्रोफेसर का भी निकल जाना उनके गाल पर करारा तमाचा होगा।

* * *

अगले दिन।

जेम्स ने फिर निश्चित समय पर रेडियो का स्विच आन कर दिया। बी.बी.सी. का एनाउन्सर समाचार प्रसारित करने लगा।

जेम्स के कान पूर्वनिर्धारित संकेत सुनने के लिए तत्पर थे।

‘आज शाम को पेरिस की कान्फ्रेंस समाप्त हो जाने के बाद एनाउन्सर बोल रहा था-‘एक सरकारी वक्तव्य प्रसारित किया जायेगा। आशा है कि विदेश मंत्री आज रात... क्षमा कीजिए, आज रात नहीं, कल रात वापिस विमान द्वारा स्वदेश लौट आयेंगे और मंत्रीमण्डल को अपनी रिपोर्ट देंगे। यह अभी तक मालूम नहीं हो सका है कि...।’

जेम्स ने रेडियो बन्द कर दिया।

उसने शान्ति की सांस ली। कम से कम एक तो अच्छा समाचार मिला था उसे। प्रोफेसर का लड़का वीयन अब साम्यवादियों के चंगुल से निकल कर सुरक्षित रूप से स्वीडन पहुंच गया था।

और फिर मेजर होवार्थ आया बहुत महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित जानकारी लेकर।

प्रोफेसर हेराल्ड जेनिंग्स बुडापेस्ट नगर से बाहर स्थित गन्ट प्रिजन में था और तब से ठीक तीन घन्टे बाद उस वापिस ले जाया जाने वाला था।

‘कैसे?’ जेम्स ने पूछा।

‘बुडापेस्ट से पैक्स तक रेलगाड़ी द्वारा, पैक्स से मारको तक विमान द्वारा, बहद बर्फ गिरने के कारण बुडापेस्ट हवाई अड्डा अस्थायी तौर पर बन्द कर दिया गया है और सड़कों की हालत भी बड़ी नाजुक है। पैक्स मेल में प्रोफेसर को पैक्स तक ले जाने के लिए एक कोच लगाया गया है।’

‘पैक्स?’ जेम्स ने दोहराया-‘पैक्स कहाँ है?’

‘बुडापेस्ट के दक्षिण से लगभग सौ किलोमीटर दूर एक नगर है। पैक्स में हवाई अड्डा है और वह हवाई अड्डा अभी तक खुला है। पैक्स हवाई अड्डे से एक स्पेशल प्लेन प्रोफेसर को ले जायेगा और इतनी जल्दवाजी इसलिए की जा रही है क्योंकि साम्यवादियों को मालूम हो गया है कि प्रोफेसर का लड़का दायन उनके हाथ में निकल गया है।’

जेम्स एकदम बेचैन दिखाई देने लगा।

‘अगर प्रोफेसर को पैक्स पहुँचने तक साम्यवादियों के पंज से आजाद न करवाया गया तो एक बार मारको पहुँच जाने के बाद तुम लोगों की नजर में तो प्रोफेसर का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। मेजर गम्भीर स्वर से बोला।

जेम्स ने धीरे से सिर उठाया और फिर वृं बोला जैसे नींद में बड़बड़ रहा हो। ‘मुझे यह काम करना ही होगा, और अकेले करना होगा। प्रोफेसर को पैक्स तक ले जाने वाली ट्रेन तक मुझे पहुँचना ही होगा।’

‘अकेले क्यों?’

‘क्योंकि मैं आप लोगों को किसी मुर्गीबत में नहीं डालना चाहता, किसी बखंड में नहीं फँसाना चाहता। जब से मैंने बुडापेस्ट में कदम रखा है, कोई काम ठीक से नहीं होकर दिया है और इस बार तो मेरे सफल होने की अंश मात्र भी सम्भावना नहीं है। मेरे साथ आप लोग भी क्यों कोई ऐसा खतरा माल ले जिसका नतीजा कुछ भी निकलने वाला न हो।’

‘एम’ मेजर दारुन है! मेजर ने विरोध किया।

‘उस दारुनी के नाने आप लोग पहले ही मेरी आशा से अधिक सहायता कर चुके हैं।’

‘तुम पागल हो। बेकार की भावुकता डाल रहे हो।’

'हांडो!' सिरोंव एकदम दखल देता हुआ बोला- 'यह बाद की बातें हैं। पहले यह सोचो कि ट्रेन तक कैसे पहुंचा जाये?'

'मैं बताता हूँ।' मेजर हावार्थ बोला। उसने अपनी जेब से एक नक्शा निकाला और उसे मेज पर फैला दिया।

'यह सीसी है।' वह एक स्थान पर उंगली रखता हुआ बोला- 'सीसी रेलवे स्टेशन से वह स्पेशल कोच पैक्स मेल में लगाया जायेगा जिसमें प्रोफेसर ने सफर करना है। प्रोफेसर को भी सीसी से ही उस में बिठाया जा रहा है।'

'उस कोच में अकेला प्रोफेसर ही होगा?' जेम्स ने पूछा।

'कोच में उस कैद के लिए साइबेरिया ले जाये जाने वाले कैदी भरे पड़े हैं।' प्रोफेसर को ले जाने वाला वह कोई स्पेशल डीमक्स कोच नहीं है। वह तो कैदियों और मौत की सजा पाये हत्यारों से भेड़ बकरियों की तरह भरा हुआ एक गन्दा सा रेल का डिब्बा है जिसमें प्रोफेसर को भी कैदियों की तरह ठूसा जा रहा है।'

फिर मेजर ने एक अन्य स्थान पर उंगली रखी- 'यह सैकजर्ड शहर है। यहां से यूगोस्लाविया का बार्डर केवल साठ किलोमीटर दूर है। यहाँ तक में रोड और रेलवे लाइन लगभग समानान्तर चलती हैं। यहाँ आकर रेलवे लाइन तो सीधी पैक्स तक चली जाती है और सड़क रेलवे लाइन को कास करती हुई नव्हे अंश के कोण पर घूम जाती है। अगर हम लोग कुछ कर सकते हैं तो सैकजर्ड और पैक्स के बीच में ही कर सकते हैं। और कुछ किया कैसे जायेगा, यह भारी समस्या है। मैं किसी भी ट्रेन को यँ पटरी से उतार सकता हूँ।' मेजर हावार्थ चुटकी बजा कर बोला- 'लेकिन पैक्स मेल को डिटेन नहीं करूंगा। वह रेगुलर सर्विस ट्रेन है और उसमें मेरे सैकड़ों निर्दोष देशवर्सी सफर कर रहे होंगे। एक आदमी की खातिर मैं सैकड़ों स्त्री, पुरुषों और बच्चों का हत्यारा बनना स्वीकार नहीं कर सकता।'

'जरा मुझे नक्शा दिखाओ।' जेम्स बोला।

मेजर ने नक्शा उसके आगे कर दिया।

जेम्स कितनी ही देर नक्शे का अध्ययन करता रहा।

उसने मन ही मन एक स्क्रीम तैयार की।

उसने नक्शे में एक स्थान पर उंगली रख दी। वह स्थान पैक्स के उत्तर में थोड़ी ही दूर था। वहाँ पर सैकजर्ड के बाद रेलवे लाइन से दूर हो जाने वाली सड़क लगभग चालीस किलो मीटर के बाद फिर रेलवे लाइन के समानान्तर आ जाती थी।

'आप लोग ट्रक द्वारा ट्रेन से पहले इस स्थान पर पहुंच सकते

हैं?

'हाँ, बशर्ते कि किरमत्त हमारा साथ दे। अगर बर्फ के भारे सड़क कहीं ब्लाक हो गई होंगी तो मुश्किल हो जायेगी। लेकिन फिर भी जब तक सैन्डर साथ है तब तक हम लोग वहाँ पहुँचने का अच्छा खासा दावा कर सकते हैं। सैन्डर के आगे दुनियाँ की कोई रुकावट बाधा नहीं बनती।'

'वैरी वेल। मेरी स्कीम यह है।' जेम्स बोला और उसने नौ तुल्य शब्दों में अपनी स्कीम बयान कर दी।

सिराव धीरे धीरे नकारात्मक ढंग से सिर हिलाने लगा। लेकिन भाषण द्वारा प्रबल प्रतिवाद करने वाला व्यक्ति मेजर हावार्थ था- 'असम्भव! यह नहीं हो सकता।'

'ऐसा पहले किया जा चुका है।' जेम्स दृढ़ स्वर से बोला- 'सन् 1955 में, वॉसगेस की पहाड़ियों में ऐसी ही स्कीम बड़ी सफलतापूर्वक काम में लाई जा चुकी है। और फिर इसके अतिरिक्त और कोई रास्ता भी तो नहीं है। चुपचाप बैठ कर हार स्वीकार कर लेने से तो कहीं अच्छा है कि इस असम्भव लगाने वाली स्कीम को ही टूट कर लिया जाये।'

'ठीक है।' सिराव बोला।

'जैसा सब लोग कहें।' मेजर ने भी प्रतिवाद करना बन्द कर दिया।

जेम्स सन्तुष्ट दिखाई देने लगा।

'सैकजर्ड स्टेशन पर गाड़ी लगभग ढाई घण्टे के बाद पहुँची।' मेजर बोला- 'हमें उससे पहले वहाँ पहुँच जाना है। तैयार हो जाओ।'

सब लोग उठ खड़े हुए। मेजर ने नक्शा समेट लिया।

* * *

बर्फ का तूफान चल रहा था।

रेलगाड़ी कांपती डोलती रेल की पटरियों पर भागी जा रही थी। तूफान की रफ्तार इतनी तीव्र थी कि हर क्षण यही लगता था कि रेलगाड़ी तिनके की तरह हवा में उड़ जायेगी। सुनसान रास्तों पर रेल चलने की आवाज तोप के धमाकों की तरह गूँज रही थी। रेलगाड़ी बड़े पुराने ढंग की थी। सारे कोच लकड़ी के बने हुए थे और उनके खिड़कियों और दरवाजों को देखकर हैराती होती थी कि वे उस वेगवान् तूफान के सामने टिके कैसे हुए हैं?

तमाम कठिनाइयों के बावजूद भी रेलगाड़ी शाम के झुटपुटे में आगे बढ़ी जा रही थी।

जल्दगाड़ी के भीतर जेम्स कांच के लम्बे पतले गलियारे में लड़खड़ाता हुआ आगे बढ़ रहा था। वर्ष के तूफान की उसे आशा नहीं थी। मौसम उसकी उम्मीद से ज्यादा खराब हो गया। जो काम उसने 1954 में वांग्संग की पहाड़ियों में गर्मियों की तारी भरी रात में किया था, वही काम आज उसे अब जीरो टेम्परेचर में वर्ष के तूफान का मुकाबला करते हुए करना था। वे और गिरेव सेकजर्ड जल्द स्टेशन से केवल दस मिनट पहले ही बैठे थे और उन दस मिनटों में ही उसके मस्तिष्क में अपनी असम्भव रस्कीम के सफल होने की जो रही सही आशा थी वह भी खत्म हो गई थी।

उसकी रस्कीम कहने सुनने में बेहद खराब थी। उसने प्रोफेसर को मुक्त कराना था और प्रोफेसर को मुक्त कराने के लिए उसे प्रोफेसर वाला स्पेशल कांच बाकी ट्रेन से अलग कर देना था और यह तभी सम्भव था जबकि गाड़ी रुक जाए और उस स्पेशल कांच को गाड़ी के डब्ले से जोड़ने वाली कर्पासिंग को खोलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाये। उसे किसी भी प्रकार इंजन तक पहुंचना था और ड्राइवर को इस बात के लिए तैयार करना था कि वह एक निश्चित स्थान पर गाड़ी को रोक दे। ड्राइवर, तो उसे आशा थी साम्यवादियों से तंग आया हुआ कोई हमरी का साधारण नागरिक ही होगा और सम्भव था वह स्थिति को समझकर जेम्स की प्रार्थना स्वीकार कर ले और ड्राइवर और कांचवाला डौकने वालों को मार देने का मतलब था, खुद उसकी, गिरेव की, प्रोफेसर की और सेकजर्ड निर्दोष मुसाफिरों की मौत क्योंकि वह तो गाड़ी का इंजन चलाना जानता नहीं था और ड्राइवर वगैरह धमकी से डरकर गाड़ी रोक ही दें इस बात की कोई गारन्टी नहीं था।

लेकिन पहले तो इंजन तक पहुंचना ही चांद तक पहुंचने जैसा कठिन कार्य था।

उसने अपना एक हाथ कांट की जेब में डाला हुआ था ताकि उसमें रखी बैटरी और हथौड़े का उभार किसी को सन्देहजनक न लगे और दूसरे हाथ से वह खिड़कियों के साथ-साथ लगे सीखियों का सहारा लिए आगे बढ़ रहा था।

मोड़ पर वह गिरेव से टकरा गया।

गिरेव ने बिना जेम्स की ओर देखे माफी मांगी और आगे बढ़कर उस स्थान पर पहुंच गया जहाँ से सामने का गलियारा पूरा दिखाई दे रहा था। फिर उसने टायलट का द्वार खोलकर भीतर झांका। टायलट खाली था।

'वेल!' वह हाठों ही हाठों में बुदबुदाया।

‘दो आदमी मुझे अपनी निगरानी करने हुए मालूम हो रहे हैं।
जम्स ने बताया।

‘कौन हैं?’

‘मालूम नहीं! कपड़ों से तो वह पुलिस के आदमी नहीं मालूम
होते... वे आ रहे हैं।’

मिरांव ने गलियारों के दूसरे कोनों की ओर दृष्टिपात किया जहाँ
दो टैच कोट धारण आदमी दिखाई दे रहे थे।

वह टायलेंट में घुस गया। उसने द्वार इतना बन्द कर लिया कि
चौखट और द्वार के बीच में केवल एक दरार-सी रह गई।

दोनों आदमी चलते हुए जम्स की बगल में से गुजर गए। एक ने
विचित्र नेत्रों से जम्स को देखा जबकि दूसरे ने उस ओर झाँका भी
नहीं।

उनके दृष्टि से आँझल होते ही मिरांव टायलेंट से बाहर निकल
आया।

‘तुम ठीक कह रहे हो। वे तुम्हें सन्देह की निगाहों से देख रहे
हैं। वे लोग वही दो तीन चक्कर और तुम्हारे आस पास लगावेंगे
और उसके बाद तुमसे तुम्हारे कागजात की माँग कर बैठेंगे। उनमें
से एक को मैं पहचानता हूँ। वह सीक्रेट पुलिस का आदमी है।
दूसरा पता नहीं कौन है। अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कांग्रेस के दौरान
में बुडापेस्ट को आने वाली या बुडापेस्ट से जाने वाली हर ट्रेन में
सीक्रेट पुलिस के आदमी तैनात हैं तुम एक बार कर्नल हील्स के हाथ
में फँस कर निकले हो। तुम्हारा हुनिया हर सीक्रेट पुलिस के
आदमी को बता दिया गया होगा। वह आदमी खतरनाक साबित हो
सकते हैं। सम्भव है वह तुम्हें पहचान जायें।’

‘इन्हें मैं सम्मान लूँगा। आप नई बात बताइयें।’

‘गार्ड के डिब्बे में तीन सशस्त्र सिपाही मौजूद हैं। कैदियों के डिब्बे
में कोई सिपाही नहीं है।’

‘क्यों?’

‘क्योंकि कैदियों को डिब्बा खून जमा देने की हद तक ठण्डा है
और गार्ड के डिब्बे में अंगीठी सुलग रही होगी। वे सिपाही अंगीठी
के इर्द गिर्द बैठे हुए होंगे। हमेशा ऐसा ही होता है। सिपाही कैदियों
के साथ सफर नहीं करते। वे कैदियों के डिब्बे को बाहर से ताला
लगाकर गार्ड के साथ जा बैठते हैं। और...?’

मिरांव चुप हो गया और निर्लिप्त भाव से दूसरी ओर देखने
लगा।

जम्स ने देखा क्या दोनों आदमी वापिस लौट रहे थे। दोनों

धीरे-धीरे चलते हुए गिरंग और जेम्स के बीच में से गुजर गए।

'अभी तो यह तुम्हें साइकलोजिकल ट्रीटमेंट दे रहे हैं।' गिरंग बोला।

जेम्स के हाथों पर एक विपरीत मुस्कुराहट दौड़ गई।

'तुम्हारी क्या पोजीशन है?'

'गलियारों के रास्ते इन्जन तक पहुंचना असम्भव है।' जेम्स ने बताया।

'क्यों?' गिरंग के माथे पर वन पड़ गया।

'इन्जन की ओर से तीसरे डिब्बे में फौजी भर पड़े हैं। मैंने गलियारों में से आगे बढ़ने का प्रयत्न किया था लेकिन एक अफसर ने मुझे डांट कर भगा दिया था। मैंने लौटते समय एक बाहर के द्वार का हैंडिल घुमा कर देखा था, ताला लगा हुआ था।'

'फिर क्या करेंगे?'

'कुछ तो करेगा ही। करना ही पड़ेगा। आपको सीट मिली है।'

'हाँ! गार्ड से अगले डिब्बे में।'

'आप जाइये, मैं भी जाता हूँ। कुछ करने से पहले आप को बता जाऊंगा।'

'गइट!' गिरंग बोला और वापिस चलने लगा।

विपरीत दिशा से टैंक कांट वाले दोनों आदमी फिर आ रहे थे।

जेम्स लापरवाही से गलियारों में चलने लगा।

समाप्त आकर उन दोनों ने भावहीन चेहरों से जेम्स को देखा और आगे गुजर गए।

पता नहीं यह घूँट दिल्ली का खेल कब तक चलेगा। जेम्स ने सोचा।

वह गलियारों में चलता हुआ दो कोच और पार कर गया।

दोनों कोच में पहुंच कर वह दूसरे गिरंग पर वन टायलट में घुस गया। उसने टायलट और हथौड़ा कपबोर्ड के पीछे छुपा दिए, रिवाल्वर को भीतर की जेब में निकाल कर कांट की बाहर वाली जेब में रख लिया और टायलट से बाहर निकल आया।

उसने धीरे से एक सिडकी का शीशा लगभग दो इंच ऊपर उठाया। बर्फ़ीली हवा का तेज झोंका उसके शरीर को तनवार की तरह काट गया। उसने पौरुष शीशा गिरा दिया।

उसने कम्यूटमेंट की दीवार के साथ पीठ टिको ली और फिर कांपते हाथों में एक गिरंगट सुलगा दिया।

तूफान रेल की रफ्तार से भी ज्यादा तेजी से चल रहा था और मुसीबत यह थी कि गाड़ी तूफान से विपरीत दिशा में चल रही थी।

एक क्षण के लिए खिड़की खोलने का परिणाम यह हुआ था कि वह जिर से पांच तक कांप गया था और अभी भी कांप रहा था। अगर ऐसे मौसम में कई मिनट तक बाहर रहना पड़ जाए तो....?

सिगरेट के कई लम्बे कश लेकर उसने सिगरेट को फेंक दिया और दोनों डिब्बों को जोड़ने वाली कर्पासिंग में से होता हुआ अगले डिब्बे में चला गया।

अभी तक दोनों आदमी वापस नहीं लौटे थे।

वह द्वार टायलट में घुस गया। अपने चाकू की सहायता से खुंटी पर से एक लकड़ी का टुकड़ा काट लिया और फिर उसे छील कर डोर कैच के छेद के नाप का बिना लिया।

उसने वापस द्वार के समीप आकर द्वार खोला और लकड़ी का टुकड़ा डोर कैच के सामने के छेद में टाँक दिया। उसने द्वार फिर बन्द कर दिया। द्वार तो बन्द हो गया लेकिन डोर कैच लकड़ी फंसी होने के कारण छेद में नहीं फसा।

गलियारे के दूसरे जिर पर वहीं दो आदमी वापस आते दिखाई दे रहे थे।

जैम्स फिर टायलट में घुस गया। इस बार उसने जानबूझ कर बड़ी जोर से द्वार बन्द किया ताकि भड़क की आवाज उन दोनों आदमियों के कानों में भी पहुंच जाए।

अन्दर फर्श पर एक गुराही पड़ी थी। जैम्स ने उसे पानी से भरा और फिर उसे पूरी शक्ति से टायलट के शीशे को खिड़की पर दे मारा।

शीशे टूटने की झन्नाहत से वातावरण गुंज उठा।

बाहर से भागते कदमों की आहट सुनाई दी।

जैम्स ने धीरे से टायलट का द्वार खोला और बाहर झाँका।

दोनों आदमी दरवाजे की खिड़की का शीशा उठाए बाहर अंधेरे में झाँका रहे थे और यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि क्या हो गया है और जैम्स कहाँ गायब हो गया है?

उनके ऐसे ही किसी एक्शन की जैम्स प्रतीक्षा भी कर रहा था।

जैम्स बिजली की तरह आगे बढ़ा। समीप पहुंचकर उसने हवा में छलांग लगाई और फिर उसके पांच पूरी शक्ति से एक दुल्हती की सूरत में दोनों आदमियों की पीठ से टकराये।

द्वार भड़क से बाहर की ओर खुल गया। छेद में फंसाई हुई लकड़ी टूट गई और द्वार फ्री हो गया।

दोनों में से एक आदमी तो चिल्ला भी नहीं पाया था कि वह एक बार हवा में उछला और फिर पचास मीटर की गफ्तार से जानी हुई

जल से बाहर कहीं विलिन हो गया।

आखिरी क्षण पर दूसरे आदमी के हाथ में द्वार की खिड़की आ गई थी और वह झूलते हुए द्वार के सहारे बाहर हवा में लटका हुआ था और कम्पार्टमेंट के भीतर आने के प्रयत्न में घुरी तरह छटपटा रहा था।

जेम्स ने अपनी रिवाल्वर निकाली और उसे नाल से पकड़ कर उसका एक प्रहार उस आदमी की खोपड़ी की ओर घुमा दिया।

उस आदमी ने प्रहार से बचने के लिए अपना एक हाथ सिर के आगे कर लिया।

रास्ते में ही जेम्स ने अपने हाथ की दिशा बदल दी और फिर रिवाल्वर की मूठ उस आदमी के उस हाथ से टकराई जिस से वह दरवाजा पकड़े हुए था।

उस आदमी के गले से निकली तेज चीख पहियों की खड़खड़ाहट में खो गई और उस चीख के साथ ही वह भी दृष्टि से ओझल हो गया।

जेम्स ने दरवाजा बन्द कर दिया और वापिस उस वाथरूम में लौटा जहाँ उसने अपनी बैटरी और हथौड़ा छुपाए थे।

दोनों चीजें दुबारा जेब के हवाले करके वह वाथरूम से बाहर निकल आया और कोच के कोने वाले द्वार की ओर बढ़ा। उसने कोने वाला द्वार खोला।

तूफान का इतना तेज झोंका भीतर प्रविष्ट हुआ कि जेम्स के लिए अपना सन्तुलन कायम रख पाना कठिन हो गया। वह बरबस लड़खड़ाता हुआ दो कदम पीछे हट गया।

दीवार का सहारा लेकर वह फिर बड़ी मजबूती से कदम रखता हुआ आगे बढ़ा और द्वार के समीप पहुंच गया। उसने द्वार के बाहर की ओर लगी हुई रेलिंग को पकड़ा और डिव्ये के पायदान पर उतर गया और द्वार बन्द कर दिया।

अब वह गाड़ी के बाहर लटका हुआ था।

तूफान भीषण वेग से चल रहा था। चारों ओर बर्फ ही बर्फ दिखाई दे रही थी।

जेम्स को यूँ लग रहा था जैसे अभी वह तूफान के साथ एक तिन्के की तरह उड़ जायेगा। उसके चेहरे पर और खुले हाथों पर बर्फ के गोले टकरा रहे थे और उसे यूँ लग रहा था जैसे उसे सूइयाँ चुभोई जा रही हों।

अंधारे और बर्फ के तूफान के कारण जेम्स को अपने से दो फुट फासले की चीज भी दिखाई नहीं दे रही थी। उसने अन्धों की तरह

कोच की बाहर की सतह को टटोला लेकिन उसके हाथ में ऐसा कोई सहारा नहीं आया जिसके द्वारा वह आगे बढ़ पाता।

उसने अपने दोनों पांव मजबूती से पायदान में फंसाए, अपनी बांह को रेलिंग के साथ लपेटा और दावें हाथ को मुक्त करके जेब से टार्च निकाली। उसने टार्च जलाकर उसका प्रकाश डिब्बे के पिछले भाग पर डाला। अधिक देर तक चलती हुई गाड़ी पर एक हाथ के सहारे लटका रहना सम्भव नहीं था। वह केवल दस सैकंड तक ही टार्च जलाए रह सका। उसके बाद उसने फौरन टार्च जेब में रखकर रेलिंग पर दूसरे हाथ द्वारा भी अपनी पकड़ मजबूत की।

उस दस सैकंड के समय में ही वह डिब्बे के बाहर की स्थिति का अच्छी तरह अवलोकन कर चुका था। वह द्वार जिसके बाहर वह लटका हुआ था, डिब्बे के पिछवाड़े से केवल पांच फुट दूर था। डिब्बे के पृष्ठ भाग पर लोहे की सीढ़ियां सी लगी हुई थीं। उस पांच फुट के फासले के बीच में एक बाथरूम की सीखचदार खिड़की थी लेकिन उसके नीचे पांव टिकाने का किसी प्रकार का सहारा नहीं था।

जेम्स ने एक भी क्षण विचार करने पर नष्ट नहीं किया क्योंकि परिस्थिति विचार करने जैसी नहीं थी। जो कुछ वह करने वाला था उस पर दुबारा विचार करने पर उसका मन कभी उस बात के लिए गवाही नहीं देता। निपट अन्धकार में केवल अनुमान से बाथरूम की सीखचदार खिड़की की ओर कूद पड़ना गाड़ी से गिरकर और फिर उसके पहियों के नीचे आ कुचला जाना तत्काल मृत्यु को निमन्त्रण देने जैसा था।

पायदान के एकदम गिरे पर पहुंच कर उसने छलांग लगा दी।

एक क्षण के लिए वह चलती गाड़ी के साथ बिना किसी सहारे के हवा में झूला, फिर उसका शरीर भड़ाक से गाड़ी के साथ टकराया और फिर उसका एक हाथ बाथरूम की खिड़की के सीखचों में फंस गया। अब उसके दोनों हाथ सीखचों पर जकड़े हुए थे और उसका शरीर तूफान और गाड़ी की रफ्तार के साथ हवा में उड़ा जा रहा था। हर क्षण उसे यूँ लग रहा था कि सीखचों से उसकी पकड़ हट जायेगी। अधिक देर तक उस भयंकर स्थिति में रह पाना सम्भव नहीं था। बड़ी मेहनत से जेम्स अपने बाकी शरीर को अधिकार में कर पाया। उसके घुटने रेलगाड़ी के साथ लग गए। सावधानी से उसने अपना एक पैर उस कोच को अगले कोच से जोड़ने वाले कर्पलिंग की ओर बढ़ाया।

उसका पांव कर्पलिंग पर जा टिका।

उसी प्रकार उसका दूसरा पांव भी कर्पलिंग पर पहुंच गया। अब उसके पैर तो कर्पलिंग पर थे और हाथ अभी भी सीखचे थामे हुए थे। उसका शरीर जमीन से तीस अंश के कोण पर मुड़ा हुआ था।

फिर उसने अपना एक हाथ सीखचों से मुक्त किया और उससे कोच का किनारा टटोलने लगा। एक हुक जैसी चीज पर उसका हाथ पड़ा। उस हुक को खींच कर पहले उसने उसकी मजबूती को परखा और उसे अपनी शरीर का वजन सम्भाल लेने योग्य मजबूत पाकर उसने सीखचों से अपना दूसरा हाथ भी हटा लिया।

उसी क्षण गाड़ी एक मोड़ घूमती हुई एक सुरंग में घुस गई।

एक क्षण के लिए तूफान के थपेड़े उसके शरीर से टकराने बन्द हो गए।

उसने दोनों हाथों में हुक को मजबूती से पकड़ लिया।

फिर उसने टटोल-टटोल कर लोह की सीढ़ियों तक हाथ पहुंचाए।

गाड़ी सुरंग से बाहर निकल आई।

तब तक जेम्स लोह के ढंडों वाली सीढ़ी पर पहुंच चुका था। उसके पैर भी कर्पलिंग से हटकर सीढ़ी के सबसे नीचे वाले ढंडे पर आ चुके थे।

अब उसे गाड़ी के नीचे भागती हुई रेल की पटरियां दिखाई दे रही थीं।

वह एक एक पांव मजबूती से रखता हुआ कोच की छत पर पहुंच गया।

कोच की लकड़ी की ढलुआं छत पर वर्ष जमी हुई थी और वहाँ कोई ऐसी चीज भी नहीं थी जो सहारे के लिए इस्तेमाल की जा सके। बिना सहारे के वर्ष का तूफान जेम्स को एक तिनके की तरह उड़ा ले जाता।

जेम्स के मन पर निराशा छाने लगी। उसने अपनी सारी मेहनत बेकार जाती मालूम होने लगी। एक क्षण, केवल एक क्षण के लिए उसके मन में ख्याल आया कि वह वापिस रेल के आरामदेह वातावरण में चला जाए। लेकिन फौरन ही उसने अपने मन से वह ख्याल झटक दिया। उसके नेत्रों के सामने वृद्ध प्रोफेसर का चेहरा घूम गया जो गाड़ी के आखिरी हिस्से में पेशवर मुजरिमों के बीच जानवरों की तरह टुसा बैठा था। उसे गिराव का ख्याल आया जो बिना किसी स्वार्थ के केवल इसलिए जेम्स की सहायता कर रहा था क्योंकि वह उसके मित्र मेजर होवार्थ से सम्बद्ध है। उसे मेजर

हाथों का ख्याल आया जो सड़क के रास्ते बर्फीली सड़कों पर टूक चलाता हुआ निश्चित स्थल पर जेम्स से पहले पहुंचने का प्रयत्न कर रहा था। उसे सेंडर डमर और जूलिया का ख्याल आया जो उसे जानते भी नहीं थे लेकिन फिर भी इसलिए उसकी सहायता कर रहे थे क्योंकि उनके अंग्रेज ऐसा कर रहे हैं।

‘मुझे वह काम करना ही होगा!’ वह मन ही मन बुदबुदाया- ‘असफल रहकर मुझे उन लोगों को मुह दिखाने का अधिकार नहीं।’

उसने अपनी जब से चाकू निकाल लिया। बटन दबाकर उसने चाकू खोला और फिर पूर्ण शक्ति से उसके फल का प्रहार बर्फ से दबी डिव्ये की लकड़ी की छत पर किया।

बर्फ को चीरता हुआ चाकू खुटे की तरह छत पर गड़ गया।

जेम्स चाकू को पकड़ कर लांहे की सीढ़ियों से ऊपर आ गया और छत पर लट गया।

उसने एक बार फिर टार्च निकाली और उसका प्रकाश डिव्ये की छत पर डाला छत के बीचोंबीच कई स्थानों पर उसे चिमनी जैसा लगभग छ. इन्ज ऊंचा गोल प्रोजेक्शन सा दिखाई दिया। शायद वह स्थान था जहाँ से टायलर की टर्की में पानी पहुंचाया जाता है। उसने टार्च बन्द करके जब में रख ली।

अपने एक हाथ में मजबूती से चाकू को थामे जेम्स पहले प्रोजेक्शन की ओर घिसटने लगा।

प्रोजेक्शन उसके हाथ में आ गया। उसने अपनी एक बांह प्रोजेक्शन के गिर्द लपेट ली और दूसरे हाथ से चाकू को अपने स्थान से उखाड़ने लगा।

चाकू फिर उसके हाथ में आ गया।

दूसरा प्रोजेक्शन बहुत दूर था।

उसने फिर चाकू को अपने सामने लकड़ी में गाढ़ा उभरे उसके सहारे दूसरे प्रोजेक्शन तक पहुंचने का प्रयत्न करने लगा।

दूसरा प्रोजेक्शन हाथ में आ जाने पर उसने चाकू को फिर उखाड़ लिया।

उसी क्षण गाड़ी एक गहरे मोड़ पर घूमने लगी।

अप्रत्याक्षित सैट्रीफ्यूगल कोर्स के कारण जेम्स की पकड़ प्रोजेक्शन से छूट गई और उसका शरीर बर्फीली सपाट छत पर ढलान की ओर फिसलने लगा।

जेम्स आतंकित हो उठा।

उसने छटपटाते हुए दायां-बायां हाथ मारा लेकिन कोई सहारा उसकी पकड़ में नहीं आया।

वह फिसलता हुआ एकदम गाड़ी के गिरे पर पहुँच गया था।
उसी क्षण किसी अज्ञात भावना से प्रेरित होकर उसने अपना
चाकू वाला हाथ भड़ाक से छत पर दे मारा।
चाकू छत में गड़ गया।

तब तक जैम्स का सारा शरीर छत से फिसल कर अधर में
लटक चुका था। केवल चाकू पर उसके एक हाथ की पकड़ उसका
सम्पर्क रेलगाड़ी से स्थापित किए हुए थी और उसे निश्चित मान से
बचाये हुए थी।

चाकू किसी भी क्षण छत पर से उखड़ सकता था।

जैम्स पूरी शक्ति से अपने डिव्हे की साइड में लटके हुए शरीर
को खींचकर छत पर लाने का प्रयत्न कर रहा था लेकिन सम्भव
नहीं हो पा रहा था।

कई क्षण वह उर्मी स्थिति में लटका रहा।

चाकू के गिरे लिपटी हुई उसकी उंगलियों में से शक्ति घटती जा
रही थी और किसी भी क्षण चाकू से उसकी पकड़ टूट सकती थी।

फिर गाड़ी मोड़ को छोड़कर सीधी पटरियों पर दोड़ने लगी।

जैम्स सेंट्रीफ्यूगल फोर्स की हत्यागण पकड़ से निकल आया।

आशान्वित होकर उसने दोबारा हाथ पाव मारने शुरू कर दिए।

एक-एक इन्च सरक कर उसने फिर अपना शरीर डिव्हे की छत
पर खींच लिया।

प्रोजेक्शन फिर उसकी पकड़ में आ गया।

जैम्स ने फिर अपने सामने की ओर छत पर चाकू का प्रहार
किया लेकिन इस बार चाकू किसी कठोर वस्तु से टकराया और
जैम्स का हाथ झन्ना गया। उसने देखा कि चाकू का फल एकदम
मूठ से उखड़ गया था। मूठ उसके हाथ में रह गई थी और फल
शायद किसी कील की टोपी से टकरा कर टूट गया था और कहीं
गायब हो गया था।

जैम्स ने चाकू की मूठ फेंक दी। उसने दाईं और दृष्टि फिगाई,
सड़क अब रेल की पटरियों के एकदम समानान्तर चल रही थी।

आगे बढ़ने का आखिरी साधन भी हाथ से निकल गया था।

उसने प्रोजेक्शन को अपनी टांगों के बीच में दबाया और
लेंटे-लेंटे ही आगे की ओर हाथ बढ़ाकर छत टटोलने लगा। दूसरा
प्रोजेक्शन शायद दूर था। वह उसके हाथ में नहीं आया। वह और
आगे तभी बढ़ सकता था जबकि वह प्रोजेक्शन को अपनी टांगों की
पकड़ से मुक्त कर दे। ऐसा करने पर वह छत पर टिका नहीं रह
सकता था। बर्फ का तपान एक क्षण में उसे तिनके की तरह अपने

साथ उड़ा कर ले जाता।

फिर एकाएक एक वहशी ख्याल उसके दिमाग में आया।

उसने स्वयं को प्रोजेक्शन के आस-पास समेट लिया और उकड़ होकर बैठ गया। उसने जब से फिर टार्च निकाली और उसका शक्तिशाली प्रकाश सामने की दिशा में डाला।

उसके और इंजन के बीच में दो डिब्बे और थे।

जेम्स ने मन ही मन फासला नापा। हर दो-दो डिब्बों के बीच में खाली छुटी जगह की स्थिति को मन ही मन याद किया और फिर टार्च बुझाकर वापिस जब में रख ली।

फिर वह एक झटके के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो गया और पागलों की तरह तूफान के बेग को चीरता हुआ गाड़ी की छत पर भागा।

उसने पहला डिब्बा कास किया, दूसरा डिब्बा कास किया और फिर धम्म से इंजन के कोयलों के ऊपर जा गिरा।

उसके सारे शरीर में पीड़ा की एक तीव्र लहर दौड़ गई, लेकिन उसने जरा भी परवाह किये बिना सिर ऊपर उठाया।

तीन व्यक्ति आश्चर्य और अविश्वास भरे नेत्रों से उसे घूर रहे थे।

एक ड्राइवर था, दूसरा फायरमैन था और तीसरा... तीसरा एक कारवाइनधारी सिपाही था।

तीनों सकते ही हालत में जेम्स को देख रहे थे जैसे वह आसमान से टपका हो।

जेम्स ने फुर्ती से जब में से रिवाल्वर निकाली लेकिन अभी उसकी उंगलियां ट्रिगर पर पहुंची भी नहीं थी कि रिवाल्वर उसके हाथ से निकल कर कोयलों पर जा पड़ी। उसके हाथ ठण्डक के मारे निर्जीव हो चुके थे और उंगलियों में रिवाल्वर थामने की या रिवाल्वर का घोंडा दवाने की शक्ति नहीं रह गई थी।

सबसे पहले सिपाही सकते की हालत में से निकल पाया। उसने फुर्ती से कारवाइन अपने कंधे से उतारी और वह जेम्स का निशाना बनकर गोलों चलाने ही वाला था कि फायरमैन का बेलचा भट्ठाक से सिपाही के सिर के पिछले भाग से टकराया। सिपाही के हाथ से कारवाइन निकल गई और उसका अचेत शरीर कोयलों के ढेर पर आ गिरा।

जेम्स धीरे से कोयलों पर से उठा। उसके शरीर के कितने ही भागों पर से कपड़े फट गए थे और वहाँ से छिली हुई चमड़ी झांक रही थी। उसके चेहरे पर कोयलों की कारनिज चढ़ गई थी और वह

एक भयानक भूत सा मालूम हो रहा था।

फायरमैन, जो अधिक से अधिक बीस साल का होकर था, देखकर हँस रहा था।

फायरमैन अचंत सिपाही की ओर संकेत करता हुआ दांत निकाल कर बोला- 'बेचारा सिपाही मास्टर! अधिक गर्मी और अधिक सर्दी का दाहज झटका बरदाश्त नहीं कर सका और बेहोश हो गया।'

'लेकिन...!' जेम्स हेरनी से हंगेरियन में बोला- 'तुमने मुझे बताया क्यों?'

'देखा, प्यार!' फायरमैन बोला- 'तुम जो कांड भी हो, मुझे विश्वास है तुम इस साले कम्युनिस्ट सिपाही से तो अच्छे हो। अपनी आंखों के सामने किसी अपने देशवासी को किसी कम्युनिस्ट सिपाही को गोली का शिकार होते नहीं देख सकता।'

जेम्स ने शांति की सांस ली। प्रत्यक्ष था फायरमैन उसे हंगरी का ही नागरिक समझ रहा था।

'तुम रिजिस्ट्रेंस मूवमेंट के मैन्यर हो?' फायरमैन ने पूछा।

'हाँ!' जेम्स बोला- 'मैं रिजिस्ट्रेंस मूवमेंट के नेता से सम्बन्धित हूँ।'

'जनरल सिगेंव जें!' फायरमैन हेरनी से बोला।

'हाँ!' तुम जनरल का कैसे जानते हो?

'मैं भी रिजिस्ट्रेंस मूवमेंट का मैन्यर हूँ।'

'ओह!'

'हम तुम्हारी कुछ मदद कर सकते हैं?'

'आप लोग मेरी बहुत मदद कर सकते हैं!' जेम्स बोला और उसने सारी स्थिति बयान कर दी।

फायरमैन और ड्राइवर ने प्रश्नात्मक दृष्टि से एक दूसरे के देखा।

ड्राइवर हिचकिया रहा था।

'हमें तुम्हारी सहायता करने से कोई एतराज नहीं है।' अन्त में ड्राइवर बोला- 'लेकिन हमें अपनी सुरक्षा का भी तो ख्याल करना पड़ेगा।'

'क्या मतलब?'

'अगर हमने गाड़ी रोक दी तो बाद में हमसे भी तो प्रश्न किया जायेगा कि गाड़ी कैसे रुकी?'

'उसका इन्तजाम हो सकता है।'

'कैसे?'

'आप यह कह सकते हैं कि किसी ने रिवॉल्वर दिखाकर आपको गाड़ी रोकने के लिए बाध्य कर दिया था और बाद में आप दोनों के हाथ पांव बांध दिये थे।'

'यह ठीक है लेकिन रस्सी...?'

'मेरे पास है।' जेम्स बोला।

उसने अपने कसबे कमर से ऊपर उठाये और कमर के गिर्द लिपटी हुई बीस गज लम्बी सिल्क की रस्सी निकाल ली।

'आप लोग खुद ही एक दूसरे को बांधिए।' जेम्स बोला- 'मेरी तो उगलियां ठण्डक के मारे सुन्न हो गई हैं।'

'ठीक है।' फायरमैन बोला।

उसने रस्सी ले ली और उसे पहले ड्राइवर और फिर अपने हाथ पैरों के गिर्द लपेटने लगा।

इतने समय तक जेम्स इंजन की आग तापता रहा ताकि उसके सुन्न शरीर में रक्त का प्रवाह पुनर्स्थापित हो सके।

रस्सी की अखिरी गांठ जेम्स ने अपने हाथों से बांध दी।

दोनों जेम्स की सहायता करके सुन्न थे।

ड्राइवर के कहने पर जेम्स ने इंजन का वह लिवर आपरेट कर दिया जिससे गाड़ी रुकती है।

गाड़ी की गति धीरे-धीरे कम होने लगी।

जेम्स ने दोनों का धन्यवाद किया और इंजन के पायदान पर आ खड़ा हुआ।

जब गाड़ी की स्पीड इतनी कम हो गई कि जेम्स सुरक्षित रूप से चलते इंजन से कूद सके, तो वह नीचे कूद गया और फिर गाड़ी के पिछले डिब्बों के समीप पहुंचा, तब तक गाड़ी केवल रेंग रही थी।

गाई के डिब्बे से अगले डिब्बे के द्वार पर उसे सिरोंव के चेहरे की एक झलक दिखाई दी। उसके हाथ में रिवॉल्वर थी।

गाई का डिब्बा रेंगता हुआ जेम्स के सामने से गुजर गया।

फिर गाड़ी एकदम रुक गई और डिब्बों के बफर एक दूसरे से टकरा कर चुप हो गए।

हथौड़ा और टार्च जेम्स के हाथ में आ गए थे। उसने टार्च जला ली और फिर दोनों डिब्बों को जोड़ने वाले बोर्डिंग लिंक खोल दिए और एअर ब्रेक की कर्पासिंग पर हथौड़े का प्रहार करने लगा।

एक ही मिनट बाद गाड़ी का पिछला डिब्बा बाकी गाड़ी से एकदम अलग हो चुका था।

सिरोंव गाड़ी में से नीचे कूद पड़ा। उसके एक हाथ में एक बड़ा सा चाबियां का गुच्छा था और दूसरे हाथ में किसी भी विरोध पर

काबू पा लेने के लिए तैयार रिवाल्वर थी।
जेम्स ने सिरोव को संकट किया और खुद वापिस इजन की ओर भागा।

इजन के समीप पहुंच कर वह फिर भीतर घुस गया। जिस स्थान पर गाड़ी खड़ी थी उससे आगे एक नील तक गहरी ढलान थी।

ड्राइवर के निर्देशानुसार जेम्स ने एक बार फिर गाड़ी को थोड़ा स्टार्ट किया। गाड़ी चल पड़ने पर उसने र्टाम बन्द कर दी और ब्रेक खोल कर खुद नीचे कूद गया।

गाड़ी ढलान पर लुढ़कने लगी।

थोड़ी देर बाद गाड़ी पहाड़ियों पर दृष्टि से ओझल हो गई।

रेलवे लाइन पर केवल आखिरी डिब्बा खड़ा था।

वह वापिस उस डिब्बे की ओर भागा।

सिरोव तब तक डिब्बे का ताला खोल चुका था और प्रोफेसर को बाहर निकाल चुका था।

बाकी कैदी भी मुक्ति का वह अप्रत्याशित अवसर छंडने वाले नहीं थे। वे भी एक एक करके डिब्बे में से निकलने लगे और फिर जिधर सींग समाये, भागने लगे।

प्रोफेसर कुछ ही घन्टों में कई साल अधिक बूढ़ा लगने लगा था।

पहले तो स्वयं को मुक्त देख कर उसके चेहरे पर कोई भाव ही नहीं आये लेकिन धीरे-धीरे जब स्थिति उसकी समझ में आई और उसने जेम्स को देखा तो वह हर्षित हो उठा और बच्चों की तरह किलकारियां मारने लगा।

तीनों रेल और सड़क के क्रॉसिंग की ओर चल दिये।

अभी वे उस ओर केवल दस कदम ही चले थे कि उनके कानों में किसी की प्रसन्नता भरी चीख पड़ी।

मेजर चीखता, चिल्लाता और झंडे की तरह अपनी दोनों बांहें फहराता हुआ उनकी ओर भागा आ रहा था।

उसके पीछे-पीछे वैसे ही उल्लास की प्रतिमूर्ति बने सैन्डर, जूलिया और इमर थे।

* * *

अगली सुबह के लगभग साढ़े छः बजे वे लोग सिरोव के उस इलाके में स्थित हैडक्वार्टर में पहुंच गये। सिरोव का वह हैडक्वार्टर आस्ट्रेलिया के बार्थ से केवल दस मील दूर था।

हंगरी की बर्फ की मोटी तहों से ढकी हुई सड़कों पर लगातार चौदह घन्टे कार द्वारा सफर करने के बाद वे लोग वहाँ पहुंच पाये

थे। बर्फ की भयानक बौछार के कारण रास्ते इतने दुर्गम और खतरनाक हो गये थे कि वे लोग कभी भी बीस मील प्रति घन्टा से अधिक रफ्तार से गाड़ी नहीं चला पाये थे और तब भी हर क्षण दुर्घटना हो जाने की सम्भावना बनी रहती थी।

चौदह घन्टे का वह सफर जेम्स की जिन्दगी का सबसे दुखदाई सफर था।

पूरे चौदह घन्टे हर किसी को भारी उत्कंठा, पकड़े जाने की चिन्ता, ठंडक, भूख और अनिद्रा का डट कर सामना करना पड़ा था लेकिन इन तमाम मुश्किलों के बावजूद भी मंजिल पर पहुंच जाने के बाद हर किसी का चेहरा प्रसन्नता और सन्तुष्टि से दमक रहा था।

सारी रात गाड़ी का स्टेयरिंग व्हील केवल एक ही आदमी के हाथ में रहा था और वह था मेजर होवार्थ। चौदह घन्टे में तय किये गये द्वाई सौ मील के फासले में केवल मेजर होवार्थ ही गाड़ी चलाता रहा था।

रात में कितनी ही बार जेम्स ने सोचा था कि वह मेजर होवार्थ को आराम करने के लिए कंठ और गाड़ी खुद द्राइव करने लगे लेकिन हर बार उसने अपना यह विचार त्याग दिया था।

वह मेजर होवार्थ से अच्छा द्राइवर हरगिज भी नहीं था और फिर बर्फाली और खतरनाक मोड़ों वाली सड़कों पर गाड़ी को सम्भाल पाना उसे अपने बस की बात मालूम नहीं हो रही थी।

मेजर होवार्थ को आराम करने का अवसर देने से अधिक महत्वपूर्ण विषय था मंजिल पर सुरक्षित पहुंच जाना और उस स्थिति में यह तभी सम्भव मालूम हो रहा था जबकि गाड़ी का स्टेयरिंग व्हील मेजर होवार्थ के हाथ में हो।

पैकस से-जहाँ उन्होंने गाड़ी छोड़ी थी। सिरोंव के हैडक्वार्टर का फासला सीधे रास्ते से केवल सौ मील था। मेजर होवार्थ ने जानबूझ कर लम्बा रास्ता चुना था क्योंकि छोटा रास्ता सुरक्षित नहीं था। मेजर होवार्थ के कथनानुसार लेक बालाटन के पचास मील लंबे इलाके के कारण पश्चिम की ओर से आगिटूया के बार्डर पर पहुंच पाना असम्भव था और दक्षिणी इलाके और युगोस्लाविया के बीच की महत्वहीन सड़क की भी गैरक्रेट पुलिस द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही थी। लगभग ऐसी ही स्थिति बालाटन के उत्तरी भाग और बुडापेस्ट के बीच की सड़कों की थी। मेजर होवार्थ की नजर में सबसे अच्छा स्ट वही था जिनसे उन्होंने सफर किया था। वे पहले लगभग सवा सौ मील उत्तर में चले गये थे, और फिर राजधानी के

उत्तरी भाग का बाहर से चक्कर लगाते हुए आस्ट्रिया के राज मार्ग पर पहुंच गए थे।

सिराव के हेडक्वार्टर के रूप में प्रयुक्त होने वाली इमारत के आगमदेह वातावरण में पहुंच कर सबसे पहले उन्होंने डट कर भांजन किया और फिर मेजर होवार्थ ने 'बाराक' की बोटल निकाल ली।

सब लोग मेजर होवार्थ के समीप बैठ गये और 'बाराक' की घुस्कियां लेने लगे।

पूरी रात जागते रहने के बावजूद भी किसी को सोने की ज़रूरत नहीं थी क्योंकि सोने के लिए मार्ग दिन पड़ा था। मेजर होवार्थ और सिराव का आधी रात से पहले बार्डर क्रॉस करने का प्रयत्न करने का इरादा नहीं था।

आठ बजे सिराव ने रेडियो का स्विच आन कर दिया।

बुडापेस्ट रेडियो स्टेशन से समाचार प्रसारित होने लगे।

समाचार बुलेटिन में प्रोफेसर हेंगेल्ट जेनिंग्स के भाग जाने का कोई उल्लेख नहीं था और न ही किसी को इसकी आशा थी। साम्यवादी अपनी ऐसी भारी हार को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे।

मौसम की रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई कि अगले कई घन्टे तक लगातार पूरे हंगरी पर बर्फ की भारी वर्षा होने वाली थी। सबसे दिलचस्प समाचार यह था कि सारे दक्षिण-पश्चिम हंगरी में लेक वालाटन से युगोस्लाविया के बार्डर तक बर्फ के ऐसे भयंकर तूफान चल रहे थे कि यातायात व्यवस्था एकदम ठप्प हो गई थी। हर सड़क, रेलवे लाइन और एयरपोर्ट सब पूरी तरह ब्लाक हो चुके थे। किसी भी साधन के किसी भी प्रकार के यातायात की कोई सम्भावना नहीं थी।

वे लोग बड़े हल्के दिल से गप्पें हांक रहे थे। केवल इमर कहीं और बैठा इमारत के आगपास की निगरानी कर रहा था।

'प्रोफेसर!' एकाएक सिराव प्रोफेसर से सम्बोधित हुआ। 'आप जानते हैं साम्यवादी एजेन्ट आपको कहाँ ले जा रहे थे और बाद में आपकी क्या दुर्गति करने वाले थे?'

'जानता हूँ।' प्रोफेसर आक्रोश भरे स्वर से बोला।

'अब आप की साम्यवाद और साम्यवाद के पोषकों के बारे में क्या राय है?'

'राय!' प्रोफेसर भड़क कर बोला— 'वाई गाड, एक बार मैं इंग्लैंड पहुंच लूँ। मैं साम्यवाद के बख्शिये उधड़ कर रख दूंगा। मैं

साम्यवादियों को सारे संसार के सामने नंगा करके खड़ा कर दूंगा। मैं भी कोई मामूली आदमी नहीं हूँ मेरा दावा है देश के सारे समाचार पत्र मेरी बात सुनेंगे।

'आप कोई नया काम नहीं करेंगे?' सिरोंव धीरे से बोला।

'क्या मतलब?'

सिरोंव ने उत्तर देने का उपक्रम नहीं किया।

'सिरोंव का मतलब है!' मेजर होवार्थ बोला- 'कि साम्यवाद का पर्दाफाश पहले ही हो चुका है, उसके पहले ही बखिये उधड़े जा चुके हैं, उसको पहले ही नंगा किया जा चुका है।'

प्रोफेसर कई क्षण दांत भींचे चुपचाप बैठा, कभी सिरोंव को और कभी मेजर होवार्थ को देखता रहा। अन्त में वह काफी हद तक शान्त स्वर से बोला- 'लेकिन मैं इंग्लैंड वापिस पहुंच कर चुप तो नहीं बैठा रह सकता। माना मैं सारे रसा के सामने साम्यवाद का सही चेहरा उतनी कुशलता से प्रस्तुत नहीं कर सकता जितनी कुशलता से वे लोग कर सकते हैं जो साम्यवादियों द्वारा निरन्तर सताये गये हैं लेकिन कम से कम मैं जनता को साम्यवाद की फैलती हुई आग से सावधान तो कर सकता हूँ, कम से कम मैं लोगों को इस महामारी से बचे रहने की चेतावनी तो दे सकता हूँ।'

'इसकी अब जरूरत ही नहीं रही है?' सिरोंव बोला।

'सिरोंव का मतलब है।' होवार्थ बोला- 'कि अपने घर से बाहर तो साम्यवाद वैसे ही धराशायी होती जा रहा है।'

प्रोफेसर चुप रहा।

'मुझे पूरा विश्वास है कि हंगरी की जनता साम्यवादियों के दमन चक्र से डरती है लेकिन साम्यवाद में कोई आस्था नहीं रखती। मेरी बात पर विश्वास न हो तो किसी इतवार की सुबह को हंगरी के किसी चर्च में चले जाइये। आपको ऐसा लगेगा जैसे आज हंगरी की जनता को चर्च जानें से अधिक महत्वपूर्ण काम और कोई नहीं मालूम होता। अगर वे लोग साम्यवाद में विश्वास रखते होते तो क्या यूँ श्रद्धावश ही चर्च की ओर खिंचे चले आते।'

सिरोंव एक क्षण फिर रुका और फिर बोला- 'अगर हंगरी जैसे देशों में साम्यवाद पिटा है तो इटली और फ्रांस जैसे देशों में पनपा भी है। क्यों? क्योंकि, अभी तक वहां के लोगों ने साम्यवाद का वह भयानक चेहरा नहीं देखा है जो हमने देखा है।'

'तो फिर तुम लोग क्या चाहते हो?' प्रोफेसर बोला- 'जो कुछ मैंने देखा है या जो मेरे साथ बीती है, मैं वह सब भूल जाऊँ।'

'नहीं?' सिरोंव सिर हिलाता हुआ गम्भीर स्वर से

बोना-हरमिज नहीं, मेरे विचार में किसी भी बात के प्रति उदासीनता से बड़ा अपराध कोई नहीं है। डॉक्टर जेनिंग्स में चाहता है कि जब आप अपने घर पहुँचें तो अपने लोगों को बता दें कि सैन्ट्रल योरप का हर निवासी अपनी अकेली जिन्दगी अपने कंधे पर हो रहा है और समय बहुत कम है। आप अपने देशवासियों को बता दें कि हम भी स्वतन्त्रता के पवित्र वातावरण में साँस लेना चाहते हैं, कम से कम अपनी जिन्दगी में एक बार हम एक स्वतन्त्र देश के स्वतंत्र नागरिक कहलाना चाहते हैं। उन्हें बता दें कि हम अपने बच्चों को और अपने बच्चों के बच्चों को गुलामी की अन्धरी और अन्तहीन गड़क पर चलते नहीं देखना चाहते। हमारा स्वप्न है, शान्ति, हरे भरे खेत, धर्म के पवित्र वातावरण में बजती हुई घन्टियाँ, गन्नाध धूप में खिलते हुए निर्गुल और स्वतन्त्र बच्चे, जिन्हें, भगवान करे, कभी भी जीवन में अभाव या गुलामी का मुँह न देखना पड़े।

मिसेव चुप हो गया।

जेनिंग्स ने देखा! उसके घूँट चंदरे से तेज टपक रहा था। जेनिंग्स को उस क्षण में वह पहल में कहीं अधिक महान, कहीं अधिक विशाल व्यक्ति लगा।

‘तुम यह-अस्तित्व की बात कर रहे हो?’ प्रोफेसर बोना।

‘आज के संसार में वह बहुत जरूरी हो गया है कि शान्ति का विचार और शान्ति के लिए निःशर्तार्पण का विचार लोगों के ह्रिमाग में ठोक-ठाक कर बिठाया जावे। आज रण पर वह प्रकट करना बहुत जरूरी हो गया है कि हमारे इरादे शान्तिपूर्ण हैं। लेकिन जब तक अंग्रेज और अमेरिकन वेस्टर्न योरप के देशों की जंगी हथियारों से, हाइड्रोजन बमों से लस करते रहेंगे। तब तक हमें यह बात कैसे स्वीकार कर लेंगे कि हमारे इरादे शान्तिपूर्ण हैं। हमारे एक हाथ ने गुलाब का फूल हो और दूसरे हाथ में दमक हो तो कौन मान लेंगे कि हमारे इरादे शान्तिपूर्ण हैं।’

‘तुम ठीक कह रहे हो।’ प्रोफेसर बोना।

मिसेव विषदपूर्ण ढंग से सिर हिलाता हुआ चुप हो गया। प्रोफेसर का सिर झुका हुआ था। वह बहुत प्रभावित दिखाई दे रहा था।

मेजर होवार्थ, जूलिया और सैंडर चुप बैठे थे।

उसी क्षण डेवर भागता हुआ कमरे में प्रविष्ट हुआ।

‘क्या हुआ?’ मेजर होवार्थ ने तब रयर में पूछा।

‘किसी प्रकार रॉक्रेट पुनिय के इस इरादे का पता लग गया

है। तीन भारी मिलिट्री व्हीकलें डगी और चढ़े आ रहे हैं। इमर ने हाफने हुए बताया।

एव एवढम उठकर सड़ हो गये।

'हाँ!' इमर जल्दी जल्दी जवान चलाता हुआ बोला- 'मैं अपरली मन्जिल की एक खिड़की में बैठा था। मैं दूरबीन से आस-पास का इलाका देख रहा था। मुझे वे लोग संयोगवश ही दिखाई दे गये थे।'

'अभी वे कितनी दूर हैं?'

'लगभग आधा मील।'

'भागो,' मेजर होवार्थ जल्दी से बोला- 'सब लोग जाकर गाड़ी में बैठो। मैं तुम जाकर डाईविंग गेट पर बैठो और इंजन स्टार्ट रखो।'

सब लोग बाहर की ओर झपटे।

मेजर होवार्थ भीतर के एक कमरे में घुस गया।

जैम्स पहले तो कुछ कदम बाकी लोगों के साथ ही बाहर की ओर लपका लेकिन फिर सोच कर रुक गया। उसने इमर के हाथ से दूरबीन ले ली और छत की ओर ले जान वाली सीढ़ियों की ओर भागा।

दूसरी मन्जिल की छत पर पहुँच कर उसने दूरबीन आंखों से लगा ली और दूर तक फैली हुई बर्फ में देखने लगा।

दूर बर्फ से ढकी सड़क पर सबसे पहले उसे एक भारी सा हरे रंग का हर और से बन्द ट्रक दिखाई दिया। उसके पीछे एक उससे छोटा भूरे रंग का ट्रक था जिसमें कई फौजी भरे हुए थे। हरक के हाथ में कारबाइन या आर्सेनलिक रायफल जैसा कोई हथियार था।

भूरे ट्रक के पीछे जो तीसरा व्हीकल जैम्स को दिखाई दिया उसे देख कर उसका मुँह खुलना का खुलना रह गया।

वह एक टैंक था।

जैम्स नीचे भागा।

नीचे उसे मेजर होवार्थ दिखाई दिया। उसके एक हाथ में मशीनगन थी और दूसरे हाथ में बड़ा सा बग था।

'वे लोग टैंक लेकर आये हैं।' जैम्स ने हाफने हुए बताया।

'क्या? मेजर होवार्थ घाँका।

'मैं टीक कह रहा हूँ।'

'फिर तो कमरे में एक मशीनगन और गोलियों की पेंटी पड़ी है इन्हें ले आओ।' मेजर बाहर की ओर चढ़ता हुआ बोला।

जैम्स भीतर के कमरे में भागा।

उसने मशीनगन और गोलियों की पट्टियाँ उठाई और मेजर होवार्थ के पीछे लपका।

दोनों दौड़ते हुए बाहर आ गये।

सब लोग गाड़ी में बैठ चुके थे।

सैडर ड्राइविंग सीट पर बैठा।

'सैडर!' मेजर होवार्थ ने आदेश दिया—'गाड़ी स्टार्ट करो।'

'गाड़ी स्टार्ट नहीं हो रही है।' सैडर का व्यग्र स्वर सुनाई दिया।

मेजर ड्राइविंग सीट की दिशा में लपका।

'बाहर निकलो!' वह सैडर से बोला।

सैडर गाड़ी से बाहर निकल आया।

मेजर ने अपने हाथ का सामान उसे थमाया और खुद ड्राइविंग सीट पर जा बैठा।

कितनी ही देर वह डैश बोर्ड पर लगी विभिन्न चाबियों को उमटता रहा।

सब लोग व्यग्रता से उसका देख रहे थे।

गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई।

अन्त में वह गाड़ी से बाहर कूद पड़ा।

'भागो।' वह बोला।

'फुल वाली सड़क की ओर भागो।'

सीक्रेट पुलिस का काफला अभी दिखाई देना आरम्भ नहीं हुआ था।

सब फुल के पार पहुंच गये।

उसी क्षण सीक्रेट पुलिस का काफला इमारत के बगल की सड़क पर दिखाई देने लगा।

'तुम लोग सीधे इसी सड़क पर बाईर की ओर भाग जाओ। मेजर बोला।'

'और तुम!' जेम्स ने तीव्र स्वर से पूछा।

'सवाल मत करो।' मेजर गर्ज—'जो मैं कह रहा हूँ, वह सुनो। सिरोंवा को रास्ता मतम है। चलो, बहस करने का समय नहीं है।'

'लेकिन तुम यहाँ क्या करोगे?' जेम्स ने पूछा।

'मे शत्रुओं को तुम्हारे पीछे आने से रोकने का प्रयत्न करूँगा।'

'वह काम तुम अकेले नहीं कर सकते। मैं भी यहीं ठहरूँगा।'

'मूर्खता मत करो। मैं अकेला उन्हें रोक सकता हूँ। इस वेग में पर्याप्त बारूद और ताँप है। मैं यह फुल उड़ा दूँगा।'

'मैं नहीं जाऊँगा।' जेम्स हाथ में थमा मशीनगन को मजबूती से

धामता हुआ बोला।

‘क्यों?’

‘क्योंकि जो कुछ तुम करना चाहते हो, वह तुम अकेले नहीं कर पाओगे।’

‘और दो आदमी कर लेंगे?’

‘हाँ, जेम्स दृढ़ स्वर से बोला।’

‘आल राइट, मेजर बोला- ‘मशीनगन इमर को दे दो। वह मेरे साथ रहेगा।’

न जाने क्यों इमर एकदम हर्षित दिखाई देने लगा।

‘लेकिन...।’

‘अब अप। जो मैं कहता हूँ, वैसे करो।’

जेम्स ने हिचकिचाते हुए मशीनगन इमर के साथ में दे दी।

इमर मेजर होवाथ की बगल में आ खड़ा हुआ।

‘भागो, मेजर बोला।’

सब लोग न चाहते हुए भी पैरों से टर्की हुई सड़क पर भाग निकले।

जेम्स हिचकिचाता हुआ वहीं खड़ा रहा।

शत्रुओं का काफला इमारत के सामने पहुँच गया।

‘मैं कहता हूँ, भागो।’ मेजर चिल्लाया।

जेम्स एक क्षण चुप रहा और फिर निश्चयात्मक स्वर से बोला- ‘मैं जवान आदमी हूँ बाकी लोगों से तेज भाग सकता हूँ, कम से कम पाँच मिनट मुझे यहाँ ठहरने दें। बाढ़ में मैं भागकर उन लोगों से जा मिलूँगा।’

‘पाँच मिनट में तुम क्या कर लोंगे?’

‘जब तक तुम लोग पुल के नीचे बाग़द विछाओगे, मैं शत्रु की गतिविधि देखता रहूँगा।’

मेजर ने फिर बहस करने का प्रयत्न नहीं किया।

उसने मशीनगन जेम्स को थमा दी और इमर को संकेत किया।

इमर ने अपनी मशीनगन भी जेम्स के कदमों के समीप रख दी और मेजर के साथ हो लिया।

दोनों लोग सम्मिलित हुए पुल की ओर बढ़ गए।

जेम्स ने दूरबीन अपनी आँखों से लगा ली और दूर इमारत की ओर देखने लगा।

दूर टुक में से कर्जन हील्स कूदा।

उसने एक नजर बाहर खड़ी कार पर डाली और फिर टुक के पास पहुँच गया।

भूँ टुक में से सशस्त्र फौजी बाहर कूद पड़े।
टुक दोनों टुकों के समीप से होता हुआ इमारत के सामने आ
गया।

टुक की तोप का रुख इमारत की ओर मुड़ने लगा।
फिर एक के बाद एक करके कई गोले तोप में से निकले और
भयकर गर्जन की आवाज के साथ इमारत से जा टकराए।
शायद कर्नल हीव्स उन्हें अभी भी इमारत के भीतर ही समझ
रहा था।

पलंग झपकते ही इमारत एक मलबे का ढेर बनकर रह गई।
कुछ सिपाहियों के साथ कर्नल इमारत की ओर बढ़ा।
मेजर होवार्थ और इमर पुल के नीचे बास्द बिछा रहे थे।
जेम्स फिर इमारत की ओर देखने लगा।
दो मिनट बाद कर्नल हीव्स इमारत के मलबे के समीप से हट
गया।

एक फौजी उसका ध्यान पुल की ओर आने वाली सड़क पर
फैले कदमों के निशानों की ओर आकर्षित कर रहा था।

कर्नल हीव्स को समझते हुए ढेर नहीं लगी कि वे लोंग भाग
निकले हैं।

वह तेजी से अपने आदमियों का आदेश देने लगा।

दूरबीन में से जेम्स को केवल उसका मुँह और हाथ चलते
दिखाई दे रहे थे।

सब लोग फिर टुकों में सवार हो गए और काफला पुल की ओर
चल पड़ा।

वह पुल केवल तीस फुट चौड़ा था और एक गहरे नाले के ऊपर
बना हुआ था।

मेजर होवार्थ और इमर पुल के समीप से निकल आए।

मेजर रास्ते में एक तार बिछाता आ रहा था।

जेम्स के समीप पहुंचकर वह तार के सिरे को झाड़ियों के पेड़ों
के झुग्गुट में ले गया और उसे एक बैटरी और नीचे का दबने वाले
हैंडिल से जोड़ दिया।

उसने इमर को संकेत किया।

इमर हैंडिल के पास जा बैठा।

मेजर ने आगे बढ़कर जेम्स के हाथ से दोनों मशीनगन जबरदस्ती
छीन लीं।

'भगवान के लिए अब फौरेन भाग जाओ।' मेजर बोला।

'लेकिन तुम मुझे यहाँ ठहराने क्या नहीं देते?' जेम्स फिर बोला।
'क्योंकि तुम्हारी यहाँ जरूरत नहीं है। यहाँ केवल दो ही मशीनगन
हैं। तीसरा आदमी क्या करेगा यहाँ?'

'लेकिन यह नहीं हो सकता।' मेजर दृढ़ स्वर से बोला।

'क्या?'

मेजर चुप रहा।

'क्योंकि?' मेजर एकदम फट पड़ा- 'क्योंकि तुम मेरे मेहमान हो
और इमर मेरा बेटा है।'

'क्या?' जेम्स एकदम हैरानी से चिल्लाया।

'हाँ।'

'तो... तो... जूलिया...'

'जेम्स मुंह बाये उसे देखता रहा।'

उसी क्षण टैंक पुल पर आ गया।

इमर ने हैंडिल दबा दिया।

एक गगन भेदी धमाका हुआ।

पुल के परखचे उड़ गये।

टैंक की चैन टूट गई और वह पुल के साथ ही नाले में आ
गिरा।

'जेम्स सक्ले की हालत में वहीं खड़ा रहा।'

कर्नल हीव्स के आदमी नाले में उतर रहे थे।

इमर की मशीनगन ने कई बार आग उगली और टैंक पर चढ़े
हुए दोनों फौजी नाले में जा गिरे।

उसी क्षण एक हैंड बम सनसनाता हुआ इमर के दस फुट दूर
आकर बर्फीली जमीन से टकराया और एक भयानक आवाज के
साथ फट गया।

पत्थरों के छोट-छोटे टुकड़े उन लोगों के आस-पास बिखर गए।

'जेम्स!' मेजर फिर बोला- 'मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि
तुम्हारी मौजूदगी से हमारे हाथ मजबूत होने वाले नहीं हैं। इसके
विपरीत अगर तुम यहाँ से नहीं गए तो अकेला प्रोफेसर बार्डर पार
कर जाने के बावजूद भी वहीं बर्फीले रास्तों में दम तोड़ देगा।
प्रोफेसर को तुम्हारी जरूरत है।'

रह रह कर की मशीनगन एक तेज रेट-रेट की आवाज के साथ
चल पड़ती थी।

दूसरी ओर से हैंड बम बराबर फेंके जा रहे थे।

लगता था अभी कर्नल हीव्स का उनकी स्थिति का सही अनुमान

नहीं हो पाया था।

मेजर होवार्थ की प्रार्थना भरी दृष्टि जेम्स के चेहरे पर टिकी थी।
इमर उन दोनों से बेखबर एक भारी जिम्मेदारी के तौर पर
शत्रुओं को भूनने में लगा हुआ था।

जेम्स ने अपना हाथ मेजर की ओर बढ़ा दिया।

मेजर ने बड़े जोश से हाथ मिलाया और बोला- 'गुडलक, माई
व्वाय।'

जेम्स ने एक आखिरी दृष्टि इमर पर डाली और बार्डर की ओर
भाग निकला।

सिरोव, सैंडर, जूलिया, प्रोफेसर हैरोल्ड जैनिंग्स और जेम्स
लगभग दस फुट चौड़ी उस छोटी सी नहर के समीप पहुंच गए थे
जो आस्ट्रेलिया और हंगरी के बीच में सीमा रेखा का काम करती
थी। नहर का पानी सर्दी के अधिग्रहण के कारण जमकर बर्फ हो गया
था।

भयंकर बर्फालि रास्ते को उन लोगों ने बड़ी कठिनाई से तय
किया था। कितनी ही बार सैंडर को जूलिया और वृद्ध प्रोफेसर को
अपने कंधे पर उठाना पड़ा था। कई बार रास्ते पर इतनी गहरी
बर्फ मिली थी कि वे लोग घुटनों तक बर्फ में धंस जाते थे। लेकिन
वही भयंकर बर्फ उनके लिए लाइफ इन्शोरेंस भी थी। रास्ते में कहीं
कोई पुलिस का आदमी दिखाई नहीं दिया था। नहर के पास भी
कोई बार्डर सिवियोरिटी फोर्स नहीं थी। शायद सिवियोरिटी वाले
अपने घरों की चारदीवारी में ऊष्णता का आनन्द ले रहे थे और
ऐसे गन्टे मौसम में किसी के बार्डर क्रॉस करने की सम्भावना पर
कतई विचार नहीं करते थे।

पीछे से कर्नल हील्स को कोई आदमी प्रकट नहीं हुआ था।
इससे लगता था कि मेजर होवार्थ और इमर उन्हें पूरी सफलता से
नाले के दूसरी ओर रोक रहे थे।

खुद उनकी क्या हालत थी, यह जानने का किसी के पास कोई
साधन नहीं था।

रास्ते में जेम्स प्रोफेसर को बता चुका था कि उसका लड़का
ब्रीयन सुरक्षित रूप से स्वीडन पहुंच चुका है और इस तथ्य की
ब्रिटिश सरकार द्वारा पुष्टि भी हो चुकी है। और वह कि उसकी
पत्नी का आपरेशन एकदम सफल रहा था और वह मृत्यु के किसी
भी प्रकार के खतरे से एकदम परे थी।

दस फुट, केवल दस फुट चौड़ी पानी की यह नहर सारे योरोप

का सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थान है।' सिरोंव भारी स्वर से बोला- 'नहर के इधर कम्यूनिरस्ट हंगरी है और उधर आस्ट्रेलिया है। आजादी केवल दस फुट दूर है। प्रोफेसर हेरोल्ड जेनिंग्स, अब कोई आपको आजादी की ओर कदम बढ़ाने से रोक नहीं सकता।'

कोई कुछ नहीं बोला। सब अपने दिल पर एक बोझ सा अनुभव कर रहे थे।

'बधाई मिस्टर जेम्स।' जूलिया बोली- 'आपरेशन कामयाब रहा।'

जेम्स चुप रहा। जाने क्यों वह एकाएक स्वयं को अपराधी सा अनुभव करने लगा। न जाने क्यों उसे अपनी सफलता पर खुशी नहीं हो रही थी।

उसने क्या किया है? उसने सोचा वह तो बधाई का पात्र नहीं है। वह तो हंगरी में प्रवेश करते ही गिरफ्तार हो गया था। अगर मेजर होवार्थ न होता तो इस समय वह किसी कन्सैन्ट्रेशन कैम्प में होता। और अब? अभी भी वह मेजर होवार्थ के कारण ही आस्ट्रेलिया के वाईर पर खड़ा था। भगवान जाने मेजर होवार्थ और इमर पर क्या बीती?

उसने जूलिया की ओर देखा। वह सिरोंव के कन्धे पर हाथ रखे चुपचाप खड़ी थी। जेम्स अधिक देर तक उस ओर नहीं देख सका।

'आप?' जेम्स भारी स्वर से सिरोंव से सम्बोधित हुआ- 'आप कहाँ जायेंगे?'

'हमारी चिन्ता मत करो?' सिरोंव ने उत्तर दिया- 'यहाँ से थोड़ी ही दूर एक दूसरे शरत्त पर मेरा एक अन्डर ग्राउन्ड क्वार्टर है। हम सुरक्षित वहाँ पहुँच सकते हैं। मेरे और मेजर होवार्थ के अतिरिक्त किसी का भी उस स्थान की जानकारी नहीं है।'

मेजर को अपने भीतर कुछ टूटता हुआ महसूस हुआ।

'गुड बाई, मिस्टर जेम्स।' सिरोंव बोला- 'गुड बाई प्रोफेसर!'

जेम्स ने प्रोफेसर का हाथ थामा और नहर पार करके दूसरे किनारे पर पहुँच गया।

उसने मुड़कर देखा।

सिरोंव, सैन्डर और जूलिया ने आखिरी बार हाथ हिलाकर उनसे विदा ली और धीरे-धीरे बर्फ की ओर बढ़ चले।

किसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

बृद्ध प्रोफेसर का हाथ थामे जेम्स तब तक वहाँ खड़ा रहा जब तक वे लोग दृष्टि से ओझल नहीं हो गये।